राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट

2017-18

नैम्स हाउस,
अंसारी नगर,महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110029

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029

दूरभाषः

011-26588718

अध्यक्षः 011-26588792

सचिवः 011-26589289

फैक्स नं.:

011-26588992

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.
	परिषद् - 2017-18	1
	अधिकारीगण एवं कार्यपालक कर्मचारी	2
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का संपादकीय मंडल	3-6
क.	**संगठनात्मक गतिविधियाँ**	**7**
	संगठनात्मक गतिविधियाँ एवं वार्षिक बैठक	9
	वार्षिक बैठक में अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार	10-22
	वर्ष 2016 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	23
	व्याख्यान और पुरस्कार	24-27
	नैम्ल 2007 अमृतसर पुरस्कार	28
	आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार	28
	परिषद् की बैठकें	29
	अध्येताओं का निर्वाचन- 2017	30-33
	सदस्यों का निर्वाचन- 2017	34-47
	डीएनबी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार	48-64
	अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य	65
	व्याख्यान व पुरस्कार - 2017-18 के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों का नामांकन	66-70
	वर्ष 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	71
	इमारत का रख-रखाव	71-72
	वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	73-75
	मृत्युलेख	76
	28 अक्तूबर, 2017 को अमृतसर, पंजाब में वार्षिक दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष डॉ. मुकुंद सदाशिव जोशी द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-I)	77-80
	28 अक्तूबर, 2017 को अमृतसर, पंजाब में वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. जसपाल सिंह संधु, उपकुलपति, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-II)	81-82

पृष्ठ सं.

ख.	**शैक्षिक रिपोर्ट**	**83**
	सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	85
	कार्यकलापों की रिपोर्ट 01 अप्रैल, 2017 - 31 मार्च, 2018	85-90
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का राज्यवार वितरण	91
	एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम (अनुबंध-III)	92-93
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-IV)	94-113
	शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट	114-116
	चिकित्सा वैज्ञानिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)	117
	अंतःसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-V)	118-125
	प्रायोगिक परियोजना	126-130
	एनएएमएस अध्याय (अनुबंध-VI)	131-134
	एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य	135-140
	एनएएमएस वेबसाइट	141
ग.	**वित्तीय रिपोर्ट**	**143**
	सरकारी अनुदान	145-146
	लेखा	147-190
घ.	**1 अप्रैल, 2018 से 30 सितम्बर, 2018 तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं**	**191**
	परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्य	191
	अध्यक्ष का निर्वाचन	191
	उपाध्यक्ष का निर्वाचन	191
	वर्ष 2018 के लिए निर्वाचित अध्येता और सदस्य	191-194
	विनियमन V के अधीन भर्ती किए गए सदस्य	194-207
	संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम	208-211
	एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी	212
	वर्ष 2018 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	212

परिषद् 2017-18

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, अध्यक्ष

डॉ. सी.एस. भास्करन, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष*

डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, उपाध्यक्ष

डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस, कोषाध्यक्ष

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस

डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. मायिल वाहनन नटराजन, एफएएमएस

डॉ. राकेश कुमार चड्डा, एफएएमएस

डॉ. शिव के. सरीन, एफएएमएस

डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस

डॉ. रवि कांत, एफएएमएस

डॉ. दिगम्बर बेहेरा, एफएएमएस

डॉ. संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस

डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस

डॉ. जी. के. रथ, एफएएमएस

डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस

डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद्

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

* दिवंगत

अधिकारीगण 2017-18

अध्यक्ष	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस
उपाध्यक्ष	डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस
कोषाध्यक्ष	डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस

कार्यपालक कर्मचारी

मानद सचिव	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस
सतत चिकित्सा शिक्षा समन्वयक	डॉ. के.के. शर्मा, एफएएमएस (दिसम्बर 2017 तक)
सतत चिकित्सा शिक्षा समन्वयक सह सलाहकार	डॉ. के.के. शर्मा, एफएएमएस (दिसम्बर 2017 से अब तक)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :- (1.1.2015 से)

संपादक

डॉ. संजीव मिश्रा

सहयोगी संपादक

डॉ. वी. मोहन कुमार

डॉ. कुलदीप सिंह

सहायक संपादक

डॉ. मोहन कामेस्वरन

संपादकीय मंडल

डॉ. स्नेहलता देशमुख

डॉ. डब्लयू. सेल्वामूर्ति

डॉ. जे. एन. पांडे

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन

डॉ. एच. एस. संधू

डॉ. ललिता एस. कोठारी

डॉ. विनोद पॉल

डॉ. संजय वधवा

संपादकीय सहयोगी

डॉ. एम.वी पद्मा श्रीवास्तव

डॉ. आर. के. चड्डा

डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव

डॉ. प्रोमिला बजाज

डॉ. एन. आर. जगन्नाथन

डॉ. सुब्रत सिन्हा

डॉ. रविंदर गोस्वामी

डॉ. (ब्रिगेडियर) वेलु नायर

सलाहकार मंडल के सदस्य

डॉ. पी. के. मिश्रा

डॉ. एम. बेरी

एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एम. एस. बोपाराय

डॉ. वाई. के. चावला

डॉ. पी. के. दवे

डॉ. आमोद गुप्ता

डॉ. रवि कांत

डॉ. बलराम एरन

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल

डॉ. राजेश्वर दयाल

डॉ. सी. एस. सैंबी

डॉ. आर. मदान

डॉ. राजकुमार

डॉ. मुकुंद एस. जोशी

डॉ. कमल बक्शी

डॉ. हरिभाई एल. पटेल

डॉ. आई. सी. वर्मा

डॉ. गीता के. वेमुगंटी

प्रतिष्ठित संपादकः प्रो. जे. एस. बजाज

वार्षिक सदस्यता दर

भारत	रूपये 500.00
विदेश	$ 30.00
	£ 15.00
एकल प्रति	रूपये 150.00

पत्रव्यवहार

पत्रिका से संबंधित सभी पत्रव्यवहार निम्न को संबोधित किया जाएः

मानद सचिव

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः 011-26589289 **ई-मेलः** nams_aca@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.nams-india..in

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :- (1.1.2018 से)

मुख्य संपादक

डॉ. संजीव मिश्रा

सहयोगी संपादक

डॉ. कुलदीप सिंह

डॉ. के.के. शर्मा

डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव

संपादकीय मंडल

डॉ. ए. के. जैन

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

डॉ. के. के. दीपक

डॉ. पंकज भारद्वाज

डॉ. प्रवीण शर्मा

डॉ. आर. के. चड्डा

डॉ. राजेश कुमार

डॉ. संजय वधवा

डॉ. सिद्धार्थ दत्ता गुप्ता

डॉ. आशीष वाखलु

डॉ. गोपाल नाथ

डॉ. एम.वी पद्मा श्रीवास्तव

डॉ. पीयूष गुप्ता

डॉ. आर. गोस्वामी

डॉ. राज कुमार

डॉ. राजेश मल्होत्रा

डॉ. एस. एस. यादव

डॉ. (सुश्री) यू. एम. थाट्टे

सलाहकार मंडल

डॉ. बी. के. जैन

डॉ. जगत राम

डॉ. (श्रीमती) कृष्णा गर्ग

डॉ. एन. आर. जगन्नाथन

डॉ. प्रतिभा सिंह

डॉ. रणदीप गुलेरिया

डॉ. श्रीधर शर्मा

डॉ. टी. डी. चुग

डॉ. सी. आदिथन

डॉ. कमल बक्शी

डॉ. मुकुंद एस. जोशी

डॉ. पी. के. दवे

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन

डॉ. श्रीधर द्विवेदी

डॉ. स्नेहलता देशमुख

डॉ. योगेश के. चावला

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार

डॉ. एम. एस. बोपाराय

डॉ. सौम्या स्वामीनाथन

प्रतिष्ठित संपादकः प्रो. जे. एस. बजाज

वार्षिक सदस्यता दर

अंतर्देशीय	रूपये	1500.00
विदेश	$	40.00
	£	30.00
	€	30.00
एकल प्रति	रूपये	500.00

पत्रव्यवहार

पत्रिका से संबंधित सभी पत्रव्यवहार निम्न को संबोधित किया जाएः

मानद सचिव

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः 011-26589289 **ई-मेलः** nams_aca@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.nams-india..in

संगठनात्मक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

संगठानात्मक गतिविधियाँ

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

57वीं वार्षिक बैठक 27, 28 और 29 अक्तूबर, 2017 को श्री गुरू राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित की गई। अकादमी का दीक्षांत समारोह 28 अक्तूबर, 2017 को आयोजित किया गया।

डॉ. जसपाल सिंह संधू, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, खेल चिकित्सा और भौतिक चिकित्सा के संकाय, और कुलपति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, मुख्य अतिथि थे।

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-। में दिया गया है।

डॉ. जसपाल सिंह संधू, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, खेल चिकित्सा और भौतिक चिकित्सा के संकाय, और कुलपति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, ने दीक्षांत भाषण दिया। भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-।। में दिया गया है।

अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार

अध्येता

अमृतसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में बीस अध्येताओं को, जिनमें वर्ष 2014 में निर्वाचित 1, 2016 में निर्वाचित 1 और 2017 में निर्वाचित 18 अध्येता सम्मिलित थे, अध्येतावृत्ति प्रदान की गई तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किये गये अध्येताओं के नाम और संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग (2014)

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

2. डॉ. अपराजित बल्लव डे (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

3. डॉ. शम्पा अनुपूर्बा (2017)

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

4. डॉ. शेखर चंद्र बाल (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, परमाणु चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता परमाणु चिकित्सा है।

5. डॉ. बिक्रजीत बसु (2017)

आचार्य, सामग्री अनुसंधान केन्द्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर 560012। उनकी विशेषज्ञता जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग है।

6. डॉ. संजय कुमार भादादा (2017)

आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह और अंतःस्त्राविकी है।

7. डॉ. श्याम सिंह चौहान (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

8. डॉ. शिव कुमार चौधरी (2017)

आचार्य, हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा है।

9. डॉ. देबाशिश डांडा (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और आमवातविज्ञान विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर - 632004। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और आमवातविज्ञान है।

10. डॉ. पुष्पा धर (2017)

आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

11. डॉ. प्रेम नाथ डोगरा (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

12. डॉ. शैलेश बी. गायकवाड़ (2017)

आचार्य, तंत्रिकाइमेजिंग और अन्तःक्षेपी तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विकिरण विज्ञान है।

13. डॉ. बबिता घई (2017)

आचार्य, संज्ञाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता संज्ञाहरण विज्ञान है।

14. डॉ. उदय चंद घोषाल (2017)

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

15. डॉ. जयंती कलिता (2017)

आचार्य, तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका रोग विज्ञान है।

16. डॉ. पवनींद्र लाल (2017)

आचार्य, शल्यचिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एलएनजेपीएन अस्पताल, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता शल्यचिकित्सा है।

17. डॉ. राजेश मल्होत्रा (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

18. डॉ. सत्यजीत प्रधान (2017)

आचार्य, विकिरण निदान एवं विकिरण चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

19. डॉ. सूर्य राव कुतिकुप्पला (2017)

मुख्य चिकित्सक एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, बेथानी क्रिश्चियन अस्पताल, विशाखापत्तनम - 530007। उनकी विशेषज्ञता सामान्य अभ्यास / पारिवारिक चिकित्सा है।

20. डॉ. महिन्दर सिंह सिद्धू (2017)

निदेशक, स्नातकोत्तर अध्ययन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग और दंत चिकित्सा अस्थिरोग विभाग, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम - 123505। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

सदस्य

वर्ष 2014 में निर्वाचित 1, वर्ष 2016 में निर्वाचित 4 और वर्ष 2017 में निर्वाचित 62 सदस्यों सहित बहत्तर सदस्यों को अमृतसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में सदस्य बनाया गया तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किए गए सदस्यों के नाम और उनके संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. सुबोध कुमार (2014)**

   अपर आचार्य, शल्यचिकित्सा विभाग, जे. पी. एन. एपेक्स ट्रामा केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषता शल्यचिकित्सा है।

2. **डॉ. संजय पांडे (2016)**

   सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

3. **डॉ. सी. एम. सिंह (2016)**

   अपर आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

4. **डॉ. रामजी सिंह (2016)**

   अपर आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

5. **डॉ. सरिता सिंह**

   सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

6. **डॉ. अमित अग्रवाल (2017)**

   वरिष्ठ सलाहकार, चंद्र ऑर्थोपेडिक सेंटर, 1/98 सिविल लाइंस प्रोफेसर कॉलोनी, आगरा। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

7. डॉ. कैलाश चंद्र अग्रवाल (2017)

वरिष्ठ आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग और प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर -3 05001। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

8. डॉ. शिप्रा अग्रवाल (2017)

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, फर्स्ट फ्लोर, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

9. डॉ. सिम्मी अग्रवाल (2017)

आचार्य, जीजीएस मेडिकल कॉलेज, फरीदकोट, समीप भारतीय स्टेट बैंक, सर्कुलर रोड, फरीदकोट - 151203 । उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

10. डॉ. सहीम अहमद (2017)

सह आचार्य, जैव विज्ञान विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226026। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

11. डॉ. इंतज़ार अहमद (2017)

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

12. डॉ. अमनदीप कौर आनंद (2017)

सलाहकार, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, सरकारी अस्पताल, गांधी नगर, जम्मू - 180004। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

13. डॉ. रिपुदमन अरोड़ा (2017)

सहायक आचार्य, ईएनटी और सिर गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, कक्ष संख्या 24, आयुष भवन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492099। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

14. डॉ. दीपिका बंसल (2017)

सहायक आचार्य, नैदानिक अनुसंधान इकाई, औषध अभ्यास विभाग, एनआईपीएमईआर, मोहाली। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक भेषज गुण विज्ञान है।

15. डॉ. रीमा बंसल (2017)

सह आचार्य, उन्नत नेत्र केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उसकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

16. डॉ. अभिनंदन भट्टाचार्जी (2017)

सहायक आचार्य, ईएनटी विभाग, सिलचर मेडिकल कॉलेज, असम - 788015। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

17. डॉ. स्वाथी चाचम (2017)

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

18. **डॉ. अंकिता चुग (2017)**

सहायक आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

19. डॉ. विनय कुमार चुग (2017)

सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

20. **डॉ. दीपांकर डे (2017)**

सह आचार्य, त्वचा रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उसकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

21. डॉ. राकेश कुमार दीक्षित (2017)

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

22. डॉ. रूचिका गर्ग (2017)

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282010। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

23. डॉ. आशीष गौतम (2017)

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282010। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

24. डॉ. राजीव गोयल (2017)

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

25. डॉ. शिल्पा गोयल (2017)

सह आचार्य, संवेदनाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी औद्योगिक क्षेत्र फेज 2, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

26. डॉ. अर्चिका गुप्ता (2017)

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

27. डॉ. विनीता गुप्ता (2017)

सहायक आचार्य, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

28. डॉ. मित्रा एन. हेगड़े (2017)

उप प्रधानाचार्य, अध्यक्ष, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडांटिक्स विभाग, ए. बी. शेट्टी स्मारक दंत विज्ञान संस्थान, निट्टे विश्वविद्यालय, डर्लाकट्टे, मंगलौर - 575018। उनकी विशेषता दंत शल्य चिकित्सा है।

29. डॉ. राजेंद्र कुमार जैन (2017)

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल - 462016। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

30. डॉ. आँचल कक्कड़ (2017)

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

31. डॉ. राजीव कुमार कांसे (2017)

सहायक आचार्य, अस्थिरोग शल्य चिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

32. डॉ. प्रेम कपूर (2017)

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

33. डॉ. डेजी खेड़ा (2017)

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

34. डॉ. सुरेखा किशोर (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा / परिवार चिकित्सा है।

35. डॉ. इंदिरा कुमारी (2017)

वरिष्ठ आचार्य, एकक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, आर. एन. टी. मेडिकल कॉलेज एवं एम. बी. अस्पताल, उदयपुर - 313001। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

36. डॉ. प्रज्ञा कुमार (2017)

सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामुदायिक परिवार चिकित्सा है।

37. डॉ. सुनील कुमार (2017)

सह आचार्य, नाक, कान, गला रोग विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

38. डॉ. विशाल कुमार (2017)

सहायक आचार्य, अस्थिरोग शल्य चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उसकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

39. डॉ. गुरवनित कौर लेहल (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, दंत विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

40. डॉ. राजेश कुमार अशोक कुमार माहेश्वरी (2017)

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, सुमनदीप विद्यापीठ, पिपरिया (आठ), टीए-वाघोडिया, वडोदरा - 391760। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

41. डॉ. आशीष मारवाह (2017)

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, कल्पना चावला सरकारी मेडिकल कॉलेज, करनाल - 13001। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

42. डॉ. विनीता मित्तल (2017)

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

43. डॉ. शादाब मोहम्मद (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

44. डॉ. पी. वी. एल. एन. मूर्ति (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, कामिनेनी आयुर्विज्ञान संस्थान, नारकेटपेय, नालागोंडा जिला, तेलंगाना राज्य - 508254। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

45. डॉ. राजेंद्र नाथ (2017)

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान एवं चिकित्सकीय विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

46. डॉ. ब्रसभानु नायक (2017)

सहायक आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

47. डॉ. ऋषि नय्यर (2017)

सहायक आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

48. डॉ. सीमा परतानी (2017)

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

49. डॉ. शिवम प्रियदर्शी (2017)

आचार्य एवं एकक विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

50. डॉ. आलोक रंजन (2017)

सहायक आचार्य, सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

51. डॉ. जितेंद्र कुमार राव (2017)

आचार्य, प्रोस्टहोडोंटिक्स विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

52. डॉ. सतीश रवि कुमार (2017)

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

53. डॉ. जिलेदार रावत (2017)

आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

54. डॉ. गुरपाल सिंह (2017)

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, पटियाला। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

55. डॉ. सुधीर चंद्र सारंगी (2017)

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

56. डॉ. ध्रुबज्योति शर्मा (2017)

वरिष्ठ रेजिडेंट, बाल रोग विभाग, प्रोन्नत बाल चिकित्सा केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

57. डॉ. साधना शर्मा (2017)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

58. डॉ. अनिन्दिता सिन्हा (2017)

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

59. डॉ. अर्पिता सिंह (2017)

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, जीएसवीएम आयुर्विज्ञान, कानपुर - 226010। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

60. डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह (2017)

सह आचार्य, क्षय रोग एवं छाती रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282001। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

61. डॉ. हितेन्द्र प्रकाश सिंह (2017)

सह आचार्य, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ -226010। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान है।

62. डॉ. मनीष कुमार सिंह (2017)

सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर - 273013। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

63. डॉ. रतेंद्र कुमार सिंह (2017)

अपर आचार्य, गहन देखभाल चिकित्सा विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226012। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

64. डॉ. सुनील तनेजा (2017)

सहायक आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

65. डॉ. वीरेंद्र वर्मा (2017)

आचार्य, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ -226003। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान है।

66. डॉ. नवल किशोर विक्रम (2017)

आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

67. डॉ. रवि यादव (2017)

अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), बेंगलुरू, कर्नाटक - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 17 अगस्त, 2016 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2016 के लिए डॉ. एस. एस. देशमुख, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। उनकी विशेषज्ञता, समानता और शैक्षणिक श्रेष्ठता के गुणों के साथ, बाल शल्य चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में है, उनका उच्च क्रम की उत्कृष्टता और उच्च कोटि की विषय विशेषज्ञता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने परिषद सदस्य, प्रतिष्ठित आचार्य, वित्त समिति अध्यक्षा एवं विभिन्न स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में उत्कृष्टता पूर्वक अकादमी की सेवा की है।

व्याख्यान और पुरस्कार

डॉ. जसपाल सिंह संधू, मुख्य अतिथि, ने अमृतसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2016-17 के लिए अकादमी के निम्नलिखित व्याख्यान/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किएः

व्याख्यान

कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. अनिल के. जैन, एफएएमएस निदेशक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095।
व्याख्यान का शीर्षक	"रीढ़ की हड्डी में क्षय रोग: नैदानिक अभ्यास पर अनुसंधान साक्ष्य का प्रभाव"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ. उषा कांत मिश्रा, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	“जापानी इंसेफेलाइटिस में नैदानिक और प्रायोगिक अध्ययन: सीखे गए सबक”

डॉ. आर.वी. राजम व्याख्यान	डॉ. प्रेमाशीष कार, एफएएमएस निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, जठरांत्र रोग विज्ञान एवं यकृत रोग विभाग, मैक्स सुपर स्पेशियालटी अस्पताल, वैशाली, बी001, प्राज्ञिज्योतिषपुर अपार्टमैंट, सैक्टर -

	X, प्लॉट नं. 7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075।
व्याख्यान का शीर्षक	"भारत में एचईवी संबंधित यकृत् रोगः यह रोग तूफानी क्यों है?"

डॉ. जे. जी. जॉली व्याख्यान	कर्नल (डॉ.) देवेन्द्र अरोड़ा आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, कमान अस्पताल (एससी), पुणे - 411040, (महाराष्ट्र)।
व्याख्यान का शीर्षक	"भ्रूण रक्त आधान: उद्धारकर्ता"

अकादमी व्याख्यान	डॉ .अरविंद बग्गा, एमएएमएस आचार्य , बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली110029 - ।
व्याख्यान का शीर्षक	"बच्चों में ग्लोमेरुलर रोगों के लिए चिकित्सा"

पुरस्कार

श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार	डॉ. ज्योत्सना कैलाशिया सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
विषय: "बिम्बाणु-व्युत्पन्न सूक्ष्म कणों का पता लगाने के लिए ग्राफीन ऑक्साइड-आधारित बायोसेंसर: थ्रोम्बस जोखिम पहचान के लिए एक संभावित उपकरण"	
डॉ. ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार	डॉ. चंदन जे. दास सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषय: "विद्युत शरीरक्रियात्मक सहसंबंध के साथ कुष्ठ रोग से संबंधित प्रकोष्ठिका स्नायुरोग में प्रकोष्ठिका स्नायु सोनोग्राफी"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. विनय के. चुग सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)।
विषय: "ऑर्थोडॉन्टिक कोष्ठकों के समीप इनैमल विखनिजीकरण पर प्रकाश उपचारित फ्लोराइड वार्निश का प्रभाव: एक अन्तर्जीवी अध्ययन"	

<table>
<tr><td>डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार</td><td>डॉ. के. एच. रीटा
आचार्य,
भेषज गुण विज्ञान विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "चूहे में एडारावोन क्षीण अन्तःमस्तिष्कनिलयी स्ट्रेपटोज़ोटोकिन प्रेरित संज्ञानात्मक हानि"</td></tr>
</table>

नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार

यह पुरस्कार अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पुरस्कार वितरण के समय एक ऐसे पुरस्कार विजेता को दिया जाता है जिसका लेख पैनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट घोषित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया लेख नैम्स की संपत्ति बन जाता है और युवा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसे अकादमी के वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित किया जाएगा।

अमृतसर, पंजाब, में नैम्सकॉन 2017 के वार्षिक सम्मेलन (27 - 29 अक्टूबर, 2017) के दौरान इस पुरस्कार को निम्नलिखित विवरण अनुसार डॉ. ज्योत्सना कैलाशिया को दिया गया था:

श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार	डॉ. ज्योत्सना कैलाशिया सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
विषय: "बिम्बाणु-व्युत्पन्न सूक्ष्म कणों का पता लगाने के लिए ग्राफीन ऑक्साइड-आधारित बायोसेंसर: थ्रोम्बस जोखिम पहचान के लिए एक संभावित उपकरण"	

आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार

27 अक्टूबर, 2017 को "पर्यावरण एवं स्वास्थ्य" पर आयोजित संगोष्ठी के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्र प्रदर्शन का आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार दो छात्रों, सुश्री गवेषणा गर्ग और श्री कंवर वीर सिंह, को मुख्य अतिथि डॉ. जसपाल सिंह संधू द्वारा 28 अक्टूबर, 2017 को श्री गुरू राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। दोनों पुरस्कार विजेता श्री गुरू राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में एमबीबीएस के विभिन्न सत्रों के छात्र थे।

परिषद् की बैठकें

वर्ष 2017 के दौरान परिषद् की तीन बैठकें आयोजित की गई थीं।

पहली बैठक 16 जुलाई, 2017 को , दूसरी बैठक 12 सितम्बर, 2017 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की गई थीं।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना - 2017

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है, जो वर्ष 2016 में अपना कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जिन्हें परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किया गया:

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	डॉ. कमल बक्शी
2. डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव	डॉ. जी. के. रथ
3. डॉ. मोहन कामेस्वरन	डॉ. मोहन कामेस्वरन
4. डॉ. आमोद गुप्ता	डॉ. संजीव मिश्रा
5. डॉ. अजमेर सिंह	डॉ. के. के. शर्मा

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

अध्येताओं का निर्वाचन - 2017

साख समिति ने वर्ष 2017 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 202 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया, इनमें से 95 नए नामांकन (67 प्रत्यक्ष और 28 प्रोन्नत) थे और 107 अग्रेनीत नामांकन (93 प्रत्यक्ष और 14 प्रोन्नत) थे। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 23 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति और सदस्यता के निर्वाचन के लिए अनुशंसित जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त की फाइल की जांच करने के बाद साख समिति की सिफारिशों को परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. डॉ. शम्पा अनुपूर्बा

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

2. डॉ. बिक्रजीत बसु

आचार्य, सामग्री अनुसंधान केन्द्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर 560012। उनकी विशेषज्ञता जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग है।

3. डॉ. चंद्र शेखर बाल

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, परमाणु चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता परमाणु चिकित्सा है।

4. डॉ. संजय कुमार भादादा

आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह और अंतःस्त्राविकी है।

5. डॉ. गिरिराज रतन चंडक

निदेशक, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र, ग्रुहाकल्पा, नामपल्ली, हैदराबाद धारणाधिकार वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं समूह नेता, कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हब्सीगुडा, हैदराबाद - 500007। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

6. डॉ. श्याम सिंह चौहान

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

7. डॉ. शिव कुमार चौधरी

आचार्य, हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता हृद्वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा है।

8. डॉ. देबाशिश डांडा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और आमवातविज्ञान विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर - 632004। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और आमवातविज्ञान है।

9. डॉ. पुष्पा धर

आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

10. डॉ. आलोक धवन

निदेशक, सीएसआईआर - भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, विषविज्ञान भवन, 31, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ - 226001। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

11. डॉ. प्रेम नाथ डोगरा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

12. डॉ. शैलेश बी. गायकवाड़

आचार्य, तंत्रिकाइमेजिंग और अन्तःक्षेपी तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विकिरण विज्ञान है।

13. डॉ. बबिता घई

आचार्य, संज्ञाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता संज्ञाहरण विज्ञान है।

14. डॉ. उदय चंद घोषाल

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

15. डॉ. जयंती कलिता

आचार्य, तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका रोग विज्ञान है।

16. डॉ. राज कुमार

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, श्वसन एलर्जी एवं आनुप्रायोगिक प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, और अध्यक्ष, राष्ट्रीय श्वसन एलर्जी, दमा एवं प्रतिरक्षा विज्ञान केन्द्र, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110007। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

17. डॉ. जी सुरेश कुमार

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, 4, राजा एस सी मलिक रोड, जादवपुर, कोलकाता - 700032। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

18. डॉ. पवनींद्र लाल

आचार्य, शल्यचिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एलएनजेपीएन अस्पताल, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता शल्यचिकित्सा है।

19. डॉ. राजेश मल्होत्रा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

20. डॉ. नेगी वीर सिंह

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी - 605006। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान है।

21. डॉ. सत्यजीत प्रधान

आचार्य, विकिरण निदान एवं विकिरण चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

22. डॉ. सूर्य राव कुतिकुप्पला

मुख्य चिकित्सक एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, बेथानी क्रिश्चियन अस्पताल, विशाखापत्तनम - 530007। उनकी विशेषज्ञता सामान्य अभ्यास / पारिवारिक चिकित्सा है।

23. डॉ. महिन्दर सिंह सिद्धू

निदेशक, स्नातकोत्तर अध्ययन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग और दंत चिकित्सा अस्थिरोग विभाग, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम - 123505। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

सदस्यों का निर्वाचन - 2017

सदस्यता के निर्वाचन के लिए कुल 109 उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया (जिनमें 91 नए नामांकन और 53 अग्रेषित नामांकन थे)। साख समिति ने 104 उम्मीदवारों की सिफारिश की और वे परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गए। इसके बाद उनको, अध्येताओं की सामान्य निकाय द्वारा नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, मतदान द्वारा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। निर्वाचित सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. अमित अग्रवाल**

   वरिष्ठ सलाहकार, चंद्र ऑर्थोपेडिक सेंटर, 1/98 सिविल लाइंस प्रोफेसर कॉलोनी, आगरा। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. कैलाश चंद्र अग्रवाल**

   वरिष्ठ आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग और प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर -3 05001। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

3. **डॉ. सौरभ अग्रवाल**

   सलाहकार, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, सरिता विहार, नई दिल्ली - 110076। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

4. **डॉ. शिप्रा अग्रवाल**

   सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, फर्स्ट फ्लोर, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

5. **डॉ. सिम्मी अग्रवाल**

   आचार्य, जीजीएस मेडिकल कॉलेज, फरीदकोट, समीप भारतीय स्टेट बैंक, सर्कुलर रोड, फरीदकोट - 151203 । उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

6. **डॉ. दानिश अहमद**

   वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ प्रवक्ता, भारत लोक स्वास्थ्य, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता लोक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य शिक्षा है।

7. **डॉ. फरीदा अहमद**

आचार्य एवं अध्यक्षा, भेषज गुण विज्ञान विभाग, जे. एन. चिकित्सा कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ - 202002। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

8. डॉ. सहीम अहमद

सह आचार्य, जैव विज्ञान विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226026। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

9. डॉ. इंतज़ार अहमद

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

10. डॉ. अमनदीप कौर आनंद

सलाहकार, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, सरकारी अस्पताल, गांधी नगर, जम्मू - 180004। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

11. डॉ. रिपुदमन अरोड़ा

सहायक आचार्य, ईएनटी और सिर गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, कक्ष संख्या 24, आयुष भवन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492099। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

12. डॉ. प्रमोद कुमार अवति

सहायक आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, अनुसंधान बी खंड, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उसकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

13. डॉ. नरेंद्र कुमार बागड़ी

सहायक आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

14. डॉ. दीपिका बंसल

सहायक आचार्य, नैदानिक अनुसंधान इकाई, औषध अभ्यास विभाग, एनआईपीएमईआर, मोहाली। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक भेषज गुण विज्ञान है।

15. डॉ. रीमा बंसल

सह आचार्य, उन्नत नेत्र केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उसकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

16. डॉ. वीरेंद्र कुमार बंसल

आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

17. डॉ. मदन लाल ब्रह्म भट्ट

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, विकिरण चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

18. डॉ. अभिनंदन भट्टाचार्जी

सहायक आचार्य, ईएनटी विभाग, सिलचर मेडिकल कॉलेज, असम - 788015। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

19. डॉ. बिंदु पी. एस.

अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), बेंगलुरू, कर्नाटक - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

20. डॉ. स्वाथी चाचम

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

21. डॉ. मनीष चंद्रा

सहायक आचार्य, नाक, कान, गला रोग विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

22. डॉ. जयकरण चरण

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, , जोधपुर - 342005 (राजस्थान)। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

23. डॉ. अंकिता चुग

सहायक आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

24. डॉ. विनय कुमार चुग

सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

25. डॉ. दीपांकर डे

सह आचार्य, त्वचा रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उसकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

26. डॉ. राकेश कुमार दीक्षित

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

27. डॉ. राजीव गर्ग

आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

28. डॉ. रूचिका गर्ग

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282010। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

29. डॉ. आशीष गौतम

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282010। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

30. डॉ. गायत्री मोघे घदयालपाटिल

निदेशक, टूथबड्डीज, क्लेफ्ट लिप पैलेट क्रैनोफेशियल विसंगती दंत केंद्र, 402, जन्या अपार्टमेंट, 6-1-283 / 4, पद्मारावनगर, सिकंदराबाद - 500025। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

31. डॉ. राजीव गोयल

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

32. डॉ. शिल्पा गोयल

सह आचार्य, संवेदनाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी औद्योगिक क्षेत्र फेज 2, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

33. लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील गोयल

वर्गीकृत विशेषज्ञ (ईएनटी) एवं तंत्रिका कान विज्ञान प्रशिक्षु, एमईआरएफ (प्रा.) लिमिटेड 1, फर्स्ट क्रॉस स्ट्रीट, आर. ए. पुरम, चेन्नई - 600028। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला विज्ञान है।

34. डॉ. अर्चिका गुप्ता

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

35. डॉ. राजीव गुप्ता

आचार्य, हृद् रोग विज्ञान विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल - 462001। उनकी विशेषज्ञता हृद् रोग विज्ञान है।

36. डॉ. सरोज गुप्ता

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, पीपुल्स आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, भोपाल - 463016। उसकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

37. डॉ. विनीता गुप्ता

सहायक आचार्य, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

38. डॉ. मित्रा एन. हेगड़े

उप प्रधानाचार्य, अध्यक्ष, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडांटिक्स विभाग, ए. बी. शेट्टी स्मारक दंत विज्ञान संस्थान, निट्टे विश्वविद्यालय, डर्लाकट्टे, मंगलौर - 575018। उनकी विशेषता दंत शल्य चिकित्सा है।

39. डॉ. एम. डी. नज़रूल इस्लाम

सह आचार्य, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, आर. जी. कार मेडिकल कॉलेज, कोलकाता - 700004। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

40. डॉ. राजेंद्र कुमार जैन

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल - 462016। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

41. डॉ. अनिरुद्ध आर. जोशी

आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, वाईएमटी दंत कॉलेज, खारघर, नई मुंबई - 410210। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

42. डॉ. सुनीत कुमार जुरेल

सह आचार्य, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226016। उनकी विशेषता दंत शल्य चिकित्सा है।

43. डॉ. आँचल कक्कड़

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

44. डॉ. वेंकटरमना कांडी

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, प्रथिमा आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर, करीमनगर, तेलंगाना - 505417। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

45. डॉ. राजीव कुमार कांसे

सहायक आचार्य, अस्थिरोग शल्य चिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

46. डॉ. प्रेम कपूर

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

47. डॉ. बिनीता कश्यप

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली - 100095। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

48. डॉ. डेजी खेड़ा

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

49. डॉ. सुरेखा किशोर

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा / परिवार चिकित्सा है।

50. डॉ. इंदिरा कुमारी

वरिष्ठ आचार्य, एकक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, आर. एन. टी. मेडिकल कॉलेज एवं एम. बी. अस्पताल, उदयपुर - 313001। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

51. डॉ. प्रज्ञा कुमार

सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामुदायिक परिवार चिकित्सा है।

52. डॉ. सुनील कुमार

सह आचार्य, नाक, कान, गला रोग विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान, गला रोग विज्ञान है।

53. डॉ. विशाल कुमार

सहायक आचार्य, अस्थिरोग शल्य चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

54. डॉ. गुरवनित कौर लेहल

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, दंत विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

55. डॉ. संदीप महाजन

आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

56. डॉ. राजेश कुमार अशोक कुमार माहेश्वरी

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, सुमनदीप विद्यापीठ, पिपरिया (आठ), टीए-वाघोडिया, वडोदरा - 391760। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

57. डॉ. आशीष मारवाह

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, कल्पना चावला सरकारी मेडिकल कॉलेज, करनाल - 13001। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

58. डॉ. सुभाष मेधी

सहायक आचार्य, जैव अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुवाहाटी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संस्थान, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी - 781014। उनकी विशेषज्ञता आण्विक जीवविज्ञान है।

59. डॉ. विनीता मित्तल

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

60. डॉ. शादाब मोहम्मद

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

61. डॉ. प्रफुल्ल मोहन

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, सशस्त्र बल चिकित्सा कॉलेज, पुणे - 411040। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक भेषज गुण विज्ञान है।

62. डॉ. अरविंद कुमार मौर्य

सह आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

63. डॉ. पी. वी. एल. एन. मूर्ति

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, कामिनेनी आयुर्विज्ञान संस्थान, नारकेटपेय, नालागोंडा जिला, तेलंगाना राज्य - 508254। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

64. डॉ. मधु नागप्पा

सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलोर - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

65. डॉ. रचिता नंदा

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर - 492099। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

66. डॉ. राजेंद्र नाथ

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान एवं चिकित्सकीय विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

67. डॉ. ब्रसभानु नायक

सहायक आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

68. डॉ. ऋषि नय्यर

सहायक आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

69. डॉ. उमा शंकर पाल

आचार्य, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा विभाग, दंत चिकित्सा विज्ञान के संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

70. डॉ. पटेल मुकुंदकुमार विठ्ठलभाई

सलाहकार चिकित्सक एवं निदेशक, ध्रुव हेल्थकेयर मल्टीस्पेशलिटी, 59, राजेश्वरी सोसाइटी, सीटीएम क्रॉस रोड, एनएच - 8, अहमदाबाद - 380026। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

71. डॉ. सीमा परतानी

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

72. डॉ. शिवम प्रियदर्शी

आचार्य एवं एकक विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर - 302004। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

73. डॉ. मुक्ता पुजानी

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

74. डॉ. आलोक रंजन

सहायक आचार्य, सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

75. डॉ. जितेंद्र कुमार राव

आचार्य, प्रोस्टहोडोंटिक्स विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

76. डॉ. सतीश रवि कुमार

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249201। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

77. डॉ. जिलेदार रावत

आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

78. डॉ. रिदम

आचार्य, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा एवं एंडोडोंटिक्स विभाग, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

79. डॉ. गुरपाल सिंह सचदेवा

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, पटियाला। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

80. डॉ. प्रकाश कुमार साहू

आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, आईएमएस और एसयूएम अस्पताल, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751031। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

81. डॉ. रश्मी सल्होत्रा

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

82. डॉ. सुधीर चंद्र सारंगी

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

83. डॉ. ध्रुबज्योति शर्मा

वरिष्ठ रेजिडेंट, बाल रोग विभाग, प्रोन्नत बाल चिकित्सा केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

84. डॉ. साधना शर्मा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

85. डॉ. सुल्तान शेरिफ

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, मेलमारूवथूर आदिपराशक्ति आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, मेलमारूवथूर, चेन्नई - 603319। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

86. डॉ. अनिन्दिता सिन्हा

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

87. डॉ. अर्पिता सिंह

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, जीएसवीएम आयुर्विज्ञान, कानपुर - 226010। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

88. डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह

सह आचार्य, क्षय रोग एवं छाती रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282001। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

89. डॉ. हितेन्द्र प्रकाश सिंह

सह आचार्य, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ -226010। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान है।

90. डॉ. मनीष कुमार सिंह

सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर - 273013। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

91. डॉ. रघुवर दयाल सिंह

आचार्य कनिष्ठ श्रेणी, प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषता दंत शल्य चिकित्सा है।

92. डॉ. रतेंद्र कुमार सिंह

अपर आचार्य, गहन देखभाल चिकित्सा विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226012। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

93. डॉ. श्रद्धा सिंह

आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226010। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

94. डॉ. दिव्या श्रीवास्तव

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226,003। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

95. डॉ. आशुतोष सोनी

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं जलन विभाग, गीतांजली मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, उदयपुर - 313001। उनकी विशेषता प्लास्टिक सर्जरी है।

96. डॉ. गदिचेरला सुमन

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम. एस. रमम्या मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषता सामुदायिक चिकित्सा / सामुदायिक स्वास्थ्य / एसपीएम है।

97. डॉ. सुनील तनेजा

सहायक आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

98. डॉ. तन्मय तिवारी

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ-226010। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

99. डॉ. आदर्श त्रिपाठी

आचार्य, मनोरोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

100. डॉ. वीरेंद्र वर्मा

आचार्य, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान है।

101. डॉ. नवल किशोर विक्रम

आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

102. डॉ. समीर व्यास

आचार्य, विकिरण निदान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उसकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

103. डॉ. अरुण कुमार यादव

पीएचडी विद्वान, नैदानिक महामारी विज्ञान इकाई, कक्ष संख्या 91, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषता सामुदायिक चिकित्सा है।

104. डॉ. रवि यादव

अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), बेंगलुरू, कर्नाटक - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

एमएनएएमएस

विनियमन-V के अंतर्गत अकादमी की सदस्यता-जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम सदस्यता (एनएनएएमएस) के लिए विधिवत प्रस्तावित किया गया है।

विनियमन- V निम्नानुसार प्रदान करता हैः

> **'वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000/- रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000/- रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा।'**

तदनुसार, उम्मीदवारों के अनुरोध पर अकादमी द्वारा आवेदन प्रपत्रों को जारी किया गया।

निम्नलिखित उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त श्रेणी के अधीन अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-V के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो) द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ दिनांक 6 जुलाई, 2017 को और 12 सितंबर, 2017 को आयोजित बैठक में रखा गया। परिषद ने उसे अनुमोदित किया।

दिनांक 6 जुलाई, 2017 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. गजरलेवार उमंग सुभाष
2. डॉ. महेश कुमार एन. बी.
3. डॉ. अमरनाथ रोड्डान्नावर
4. डॉ. गूलाप्पा एम. चिक्कानारगुंड
5. डॉ. मोहम्मद इस्माइल एम.
6. डॉ. प्रसीथा सी. टी.
7. डॉ. सौरभ गोयल
8. डॉ. देशपांडे निशांत शांतनु
9. डॉ. रामटेके विशाल वसंत
10. *डॉ. हिमांशु आचार्य
11. डॉ. दिनेश आर. बी.
12 डॉ. प्रशांत कुमार
13. डॉ. बाबूराजेन्द्र प्रसाद टी. आर.
14. डॉ. साबू जॉर्ज के.
15. डॉ. गुप्ता गोवर्धन द्वारिका
16. डॉ. हेगड़े अरुण
17. डॉ. लोहाना मेहुल अरुण
18. डॉ. कद्रेकर सुजीत रमेश
19. डॉ. मीनाक्षी मौर्य
20. डॉ. अर्नब बर्मा
21. डॉ. अभय प्रताप सिंह
22. डॉ. दीप दत्ता
23. डॉ. रुपेश कुमार
24. डॉ. पूजा बंसल
25. डॉ. श्रीनाथ जी.
26. डॉ. आमिर राशिद
27. डॉ. महेश कुमार पूनिया
28. डॉ. मेहता वरुण शांतिलाल
29. डॉ. एम. डी. सरफराज आलम
30. डॉ. शेरिन डैनियल
31. डॉ. चौधरी ऋषिकेश प्रल्हाद
32. डॉ. थांगममल बेगम ए. जे.
33. डॉ. निशित भटनागर
34. डॉ. स्निग्धा कुमारी
35. डॉ. जैरी जैकब
36. डॉ. राजकुमारी ए.
37. डॉ. कृष्णकुमार पी. एम.
38. डॉ. आलोक अग्रवाल
39. डॉ. इंपाना जी. एन.
40. डॉ. गीता नायर
41. डॉ. अरविंद आर.
42. डॉ. विवेक हाडा
43. डॉ. रविंद्र कुमार अनादुरे
44. डॉ. रेशमी जे. एस.

45. डॉ. परिचय ग्रोवर

46. डॉ. अंकिता सिंह

47. डॉ. मुंडे राजीव माणिक

48. डॉ. स्वर्णिमा सक्सेना

49. डॉ. दीपक मेनन

50. डॉ. गौरव अहलूवालिया

51. डॉ. अजय गुप्ता

52. डॉ. प्रधान सयालीप्रकाश

53. डॉ. ऋधि कालरा

54. डॉ. साहिलदीप कालरा

55. डॉ. हैरिस पी.

56. डॉ. मयूरेश

57. डॉ. सौरभ कपूर

58. डॉ. नेहा हांडा

59. डॉ. साजी वर्गीस परियाथकाथूट

60. डॉ. मैथ्यू वर्गीस

61. डॉ. सोनटक्के भावन वैकुंठ

62. डॉ. मोहन के.

63. डॉ. शिवल श्रीवास्तव भरतभाई

64. डॉ. ओझा भावित

65. डॉ. शर्मा अतुल

66. डॉ. डिसिल्वा मिज़ेले मैकिनॉन

67. डॉ. रुपिंदर शेरगिल

68. डॉ. बृजमोहन सूबेदार

69. डॉ. गोथम देवारेड्डी

70. डॉ. विनीश कुमार अग्रवाल

71. डॉ. देशमाने महावीर सुभाष

72. डॉ. रश्मि सूद

73. डॉ. शाह वेनिशा भरत

74. डॉ. आशिम आहूजा

75. डॉ. दीपाली ढींगरा

76. डॉ. विभा सलूजा

77. डॉ. ब्लेसी मैरी वी. आर.

78. डॉ. फिरोज़

79. डॉ. एम. जे. विनोद कुमार

80. डॉ. चिंधालोरे प्रजक्ता गणेश

81. डॉ. मट्टेवड़ा नवीन कुमार

82. डॉ. बालाजी जे.

83. डॉ. विकास गुप्ता

84. डॉ. शाह प्रीत मुकेश

85. डॉ. अनेरी किशोर ठक्कर

86. डॉ. राउत संघाशिल संतोष

87. डॉ. प्रतिमा अग्रवाल

88. डॉ. परानीथारन

89. डॉ. गवांडे मोहन मुरलीधर

90. डॉ. कौशिक मजूमदार

91. डॉ. सौम्यानील साहा
92. डॉ. निशी शर्मा
93. डॉ. खान इश्तियाक असलम
94. डॉ. किरण चंद्रन बी.
95. डॉ. एम. जी. शेकर
96. डॉ. गुल्हाने दीप्ति विजय
97. डॉ. चिलर्गे संजय
98. डॉ. विवेक पॉल विठायाथिल
99. डॉ. फनिकुमार बोम्मावारापु
100. डॉ. कार्तिक एस. आ.र
101. डॉ. राउत शरीश विजयकुमार
102. डॉ. वंदना शर्मा
103. डॉ. अनूप टी. एम.
104. डॉ. हरजोत सिंह गुरुदत्ता
105. डॉ. रीना जैन
106. डॉ. जॉय रॉय
107. डॉ. अनुभव अग्रवाल
108. डॉ. लापसीवाला मेहुल भूपेंद्रभाई
109. डॉ. निबू मम्मेन कुरियन
110. डॉ. नलिनी सक्सेना
111. डॉ. साहिल बत्रा
112. डॉ. श्रीराम एस. के.
113. डॉ. पावले दिनेश दिलीप
114. डॉ. शर्मिला ए.
115. डॉ. ओम प्रकाश एम.
116. डॉ. गांधी आशीष राजेंद्र
117. डॉ. तिलवे अमृता अजय
118. डॉ. निथिन एस.
119. डॉ. राखी सान्याल
120. डॉ. अज़हर अहमद खान लोधी
121. डॉ. कन्नन पी.
122. डॉ. गयाधर बेहेरा
123. डॉ. लुनिया प्रजय डी. आ.र जयंती
124. डॉ. कडु मयूर विनायक
125. डॉ. शिवांशु राज गोयल
126. डॉ. अज़हर परवेज
127. डॉ. एस. प्रभु
128. डॉ. बिजू आई. जी.
129. डॉ. अज़ॉय सैमुअल मम्मेन
130. डॉ. कृष्णकुमार के. एन.
131. डॉ. शिल्पी यादव
132. डॉ. सौरव नारायण नंदा
133. डॉ. सौरभ समदरिया
134. डॉ. पसुपथी पी.
135. डॉ. निसांथ के.
136. डॉ. अजु बोस्को

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

137. डॉ. जफेर सैयद मोईद सैयद मोहसिन

138. डॉ. चेरिलिल स्वप्ना सुकुमारन

139. डॉ. रश्मि अग्रवाला

140. डॉ. जोशी समीर सुरेश

141. डॉ. अभिषेक शर्मा

142. डॉ. शिंदे नंदकिशोर धनवंतराव

143. डॉ. प्रकाश वी.

144. डॉ. तनुश्री गहलोत

145. डॉ. अभिनव दिलीप वांकर

146. डॉ. अलका ख्यालदास केवलरमानी

147. डॉ. सिजू के. एम.

148. डॉ. तुहिना बनर्जी

149. डॉ. राजीव रंजन

150. डॉ. प्रभजोत सिंह

151. डॉ. कुरकुरे स्वप्निल विलास

152. डॉ. सुजाता पी.

153. डॉ. वेत्री नल्लाथांबी आर.

154. डॉ. नेहा जैन

155. डॉ. लोकेश कुमार एस.

156. डॉ. प्रहलाद एच. वाई.

157. डॉ. अनिल कुमार भिवाल

158. डॉ. राधाकृष्णन अनंतकृष्णन

159. डॉ. बी. अखिलंदेश्वरी

160. डॉ. शानमुगा सुंदरम आर.

161. डॉ. काशिका गुप्ता

162. डॉ. रूशिल जैन

163. डॉ. संकेत रमेश निरगुडे

164. डॉ. प्रणय आर. कपूर

165. डॉ. अर्जुन खन्ना

166. डॉ. मोदी विजल भूपेंद्र

167. डॉ. मेनसी देवाडिया

168. डॉ. अफजल रफीक अंसारी

169. डॉ. शर्मा नितिन

170. डॉ. मोहित महेंद्र भगवती

171. डॉ. इशिता आनंद

172. डॉ. अनुभव जैन

173. डॉ. वासु

174. डॉ. राहुल साह

175. डॉ. हरेकृष्णा साहू

176. डॉ. अरुण राज बी.

177. डॉ. केतन धीरजलाल मालवी

178. डॉ. बाफना ललित नेमीचंद

179. डॉ. सविनय कपूर

180. डॉ. मुदालशा रवीना

181. डॉ. काकडे अनिल नामदेवराव

182. डॉ. मोदी धवल केतन
183. डॉ. शरत मोहन पी.
184. डॉ. मोदी राहुल रमेश
185. डॉ. पानवाला मिताली कमलेशकुमार
186. डॉ. रिचा वत्स
187. डॉ. प्रिया साहू
188. डॉ. ललित गर्ग
189. डॉ. निमता किशोर
190 डॉ. रेदेकर स्वानंद आनंद
191 डॉ. वर्षा डी. बहादुरदेसाई
192 डॉ. माहिर आरिफभाई मेमन
193. डॉ. सत्य शिव मुंजाल
194. डॉ. दीप्ति अग्रवाल
195. डॉ. भरुका अनुज दिलीप
196 डॉ. जिथिन जी. नायर
197. डॉ. शिखा वर्मा
198. डॉ. जलजा मैरी जॉर्ज
199. *डॉ. सोनाली कुरे
200. डॉ. पालंडुरकर कमलेश मनोहर
201. डॉ. उपेंद्र कुमार
202. डॉ. श्रीजीत के. पी.
203. डॉ. समीर कक्कड़
204. डॉ. मिस्त्री परज़न बाजी
205. डॉ. अजीथ सी. कुरियाकोस
206. डॉ. अंकुर खंडेलवाल
207. डॉ. संखेसरा विरल हर्षद कुमार
208. डॉ. हर्ष नवीनचंद्र पावल
209. डॉ. जोशी उत्कर्ष प्रदीप
210. डॉ. बिदिशा चटर्जी
211. डॉ. अंकित मुद्गल
212. डॉ. भव्या एस. कुमार
213. डॉ. भावना
214. डॉ. त्रिवेदी अरुण नरेंद्र
215. डॉ. प्रियंका सिंह
216. डॉ. सैयद इमरान
217. डॉ. कुकरेजा मोहित मुकेश
218. डॉ. परवीन बानू
219. डॉ. राजलक्ष्मी आर. एस.
220. डॉ. जकारिया टी. जकारिया
221. डॉ. प्राची जैन
222. डॉ. सुमंत्रा ज्योति
223. डॉ. गोस्वामी ज्योतिंद्र नारायण
224. डॉ. अभिषेक अग्रवाल
225. डॉ. भाला गुरु आयन ए.
226. डॉ. आबिद एम.
227. डॉ. घीवाला हुसैन मोहम्मद

228. डॉ. सुतार मोहम्मद अली

229. *डॉ. लक्ष्मीतेज वंदावल्ली

230. डॉ. जूही कुमारी

231. डॉ. श्रीगणेश के.

232. डॉ. शाहाब अली उस्मानी

233. डॉ. चौधरी हरिश्चंद्र आर.

234. डॉ. सुनील कुमार सी. एम.

235. डॉ. वीनु कादियन

236. डॉ. प्रियंका जैन

237. *डॉ. अनुराग गुप्ता

238. डॉ. जावेद अनीस पी.

239. डॉ. अमिथ कुमार एन.

240. डॉ. चारू अग्रवाल

241. डॉ. रीना बंसल

242. डॉ. मधुमिता आर.

243. डॉ. अश्विन राजगोपाल

244. डॉ. अतनू बेरा

245. डॉ. मुरली नरसिम्हान

246. डॉ. रविंदर मेहेत्रे

247. डॉ. सुबिन ई. बी.

248. *डॉ. पाटिल जयश्री सुरेश

249. डॉ. अनिशकुमार जी.

250. डॉ. कपिल अग्रवाल

251. डॉ. के. सतीश क्रिस्टोफर

252. डॉ. कुलकर्णी सुयश अभय

253. डॉ. इप्सित आई. मेनन

254. डॉ. मनीष अग्रवाल

255. डॉ. थोके संतोष व्यंकटेश

256. डॉ. कुमार केशव

257. डॉ. वाचासुंदर शची अरविंद

258. डॉ. अली मोहम्मद पी.

259. डॉ. श्रीनिवासन वज़ूर रामसिंह

260. डॉ. जंबरुन्कर शुभांगिनी धनराज

261. डॉ. मधुसूदन टी.

262. डॉ. पाटिल निखिल अविनाश

263. डॉ. गोवर्धन जे.

264. डॉ. महाजन नीलेश हिलाल

265. डॉ. पलक अग्रवाल

266. डॉ. आशीष ससिधरन

267. डॉ. फाये अभिषेक अनिल

268. डॉ. कार्तिक पी.

269. डॉ. प्रत्यूष कुमार

270. डॉ. शिव कुमार शर्मा

271. डॉ. कैरवी भारद्वाज

272. डॉ. गोकुलदास पी. के.

273. डॉ. प्रमिल के.

274. डॉ. वल्लिश कुमारस्वामी भारद्वाज

275. डॉ. मंकेड अबिजेर नूरुद्दीन

276. डॉ. सुरेशा बी.

277. डॉ. जुवैना पी.

278. डॉ. कपडनीस कपिल प्रकाश

279. डॉ. लोकेश

280. डॉ. रोहित शर्मा

281. डॉ. मनोज कुमार पाणिग्रही

282. डॉ. रुबीश हसन सी. पी.

283. डॉ. लोकेश अरोड़ा

284. डॉ. सुयश श्रीवास्तव

285. डॉ. साजिथ सेबेस्टियन

286. डॉ. सिंकर कुणाल प्रफुल

287. *डॉ. प्रियजीत पाणिग्रही

288. डॉ. शेख इमरान रफीक

289. डॉ. नुपुर अग्रवाल

290 डॉ. सचिन मित्तल

291 डॉ. हेमंत एस. घालिगे

292 डॉ. राव प्रशांत रत्नाकर

293 डॉ. अनामिका शर्मा

294 डॉ. विनोद

295. डॉ. सिंह वैभव सभाराज

296. डॉ. शाह कौशल मुकेश

297 डॉ. हरप्रीत कौर

298. डॉ. परिणीता कौर

299. डॉ. धरना गुप्ता

300. *डॉ. बोधंकर हेमंतकुमार यादवराव

301. डॉ. दीप्ति अग्रवाल

302. डॉ. पाठक अशोक रामराव

303. डॉ. नितिन खुतेता

304. डॉ. शिवानंद बी. एच.

305. डॉ. उन्नी कृष्णन

306. डॉ. एम. एम. अहताशम

307. डॉ. आनंद एम. कुरियन

308. डॉ. एस. एस. रविशंकर

309. डॉ. के. फनींद्र पोन्नुरु

310. डॉ. रॉय जे. मुक्कडा

311. डॉ. बिलाल मोहम्मद

312. डॉ. सीशराम

313. डॉ. हेमंत चतुर्वेदी

314. डॉ. धारानी भाविन जगदीश

315. डॉ. राम्या एस.

316. डॉ. कुलकर्णी दत्तात्रे वसंतरो

317. डॉ. मैथ्यूज जे. चूराकेन

318. डॉ. भारद्वाज अक्षय राकेश मोहन

319. डॉ. प्रेम सेवियो कोलाको

320. डॉ. गौरव महाजन
321. डॉ. गगनदीप सिंह घुमन
322. *डॉ. शंभुनाथ अग्रवाल
323. डॉ. राजेश कुमार यादव
324. डॉ. इरफान अब्दुल करीम
325. डॉ. निखिल बलपांडे
326. डॉ. राठी प्रद्युम्न परमेश
327. डॉ. आधे आरती आनंद
328. डॉ. एन. सेल्वाकुमार
329. डॉ. तनु आनंद
330. डॉ. कुणाल कांति पाल
331. डॉ. विद्या वी. के.
332. डॉ. भास्कर एम. वी.
333. डॉ. आर. विनोद कुमार
334. डॉ. तरुणा दुआ
335. डॉ. दीपक कुमार शर्मा
336. डॉ. रेशमी जे. आर.
337. डॉ. श्रीशा कुमार के.
338. डॉ. अंकित दधीच
339. डॉ. निशात सेतिया
340. डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
341. डॉ. आशीष अनासुखभाई भलोदिया
342. डॉ. सविता सिग्ची
343. डॉ. मुफ्कलवार अभिषेक अनिल
344. डॉ. कुमार दीपक साहू गोपाल
345. डॉ. नंदन सुर
346. डॉ. अभिषेक गोयल
347. डॉ. नमिता अग्रवाल
348. डॉ. पारुल अग्रवाल
349. डॉ. विवेक यादव
350. डॉ. प्रसांत कुमार साहू
351. डॉ. कलेवानी एस.
352. डॉ. गुजराती निर्मल नितिन
353. डॉ. शेख इरफान शमसुद्दीन
354. डॉ. विजय प्रताप सिंह
355. डॉ. शम्सुद्दीन हसन
356. डॉ. प्रिया रंजन
357. डॉ. अनीता
358. डॉ. जोशी तेजल केशवलाल
359. डॉ. गायकवाड़ तुषार वसंतराव
360. डॉ. जिशा जैकब
361. डॉ. विस्पुटे चेतन दिलीप
362. डॉ. स्वरुपा डिंडा
363. डॉ. ए. एच. अश्विन कुमार
364. डॉ. शिफास बाबू एम.

365. डॉ. मुरली ए.

366. डॉ. विनीता वी. नायर

367. डॉ. संदीप यादव तिरुपति

368. डॉ. श्रीकांत आर. वी.

369. डॉ. कदम सागर बालासाहेब

370. डॉ. रेणु खमेसरा

371. डॉ. अनुपमा घोष

372. डॉ. सौविक चटर्जी

373. डॉ. खान शादाब रफत

374. डॉ. गुरु प्रसाद सुल्तानपुरकर

375. डॉ. बैतुले मिनाक्षी प्रभाकरराव

376. डॉ. तुषार रंजन दलेई

377. डॉ. विनयकुमार गुंजाली

378. डॉ. राहुल चौधरी

379. डॉ. गंजेवर निरंजन व्यंकटराव

380. डॉ. मोदी प्रियंका महेश

381. डॉ. सचिन सुखदेवराव इनगोले

382. डॉ. राम्या आर.

383. डॉ. दौल्तानी दीपेश गुरुदल

384. डॉ. नकरानी अक्षयकुमार मगनलाल

385. डॉ. सब्यसाची चक्रवर्ती

386. डॉ. मेघना तंवर

387. डॉ. गुप्ता टीना विनोद

388. डॉ. कविता त्यागी

389. डॉ. दलाल श्रीकांत कैलास

390. डॉ. अलका जिंदल

391. डॉ. बुद्धकर अभिजीत रामदास

392. डॉ. सिद्धार्थ जौहर

393. डॉ. ममता रानी ओम प्रकाश मेहता

394. डॉ. अनुराग कुमार

395. डॉ. सुरेंद्र कुमार पदार्या

396. डॉ. नितिन चौधरी

397. डॉ. मृणाल गुप्ता

398. डॉ. अग्रवाल अभय मनोज

399. डॉ. अंजना राव कावूर

400. डॉ. नितिन टंडन

401. डॉ. गगन आनंद

402. डॉ. शेखर कालिया

403. डॉ. अमनजोत कौर अरोड़ा

404. डॉ. रोहन नंबियार

405. डॉ. बबलू थॉमस मणि

406. डॉ. अनीता ई. दोराईराज

407. डॉ. एम. साईं कुमार

408. डॉ. पेड्डी श्रीधर

409. डॉ. मोनिका मोदी

410. डॉ. अमित शर्मा

411. डॉ. अवकाश कुमार कलिंद्रा साहू
412. डॉ. सिद्दीकी शिबली साबिर
413. डॉ. मोहाबी अंकुश विनय
414. डॉ. बसंत खंडेलवाल
415. डॉ. शाह सिद्धार्थ अशोक
416. डॉ. जैन अनुजा अनिल
417. डॉ. देवाराजा के.
418. डॉ. बिभूति पी. कश्यप
419. डॉ. संदीप कुमार
420. डॉ. पूनम भकेर
421. डॉ. अपूर्वा गुप्ता
422. डॉ. नागराज पी. एस.
423. डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा
424. डॉ. राहुल रविंद
425. डॉ. शर्मा रितु सतीश
426. डॉ. उपाली नंदा
427. डॉ. करमदीप सिंह कहल
428. डॉ. इंद्रदीप सिंह
429. डॉ. समीर सिंह राठौर
430. डॉ. बोपन्ना सी. यू.
431. डॉ. अनुपमा अशोक कुलकर्णी
432. डॉ. अथिरा शेखर जे.
433. डॉ. राकेश एच.
434. डॉ. मोहम्मद अब्दुल्लाथीफ टी. के.
435. डॉ. सावंत कौस्तुभ अजित
436. डॉ. कन्या कुमारी कुंडू
437. डॉ. शनमुगा जयंतन एस.
438. डॉ. आशीष जखेतिया
439. डॉ. रुद्राशीश हलदार
440. डॉ. अंकित अग्रवाल
441. डॉ. सुगुना अंबाज़ाघन
442. डॉ. भावना श्रीरामका
443. डॉ. सुरेखा अंबाज़ाघन
444. डॉ. सुमन बनर्जी
445. डॉ. सी. के. राम्या
446. डॉ. मंटू जैन
447. डॉ. पिटाले देवदत्त लक्ष्मण
448. डॉ. मोहित दुआ
449. डॉ. गोपाल चावला
450. डॉ. गीता एम.
451. डॉ. शेषाद्री एल. एन.
452. डॉ. साहिबोले मनजेर अब्दुर रहीम

* **अपूर्ण**

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

दिनांक 12 सितंबर, 2017 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. वागीश बी. जी.
2. डॉ. कीर्ति जयसिंह
3. डॉ. लेक्शमी एस.
4. डॉ. प्रसांथ जे. एस.
5. डॉ. पटेल वैभव घनश्यामभाई
6. डॉ. कार्तिक श्रीनिवासन एस.
7. डॉ. साहा अभिषेक निर्मल कुमार
8. डॉ. टी. संतोष
9. डॉ. विकास सरोहा
10. डॉ. अवारीवार महेश देवराव
11. डॉ. हरिकृष्णन वी.
12. डॉ. नीति कौटिश
13. डॉ. जसप्रीत सिंह खन्ना
14 डॉ. मोहम्मद शफी पी. एस.
15. डॉ. खुमंथेम प्रतिमा देवी लंफेलफत
16. डॉ. देशमुख प्रसाद यशवंत
17. डॉ. इरपाची कल्पना रामलाल
18. डॉ. मुंडे संतोष रघुनाथ
19. डॉ. सुजेश कुमार एन.
20. डॉ. दिव्या गुप्ता
21. डॉ. कुमार आलोक साह जे. पी.
22. डॉ. एकता पाटीदार
23. डॉ. अविनाश मंडलोई
24. डॉ. अवनीश खरे
25. डॉ. अरुण कुमार वी.
26. डॉ. कविता एस.
27. डॉ. शानमुगावल्ली एस.
28. डॉ. दीपिन कुमार पी. यू.
29. डॉ. सुबिन थॉमस सी.
30. डॉ. अनिल शर्मा
31. डॉ. अहमद कमाल
32. *डॉ. मृथ्युन्याया वी. कलमाथ
33. डॉ. आशीष कुमार प्रकाश
34. डॉ. आशुतोष कौशल
35. डॉ. अविनाश के.
36. डॉ. रवि पी. ददलानी
37. डॉ. राजेश कुमार भारती
38. डॉ. कौस्तव मजूमदार
39. डॉ. कार्तिक विश्वनाथन
40. डॉ. संतोष प्रसाद केसरी
41. डॉ. सतदाल नाथ
42. डॉ. बाभूलकर सुधीन्दू श्याम
43. डॉ. अभिषेक वैश्य
44. डॉ. अभय कुमार

45. डॉ. जोशी मीरा सुरेश अमिता

46. डॉ. कुलकर्णी आदित्य अतुल

47. डॉ. देबकल्याण माजी ताजनगर

48. डॉ. देवकी पी.

49. डॉ. लोनी गुंजन सुधीर

50. डॉ. कौशिक विश्वास

51. डॉ. शिल्पी सक्सेना खन्ना

52. डॉ. प्रशांत देवीदास खुजे

53. डॉ. सूरज जी. एन.

54. डॉ. गुप्ता मोहित उमेश चंद्र

55. डॉ. नीलौपुर एस.

56. डॉ. दीपांकर चौधरी

57. डॉ. अनुराग राठौर

58 *डॉ. नेहा निगम

59. डॉ. अनिन्द्या बसु

60. डॉ. सवाले शैलेंद्र वसंत

61. डॉ. नितिन कोठारी

62. डॉ. पांडे नीरज निर्मल

63. डॉ. कुमार जितेंद्र

64. डॉ. अभिमन्यु तिवारी

65. डॉ. किरण बी. आर.

66. डॉ. हिमांशु बंसल

67. डॉ. भावुक गर्ग

68. डॉ. जॉन जोसेफ फिलिप सी.

69. डॉ. सिद्धार्थ वर्मा

70. डॉ. राधिका के.

71. डॉ. संजय कुमार

72. डॉ. संग्राम केशरी साहू

73. डॉ. शिवाली सहगल

74. डॉ. गदे नीता दिलीप

75. डॉ. राहुल मंडल

76. डॉ. कुमार रजनी कांत

77. डॉ. शबीबा जेड.

78. डॉ. प्रियदर्शिनी एम.

79. डॉ. करुप्पास्वामी प्रकाश एस.

80. डॉ. (मेजर) बिक्रम चौधरी

81. डॉ. (मेजर) गोपीनाथ मनोज

82. डॉ. धोंगडे भीमानंद अकराशी

83. डॉ. टी. कविता

84. डॉ. प्रीजेश जनार्दनन

85. डॉ. अजीता एम.

86. डॉ. मानस घोष

87. डॉ. अराधे पराग रमेशराव

88. डॉ. रेखा

89. डॉ. कल्याणी रेड्डी

90. डॉ. जुझार सिंह

91. डॉ. अनुपम दास

92. डॉ. सुनील कुमार ढाका

93. डॉ. कृष्णा कुमार एस.

94. डॉ. कलायरासी आर.

95. डॉ. अग्रवाल ललित हरसवारुप

96. डॉ. समीरभाई परषोत्तमभाई पटेल

97. डॉ. नरेन गौड़

98. डॉ. व्यास तीर्थ मनोज कुमार

99. डॉ. डेधिया चिंतन जेठालाल

100. डॉ. तुहिन मिस्त्री

101. डॉ. ससिधर रेड्डी ए.

102. डॉ. सैयद इफ्थिकार

103. डॉ. अदुलकर दीपांजली गंगाराम

104. डॉ. मधु रविशंकर

105. डॉ. देबेशीश पॉल

106. डॉ. सुराजीत गोराई

107. डॉ. साईं कृष्णा एम. एल. वी.

108. डॉ. नीरवकुमार प्रभुदास मोराडिया

109. डॉ. दरीरा अमित प्रकाश

110. डॉ. प्रभात कुमार

111. डॉ. राम्या परमेश्वरी ए.

112. डॉ. विनीत नरुला

113. डॉ. शुजा नज़ीम

114. डॉ. भावना कक्कड़

115. डॉ. संदीप अरोड़ा

116. डॉ. डार्विन

117. डॉ. शिंगारे अवेश प्रवीण

118. डॉ. अयाज अहमद

119. डॉ. अरुण कुमार एम. एल.

120. डॉ. राघवेंद्र एम. डोडामणी

121. डॉ. दविंदर सिंह राणा

122. डॉ. राजकुमार एन.

123. डॉ. कविता एस.

124. डॉ. अभिषेक अग्रवाल

125. डॉ. असीम शर्मा

126. डॉ. विक्रम कुमार अरोड़ा

127. डॉ. मगनूस जयाराज मंसर्ड

128. डॉ. स्वाती चोरारिया

129. डॉ. चौगुले योगेश दत्तात्रे

130. डॉ. मोरांकर जितेंद्र विजय

131. डॉ. सुभा चक्रवर्ती

132. डॉ. सुभाषिस मिश्रा

133. डॉ. रश्मि विश्वकर्मा

134. डॉ. दीपक कुमार दास

135. डॉ. अरुण कुमार जी.

136. डॉ. योगेश के. जे.

137. डॉ. विनय राज थट्टाराक्कल
138. डॉ. सलदान्हा नील डोमिनिक
139. डॉ. शानवास सी.
140. डॉ. नीतीश कुमार
141. डॉ. मोहम्मद तताज़ुल शेख
142. डॉ. देबाशिश कुमार दास
143. डॉ. मंदिरा चक्रवर्ती
144. डॉ. विनोथ एम.
145. डॉ. कादरी वसीम राउफ
146. डॉ. सवदेकर तेजस भास्कर
147. डॉ. पुगाज़ेनथन टी.
148. डॉ. टीना सिंह
149. डॉ. जैकब सिबू बेबी
150. डॉ. वसंथ एस.
151. डॉ. लदकत किरण माधव
152. डॉ. कार्तिकेयन पी.
153. डॉ. अंबिका आर. एस.
154. डॉ. सबरीस्वरन आर. के.
155. डॉ. जाधव अक्षय मनमोहन
156. डॉ. खान रफाताली फटेहाली
157. डॉ. सतीश कुमार एस.
158. डॉ. जितेंद्र तनेजा
159. डॉ. भावनाबहन चंपकलाल पारीख
160. डॉ. आनंद वर्धन
161. डॉ. सफिया राणा
162. डॉ. रितु यादव
163. डॉ. मनीषा गुप्ता
164. डॉ. जिथा एस.
165. डॉ. हरदीप कौर
166. डॉ. अब्दुल असलम पी.
167. डॉ. विवेक शर्मा
168. डॉ. सम्राट स्मृतिरंजन साहू
169. डॉ. परेस्वर बालाजी मधुकरराव
170. डॉ. राजेश राणा
171. डॉ. प्रभु एम.
172. डॉ. कीर्तिवर्धन डी. कुलकर्णी
173. डॉ. रंजन राकेश राजदेव प्रसाद
174. डॉ. नागराले उमेश मधुकर
175. डॉ. प्रिया मलिक
176. डॉ. शशि भूषण कुमार
177. डॉ. रिचा सिंह चौहान
178. डॉ. राजेश कुमार सैनी
179. *डॉ. मनजीर अथर
180. डॉ. रणबीर सिंह बावा
181. डॉ. अर्पिता गोगोई
182. डॉ. हरि बाबू पुजारी

183. डॉ. यादवादकर श्रीरंग श्रीपाद

184. डॉ. कवद्‌गवे नागनाथ मल्लिकार्जुन

185. डॉ. कबदे सागर सुरेश

186. डॉ. अब्दुल रशीद एम.

187. डॉ. नवीन राजू

188. डॉ. सोम दत्त अब्रोल

189. डॉ. बद्री प्रसाद दास

190 डॉ. सौमिल हर्षद कुमार मंडालिया

191. डॉ. अग्रवाल नीतीशा कमलेशकुमार

192 डॉ. जी. विजयाराघवन

193. डॉ. हिमांशु भयाना

* **अपूर्ण**

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य

	मानद अध्येता	अध्येता एफएएमएस	सदस्य एमएएमएस	सदस्य एमएनएएमएस
दिनांक 31.03.2017 की यथास्थिति	3	892	1,941	5,326
दिवंगत (2016-2017 की अवधि के दौरान)	-	(-) 11	(-) 0	-
वर्ष 2017 में निर्वाचित	-	(+) 23*	(+) 104	-
वर्ष 2017 में सदस्यगण जिन्हें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत किया गया	-	-	(-) 9	-
वर्ष 2017 में डीएनबी परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद विनियमन-V द्वारा प्रवेश दिए गए सदस्य	-	-	-	645
दिनांक 31.03.2018 की यथास्थिति रोल पर	**3**	**904**	**2,036**	**5,971**

* इसमें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत 9 सदस्य सम्मिलित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का व्याख्यान तथा पुरस्कार के लिए नामांकन-2017-18

व्याख्यान तथा पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर परिषद् ने वर्ष 2017-18 के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों को व्याख्यान तथा पुरस्कार प्रदान करना अनुमोदित कियाः

व्याख्यान	
डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एफएएमएस पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
व्याख्यान का शीर्षक	"भारतीय रोगियों में सिस्टिक फाइब्रोसिस के आणविक और कार्यात्मक आधार: आनुवांशिक, नैदानिक और चिकित्सकीय प्रभाव"

डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान	डॉ. सुनीता सक्सेना, एफएएमएस (गत वर्ष) पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान - आईसीएमआर संस्थान, सफदरजंग अस्पताल परिसर, पोस्ट बॉक्स नं. 4909, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"महिलाओं में वक्ष कैंसर - आनुवांशिक जोखिम कारक एवं संभाव्य बायोमार्कर"

कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. राम चंदर सिवाच, एफएएमएस वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विज्ञान विभाग,

	पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक - 124001।
व्याख्यान का शीर्षक	"निकटस्थ फीमर ज्यामिति और उसके नैदानिक अनुप्रयोग के मानवशास्त्रीय अध्ययन"

डॉ. अकादमी व्याख्यान	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस अध्यक्ष, नैम्स 809, हरजीवनदास एस्टेट, डॉ. अम्बेडकर रोड, दादर, मुंबई - 401014।
व्याख्यान का शीर्षक	“प्रोस्टेट कैंसर की वर्तमान स्थिति”

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	“स्ट्रोक के बाद पुनर्स्थापनात्मक उपचार: औषधियाँ, उपकरण और रोबोटिक्स”

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. शांतनु कुमार कार, एफएएमएस (गत वर्ष) पूर्व निदेशक (अनुसंधान), चिकित्सा एवं जैव विज्ञान, आयुर्विज्ञान संस्थान एवं एसयूएम अस्पताल, शिक्षा 'ओ' अनुसन्धान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, पूर्व निदेशक आरएमआरआईएमएस, पटना, पूर्व निदेशक, आरएमआरसी, भुवनेश्वर।

व्याख्यान का शीर्षक	"लसीका फाइलेरिया का नया परिप्रेक्ष्य: उन्मूलन की ओर" पूर्व निदेशक आरएमआरआईएमएस, पटना

डॉ. जे. एस. बजाज व्याख्यान	डॉ. वाणी गुप्ता आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003।
व्याख्यान का शीर्षक	"चयापचयी संलक्षण के विकास में एडिपोकिन्स की भूमिका"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. मिताली चटर्जी आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता - 700020।
व्याख्यान का शीर्षक	"भक्षकाणु और लीशमानिया परजीवी: सुविधा का विवाह"

पुरस्कार

डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार	डॉ. गिरीश चंद्रा भट्ट (गत वर्ष) सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "बाल आयु वर्ग में बाधक निद्रा अश्वसन खराब शैक्षिक प्रदर्शन और निशा शैय्यामूत्रण से संबंधित है: मध्य भारत के स्कूली बच्चों में एक समुदाय आधारित अध्ययन"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. अदिति कपूर अपर आचार्य, पेडोडोंटिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा इकाई विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
विषय: "श्रेणी III दंत विकृति को सही स्थिति में लाने के लिए बच्चे के दाँतों का अवसर मार्गदर्शन करना: एक चिकित्सक द्वारा परवरिश"	
डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार	डॉ. दिव्या वोहरा आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, औषधीय चिकित्सा एवं अनुसंधान विद्यालय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली-110062।

<table>
<tr><td colspan="2">विषय: "मिरगी के साथ भारतीय महिलाओं में मिरगी - रोधी औषध उपचार के बाद डब्लयुएनटी निरोधकों के मॉडुलन और विटामिन डी के साथ उसके सहसंबंध और परमाणु फैक्टर के बी लिगेंड के ग्राही उत्प्रेरक का आकलन करने के लिए एक पार अनुभागीय अध्ययन"</td></tr>
<tr><td>डॉ. ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार</td><td>डॉ. राजालक्ष्मी टी.
विकृति विज्ञान के आचार्य,
सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज,
बैंगलोर - 560034।</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "त्वचीय वेसिकुलोबुलस रोगों में एक नयी बायोचिप अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस जांच की भूमिका"</td></tr>
<tr><td>डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार</td><td>डॉ. ओमेश कुमार भारती
सेट - 9, खंड - 1,
यू. एस. क्लब, शिमला,
हिमाचल प्रदेश - 171001।</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "प्रणालीगत अंतर मांसपेशीय प्रबंधन के बिना रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन का स्थानीय परिस्त्राव: रेबीज के खिलाफ निष्क्रिय टीकाकरण के लिए एक वैकल्पिक लागत प्रभावी दृष्टिकोण"</td></tr>
<tr><td>डॉ. अभया इंद्रायन पुरस्कार</td><td>डॉ. राजीव कुमार
वैज्ञानिक -2 (सांख्यिकी),
कक्ष संख्या - 24,
दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री,
डॉ. बीआरए-आईआरसीएच
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029।</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "चिकित्सा शोधकर्ताओं के लिए रिसीवर ऑपरेटिंग मापदंड (आरओसी) संसाधन"</td></tr>
</table>

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 6 जुलाई, 2017 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में नैम्स की भवन समिति का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, प्रतिष्ठित आचार्य और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वह पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रहे हैं। उनमें नेतृत्व गुण है जैसा कि भारत के व्यावसायिक संगठनों एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी दोनों में उनके प्रबंधकीय कौशल और वैज्ञानिक उपलब्धियों के उनके ट्रैक रिकॉर्ड से प्रमाणित होता है।

इमारत का रख-रखाव

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सभागार और अकादमी इमारत का मरम्मत कार्य किया गया था: -

1. देश के अन्य संस्थानों के लिए सीएमई के लाइव इंटरैक्टिव प्रसारण और बहु - व्यावसायिक शिक्षा के लिए वीडियो सम्मेलन यंत्रों / उपकरणों (सिस्को-एसएक्सx80 उच्चस्तरीय वीडियो सम्मेलन प्रणाली) के साथ एकीकरण के लिए प्रोजेक्टर और स्विचर लगाना।

2. स्वच्छ भारत अभियान के तहत, अकादमी परिसर में उत्पन्न जल्दी खराब होने वाले ठोस अपशिष्ट को कम करने के लिए एक कंपोस्ट पिट डिज़ाइन और विकसित किया गया था, जिससे नैम्स परिसर के पौधों के लिए प्राकृतिक उर्वरक (कंपोस्ट) बनाया जाए जो उपयोग में आसान और गंध मुक्त है।

3. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अग्नि सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन के तहत अग्नि सुरक्षा प्रणाली की मरम्मत / उन्नयन। परिणामस्वरूप डीएफएस द्वारा 13 जनवरी, 2017 को 3 साल की वैधता के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया गया।

4. लंबे समय तक चलने के साथ बिजली की खपत को कम करने के लिए एलईडी ऊर्जा कुशल प्रकाश प्रणाली स्थापित की गई।

उपरोक्त सभी कार्यों से संबंधित निविदाएं / संविदाएं अकादमी द्वारा भारत सरकार की निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार बुलाई गई थीं और कार्य 2017-18 के दौरान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

(सभागार इमारत के चित्र के लिए कृपया वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठभाग को देखिए)

वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत जुलाई 2014 में हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन के अनुसार दो वर्ष के लिए मुख्य - संपादक डॉ. संजीव मिश्रा और सहयोगी संपादक के रूप में डॉ. कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन के तहत जोधपुर में नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र से प्रकाशित किए जाते हैं। नैम्स परिषद की सिफारिशों के अनुसार समझौता ज्ञापन को दो साल के लिए क्रमशः तीन बार (2014-2016, 2016-2018, 2018-2020) बढ़ाया गया है; पिछले दो वर्षों (2018-2020) की वृद्धि को 25 जुलाई, 2018 को आयोजित 143 वीं परिषद की बैठक द्वारा समर्थन दिया गया था। सहयोगी संपादकों के रूप में डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव के साथ डॉ. के. के. शर्मा एम्स, जोधपुर में संपादकीय कार्यालय को सक्रिय समर्थन भी प्रदान कर रहे हैं। चूंकि, एम्स, जोधपुर में संपादकीय कार्यालय में ऑनलाइन जमा करने के रूप में और नैम्स संपादकीय कार्यालय, नई दिल्ली में मुद्रित हार्ड प्रतियों के रूप में, दोनों जगहों पर प्रकाशनों के लिए लेख प्राप्त किए जाते हैं। जोधपुर कार्यालय में लेखों की प्रारंभिक संपादकीय प्रसंस्करण (स्टाइल चेकिंग, प्रारंभिक सुधार, और संपादकीय / सहकर्मी समीक्षा) के बाद, इसे अंतिम प्रसंस्करण के लिए एनएएमएस कार्यालय में भी भेजा जाता है (सहकर्मी समीक्षक और लेखक के सहयोग से स्टाइलिंग, प्रूफ रीडिंग, और अन्य संपादकीय सुधारों द्वारा लेख को अंतिम रूप में लाने के लिए), ताकि लेख पत्रिका में छपाई के लिए तैयार हो सके।

वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार के लिए वर्ष वृत्तांत के दोनों संपादकीय कार्यालय एक दूसरे के साथ पूर्ण एकजुटता और सहयोग में काम करते हैं। इस संबंध में दोनों कार्यालयों में संपादकीय टीम, डॉ. संजीव मिश्रा, डॉ. कुलदीप सिंह (जोधपुर कार्यालय), डॉ. मुकुंद एस. जोशी, डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव और डॉ. के. के. शर्मा (एनएएमएस, नई दिल्ली) के समन्वय में एक साथ पूर्ण एकजुटता और सद्भाव में काम कर रही है जिसका अंतिम उद्देश्य वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित सामग्री की वैज्ञानिक गुणवत्ता को बढ़ाना और अकादमी के ज्ञान प्रसार कौशल विकास प्रयासों को प्रतिबिंबित करना है।

वर्ष वृत्तांत की वर्तमान स्थिति

1. खंड 54, संख्या 1 (जनवरी-मार्च), 2018 के अंक को मुद्रित और प्रसारित किया गया था।

2. खंड 53, संख्या 4 (अक्टूबर-दिसंबर), 2017 का अंक प्रकाशनाधीन है। अपर्याप्त पांडुलिपियों के कारण इस अंक के प्रकाशन में देरी हो रही है।

नियम संख्या 26 के अनुसार, संपादक और संपादकीय बोर्ड की अवधि 3 साल है। पिछले संपादकीय बोर्ड ने 31 दिसंबर, 2017 को अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। नया संपादकीय बोर्ड 2018 में गठित किया गया है और 13 अप्रैल, 2018 को आयोजित शैक्षिक समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया और 143 वीं परिषद की बैठक में इसे आगे समर्थन दिया गया। नया संपादकीय बोर्ड 1 जनवरी, 2018 से 31 दिसंबर, 2020 तक प्रभावी रहेगा, और इसके संगठन को वर्ष वृत्तांत के पहले अंक अर्थात खंड 54, संख्या 1 (जनवरी-मार्च), 2018 में मुद्रित किया गया है।

व्यापक दृश्यता और पठन के लिए पत्रिका को विभिन्न अनुक्रमण प्रणाली में अनुक्रमित कराने के प्रयास जारी हैं। हमने ऑनलाइन अंकों के लिए 18 जून 2015 को राष्ट्रीय केंद्र एनएसएल, एनआईएससीएआईआर को आईएसएसएन नंबर के लिए भी आवेदन किया था और आईएसएसएन 2454: 5635 के रूप में प्राप्त किया था।

पबमैड अनुक्रमण प्राप्त किए जाने तक नैम्स केंद्र कई अन्य खुली अनुक्रमण प्रणालियों में अनुक्रमण का पता लगाएगा जिससे पत्रिका की दृश्यता में विस्तार होगा। हमने निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त की हैं:

(i) गूगल एनालिटिक्स सत्यापन किया गया, गूगल में खोज करते समय वर्ष वृत्तांत दूसरे स्थान पर रहा और इसका आधिकारिक नैम्स वेबसाइट के बाद दूसरा स्थान है। गूगल स्कॉलर इसे उद्धरण सूचकांक में दिखा रहा है;

(ii) हार्वर्ड में डाटावर्स परियोजना ने हमारे वर्ष वृत्तांत के साथ एक लिंक स्थापित किया है और सभी लेख इसके डेटाबेस पर निकाले जाएंगे।

(iii) वर्ल्डकैट वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित आलेखों का अनुक्रमण और उनका भंडारण कर रहा है (सभी लेख ऑनलाइन लाइब्रेरी http://www.worldcat.org/libraries/148448 पर उपलब्ध हैं);

)iv) वर्ष वृत्तांत बेस -बीलेफेल्ड अकादमिक सर्च इंजन में सूचीबद्ध है (http://www.base-search.net/ पर इन्हें खोजा जा सकता है);

(v) वर्ष वृत्तांत अब सूचकांक मेडिकस (डब्ल्यूएचओ) के साथ अनुक्रमित है;

(vi) वर्ष 2015 से "ओपन एक्सेस जर्नल (डीओएजे) की निर्देशिका" में भी वर्ष वृत्तांत सूचीबद्ध हैं;

(vii) वर्ष वृत्तांत को http://www.citefactor.org/ journal/index/13197/annals-of-the-national-academy-of-medical-sciences-india#.V3Hqffl97IU पर साइटफैक्टर में भी अनुक्रमित किया गया है;

(viii) सूचकांक कॉपरनिकस के साथ वर्ष वृत्तांत को अनुक्रमणित करने के लिए प्रयास आरंभ किए गए हैं।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित प्रतिष्ठित अध्येताओं की मृत्यु भारी मन सूचिक की जाती है और हार्दिक शोक से तत्काल परिवार के सदस्यों को अवगत कराया गया है:

अध्येताः

1. डॉ. एल. एस. चावला
2. डॉ. कृपाल सिंह चुग
3. डॉ. एम. जे. गांधी
4. डॉ. बाल कृष्ण गोयल
5. डॉ. एम. सी. माहेश्वरी
6. डॉ. एम. बलरामन नायर
7. डॉ. दलजीत सिंह
8. डॉ. कृष्णमूर्ति श्रीनिवास
9. डॉ. सिद्धांत प्रसाद श्रीवास्तव
10. डॉ. बद्री नाथ टंडन
11. डॉ. अमृत तिवारी

अमृतसर (पंजाब) में दिनांक 28 अक्टूबर, 2017 को आयोजित 57वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

माननीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर जसपाल सिंह संधू, श्री गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के परिवर्तनशील कुलपति, एक प्रतिभाशाली विद्वान और एक प्रिय प्रशासक, एक प्रतिष्ठित खेल उन्मुख व्यक्तित्व जिसने किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय में खेल चिकित्सा के पहले विभाग की स्थापना की है, पवित्र शहर अमृतसर में आयोजित नैम्स्कॉन 2017 के वार्षिक सम्मेलन में आपको मुख्य अतिथि के रूप में पाकर हमें विशेष गर्व है; गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान की प्रधानाचार्या प्रोफेसर गीता शर्मा; हमारे अकादमी के एक अनुभवी साथी डॉ. एच. एस. संधू; मंच पर और मंच से दूर अन्य गणमान्य व्यक्ति; नैम्स परिषद के साथी सदस्य; आमंत्रित अतिथि; इस प्रतिष्ठित चिकित्सा विद्यालय के छात्रों; देवियों और सज्जनों।

डॉ. शर्मा, इस बैठक को इतनी अच्छी तरह से आयोजित करने के लिए अकादमी आपकी और आपकी मेहनती और कर्मठ टीम की आभारी है।

राष्ट्रीय अकादमी के मेरे मित्रों और सहयोगियों, आमंत्रित अतिथियों और प्रतिनिधियों, नैम्स 2017 के उद्घाटन में आप सभी को संबोधित करने में मुझे बहुत गर्व हो रहा है। अकादमी की ओर से इसके अध्यक्ष के रूप में, मैं डॉ. संधू, डॉ. गीता शर्मा और उनकी महान टीम को एक उत्कृष्ट सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई देता हूँ जिसका मुझे यकीन है कि हम सभी पूरी तरह से आनंद ले रहे हैं। इससे भी अच्छा यह है कि यह बैठक अमृतसर के पवित्र शहर में आयोजित की जा रही है, जहां सिख धर्म के गुरुद्वारों में पवित्रतम स्वर्ण मंदिर स्थित है जिसे हम सब हर मंदिर साहेब के रूप में जानते हैं। हम सभी की गुरुद्वारा यात्रा को संभव बनाने के लिए मैं आयोजकों का आभारी हूँ, यह यात्रा एक लंबे समय से मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी।

अकादमी का उद्घाटन 1961 में हमारे प्रिय प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा किया गया था। । पहला दीक्षांत समारोह वर्ष 1963 में आयोजित किया गया था। दीक्षांत अभिभाषण डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा दिया गया था। इस अति महत्वपूर्ण अकादमी की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य 'वैज्ञानिक ज्ञान के विकास और मानव कल्याण के लिए इसके अनुप्रयोग” है। हमारे देश में चिकित्सा दृष्टिकोण से वर्तमान आवश्यकता चिकित्सा शिक्षा है और भारतीय समाज के सभी क्षेत्रों में इसका पर्याप्त और व्यापक प्रसार उपयोग है। वर्षों से अकादमी उनके लक्ष्यों को पूरा कर रही है और बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है।

मुझे कई वैज्ञानिकों और कई अन्य पूर्व अध्यक्षों, अध्येताओं और सदस्यों के योगदान को स्वीकार करना चाहिए जिन्होंने निःस्वार्थ रूप से काम किया है और उनके अथक प्रयासों ने अकादमी को इतनी महान ऊंचाई पर पहुंचाया है। एक नाम जो अकादमी से जुड़े सभी लोगों के दिमाग में सदा रहेगा वह है प्रोफेसर जे. एस. बजाज। अकादमी को इसके वर्तमान रूप में लाने में उनका महान योगदान है। उनके ज्ञान और कई महत्वपूर्ण अधिकारियों के साथ उनके सहयोग ने अकादमी को चिकित्सा क्षेत्र में विकास करने में सहायता की है। अकादमी में कई प्रतिष्ठित आचार्य, कई विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिक, चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों के अध्येता और सदस्य सम्मिलित हैं। उनमें से कुछ और अकादमी का हिस्सा बनेंगे जब आज उन्हें उनके स्क्रॉल और सम्मान प्राप्त होंगे।

निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम जो नैम्स के प्रमुख बल क्षेत्र हैं, उनको अधिक गति प्रदान की जानी चाहिए। हमें स्वास्थ्य मंत्रालय से भी हमारी स्थिति और सम्मान को और अधिक मजबूत करने और देश भर में अपनी शैक्षिक गतिविधियों का और अधिक उत्साह और जोश के साथ विस्तार करने की आवश्यकता है। नई दिल्ली में हमारे सभागार की कार्यप्रणाली बेहतरीन ऑडियो विजुअल हॉल में से एक है जो सभी अन्य सुविधाओं के साथ लगातार बढ़ते महत्व के साथ धीरे-धीरे इकट्ठा हुई है। डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, डॉ. संजय वधवा, डॉ. दीप श्रीवास्तव, डॉ. राकेश चड्डा के मार्गदर्शन में हमारी पहले ही कुछ बैठकें हुईं थीं। मुझे आशा है कि कई अन्य अध्येता और चिकित्सा संगठन निश्चित रूप से इस उत्कृष्ट सुविधा का लाभ उठाएंगे। तथ्य यह है कि नैम्स ने उत्तर पूर्वी राज्यों में क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य के साथ सीएमई को व्यवस्थित करने की जो योजना बनाई है वह उन ईमानदारी के प्रयासों की पुष्टि करता है जिसे अकादमी जारी रखने की इच्छुक है। इस कनेक्टिविटी के साथ कई केंद्रों को राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से शिक्षित करने के लिए अकादमी के पास कई योजनाएं भी हैं। इस मंच पर मैं अपने अध्येताओं और सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे नैम्स के लक्ष्यों को पूरा करने में अपने ज्ञान और प्रयासों का योगदान दें।

इस वर्ष राष्ट्रीय सीएमई के लिए चुना गया विषय "पर्यावरण और स्वास्थ्य" है। "प्रौढ़ रोगों के भ्रूण उत्पत्ति" पर अन्य संगोष्ठी निश्चित रूप से सभी प्रतिभागियों के ज्ञान में वृद्धि होगी जो समृद्ध जानकारी के साथ वापस जाएंगे। वक्ताओं के सुझाव सभी प्रतिभागियों के लिए बहुत मायने रखेंगे।

नैम्स की ओर से एक अन्य प्रयास हमारी त्रैमासिक पत्रिका है जिसमें उत्कृष्ट वैज्ञानिक सामग्री होती है। यह जोधपुर में प्रकाशित की जाती है और इस कार्य के लिए हमें डॉ. संजीव मिश्रा और डॉ. कुलदीप सिंह को उनके कड़े परिश्रम और प्रयासों के लिए श्रेय देना होगा। डॉ. के. के. शर्मा

और डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव, मुझे वर्ष वृत्तांत प्रकाशित करने में आपके योगदान का उल्लेख करने में भी प्रसन्नता हो रही है।

अकादमी के सर्वोच्च सम्मान जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त करने के लिए इस समय डॉ. स्नेहलता देशमुख को मेरी हार्दिक बधाई हैं जिन्हें हम सभी लता के रूप में जानते हैं। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से 60 के दशक के शुरुआती वर्षों से जानता हूँ जब मैं एक मेडिकल छात्र था। मैंने उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के माध्यम से कई परियोजनाओं को संभालने के अथक प्रयासों को देखा है। यह तथ्य कि वह मुंबई विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रही हैं, उनकी क्षमताओं का प्रमाण है। मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान उनका बहुत सहयोग और मार्गदर्शन रहा है। लता, अकादमी के हितों की निस्वार्थ देखभाल करने के लिए जो कुछ आपने किया है और जो कर रही हैं, उसके लिए हम सभी को आप पर गर्व है । सभी अध्येताओं और सदस्यों की तरफ से, आपको मेरी हार्दिक बधाई।

अकादमी से संबंद्ध होना एक बहुत संतोषजनक और सुखद अनुभव रहा है। मैं उन उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करता हूँ जो हमारे मानद सचिव, दीप श्रीवास्तव ने इस अवधि में किए हैं। उन्होंने एक इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट और नैम्स के मानद सचिव के रूप में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के बीच में स्वंय को संतुलित किया है। जितना आप कर रहे हैं और उत्कृष्ट प्रयास करना जारी रखेंगे, आप से भी अधिक आपकी पत्नी को मेरा साभार धन्यवाद है जिन्होंने घर से आपकी अनुपस्थिति को धैर्यपूर्वक सहन किया है। दीप, अध्येताओं, सदस्यों और नैम्स के प्रशासनिक स्टाफ के बीच एक बहुत सुदृढ़ बंधन होने के लिए मैं आपका आभारी हूं।

समाप्त करने से पूर्व मेरे कार्यकाल के दौरान परिषद के सभी सदस्यों को मेरा हार्दिक धन्यवाद। प्रेमा, कठिन समय के दौरान मेरी सहायता करने के लिए धन्यवाद। डॉ. संजय वधवा का हमारे उपाध्यक्ष के रूप में होना अच्छा है जिन्होंने अकादमी के कामकाज और अकादमी के लिए समर्थन करने में सभी प्रयास किए हैं। डॉ. के. के. शर्मा, अकादमी की टीम में आपका स्वागत है और हम आपका मार्गदर्शन लेने के लिए तत्पर हैं। मैं डॉ. हरिभाई पटेल को न केवल एक महान सर्जन अपितु सबसे अधिक अकादमी के एक उत्साही प्रशंसक और समर्थक के रूप में देखता हूँ। वह एक सर्जन के रूप में अकादमी के रूप में बहुत अधिक किया गया है। हमारी परिषद की बैठक के लिए उन्हें अहमदाबाद से दिल्ली की यात्रा करते हुए देखने में मुझे बहूत प्रसन्नता होती है। महोदय, हम हर समय आपकी सलाह के लिए तत्पर हैं।

अंत में नैम्स के दिल्ली कार्यालय में कर्मचारियों का उल्लेख और प्रशंसा नहीं करना मेरे लिए सही नहीं होगा। मेरे मित्रों, यह सदा कहा जाता है कि एक संगठन वास्तव में अपने कर्मचारियों

के ईमानदार काम और योगदान पर निर्भर करता है। एक बार फिर बहुत धन्यवाद। इस अकादमी को अपने परिवार के रूप में मानें और इसका भाग बने रहें।

देवियों और सज्जनों इस अच्छी तरह से योजनाबद्ध और सुनियोजित सम्मेलन का आनंद लीजिए। डॉ. गीता शर्मा और डॉ. एच. एस. संधू आपका एक बार फिर से धन्यवाद।

एक बार फिर आपका धन्यवाद।

अनुबंध-II

अमृतसर (पंजाब) में दिनांक 28 अक्टूबर, 2017 को आयोजित 57वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. जसपाल सिंह संधू, कुलपति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

प्रिय डॉ. जोशी, डॉ. श्रीवास्तव, डॉ. वधवा, मेरे सम्मानित शिक्षक डॉ. अजमेर सिंह, डॉ. एच. एस. संधू और डॉ. गीता शर्मा, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों।

यहाँ आना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, मेरे पास भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं, क्योंकि ये वे लोग हैं जिन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे अपने करियर को आकार देने में मदद की, और परिणामस्वरूप और उनके आशीर्वाद से आज मैं यहाँ हूँ।

जोधपुर में अपने दीक्षांत समारोह की मेरी स्मृतियां हैं जो एक उत्कृष्ट आयोजन था, जहां मुझे एम्स, जोधपुर में इस प्रतिष्ठित अकादमी की अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया था।

इस प्रतिष्ठित अकादमी का अध्येता या सदस्य होना अभी भी एक बड़ा सम्मान है और जब मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में था, तो लोगों को किसी भी अन्य अकादमिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ सौंपने के लिए निरीक्षण के लिए विभिन्न समितियों में डालने के लिए हमारे पास एकमात्र मापदंड इस अकादमी का अध्येता अथवा सदस्य होना था। इसका मूल रूप से अर्थ है कि इन लोगों के पास उत्कृष्टता की श्रेणी है और चिकित्सा ज्ञान की प्रतिष्ठा और स्थिरता है। कई ऐसे लोग हैं जो अपने व्यवसाय के प्रति बहुत ईमानदार हैं और जो कुछ भी करते हैं वह पूर्ण रूप से एकनिष्ठता के साथ करते हैं। महोदय मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद और इस संस्थान के संबंध में, मैं तब सदस्य था जब मैंने गुरुद्वारे के बहुत समीप एक छोटा अस्पताल शुरू किया था और यह इतना बड़ा संस्थान बन गया है कि यह आश्चर्यजनक है। यह संस्थान जिस प्रकार का काम कर रहा है यह वास्तव में इस बात का हकदार है कि इस स्थान पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की बैठक आयोजित की जाए।

महोदया देशमुख मैं उन्हें बहुत लंबे समय से जानता हूं, हम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से निरीक्षण के लिए कई बार गए थे। तो, महोदया, मैं आपको जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने के लिए बहुत छोटा हूं। मैं ऐसा करने के योग्य नहीं हूँ।

शैक्षिक रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस	-	अध्यक्ष
2.	डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस	-	सदस्य
3.	डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस	-	सदस्य
4.	डॉ. मोहन कामेश्वरन, एफएएमएस	-	सदस्य
5.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस	-	सदस्य
6.	डॉ. राजू सिंह चीना, एफएएमएस	-	सदस्य
7.	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सदस्य
8.	डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस	-	सदस्य
9.	डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस	-	सदस्य - सचिव
10.	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस	-	अध्यक्ष, नैम्स (पदेन सदस्य)
11.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सचिव, नैम्स

वर्ष 2017-2018 के दौरान, सीएमई कार्यक्रम समिति की एक बैठक 13 अप्रैल, 2018 को आयोजित की गई थी।

समिति समय-समय पर, चर्चा के विषय और प्राप्त सीएमई प्रस्तावों के अनुसार विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता के आधार पर बैठक में भाग लेने के लिए अध्येताओं को सहयोजित करती है।

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः ये सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। एनएएमएस द्वारा निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विषय-वस्तु में सुधार करने के लिए निधिपोषण हेतु प्राप्त प्रस्तावों की सबसे पहले एक विषय विशेषज्ञ, जो एनएएमएस के अध्येता भी हैं, द्वारा तकनीकी रूप से समीक्षा की जाती है। इस पद्धति का जुलाई, 2004 से ही अनुपालन किया जा रहा है और इस प्रकार नामोदिष्ट समीक्षकों ने प्रस्तावों का मूल्यांकन किया है और कार्यक्रम की विषय-वस्तु में अगर कोई खामियाँ हैं तो उनकी पहचान की है। समीक्षकों ने कार्यक्रम में समामेलित किए जाने

वाले संशोधनों/आशोधनों का भी सुझाव दिया है। ये सुझाव सूचित किए जाते हैं और ऐसे लगभग सभी सुझाव आयोजकों द्वारा स्वीकार किए गए हैं और उसके बाद ही सीएमई प्रस्तावों को निधिपोषित किया जाता है। अकादमी के अध्येताओं को बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका मूल्यांकन करने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामोदिष्ट किया जाता है। अकादमी सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने, समीक्षा करने और रिपोर्ट देने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामित अध्येताओं को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान कर रही है।

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों/व्यावसायिक निकायों से प्राप्त सीएमई प्रस्तावों में से अकादमी ने वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान 12 बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। 01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा अनुबंध - IV के रूप में प्रस्तुत है।

01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर स्वीकृत कुल व्यय रुपए 22,75,200 (केवल बाईस लाख पचहत्तर हजार दो सौ रुपए) है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम: ये संगोष्ठियाँ/ सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। सीएमई कार्यक्रम समिति समय-समय पर अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के रूप में निधिपोषण के लिए राष्ट्रीय और शैक्षणिक संगतता के विषयों की पहचान करती है। बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के समान ही अकादमी उन अध्येताओं को, जो पर्यवेक्षकों के रूप में सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और रिपोर्ट दाखिल करते हैं, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान करती है।

अकादमी ने वर्ष 2017-2018 के दौरान 4 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी का निधिपोषण किया है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित हैः-

1. 30 जुलाई, 2017 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में आयोजित "**पेशीकंकालीय क्षय रोग**" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

2. 27 अक्टूबर, 2017 को श्री गुरू रामदास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित "**पर्यावरण एवं स्वास्थ्य**" पर सीएमई कार्यक्रम

3. 6 अक्टूबर, 2017 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**दोहरे पोषण बोझ युग में पोषण स्थिति का आकलन**" पर नैम्स सीएमई कार्यक्रम

4. 29 नवंबर, 2017 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**सूक्ष्म पोषक तत्वों के सेवन में सुधार के लिए खाद्य समृद्धीकरण**" पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंत-सांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने में कुल व्यय 9,80,000 लाख रुपए (केवल नौ लाख अस्सी हजार रुपए) था। ब्यौरे अनुबंध-V में दिए गए हैं।

चित्र 1 वर्ष 2016-17 और 2017-18 के दौरान बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक कार्यक्रमों पर किए गए व्यय का चित्रांकन करता है।

वर्ष 2016-17 और 2017-18 के दौरान बाहयसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर किए गए कुल व्यय का नीचे सचित्र प्रदर्शन किया गया है।

वर्ष 2016-17 और 2017-18 में सीएमई कार्यक्रमों पर कुल व्यय

हजार रूपयों में

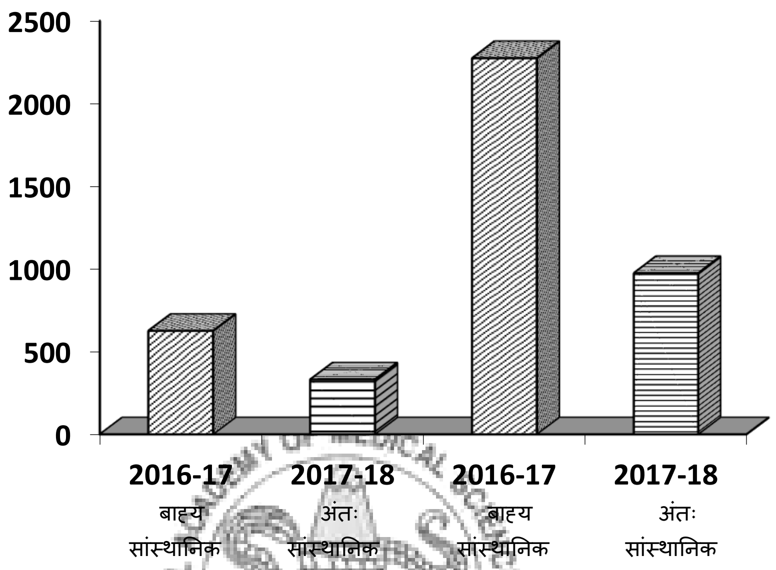

चित्र 1. वर्ष 2016-17 और 2017-18 में बाहयसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में किए गए व्यय का तुलनात्मक प्रदर्शन।

राज्य-चैप्टर-वार बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विवरण चित्र 2 में दिया गया है।

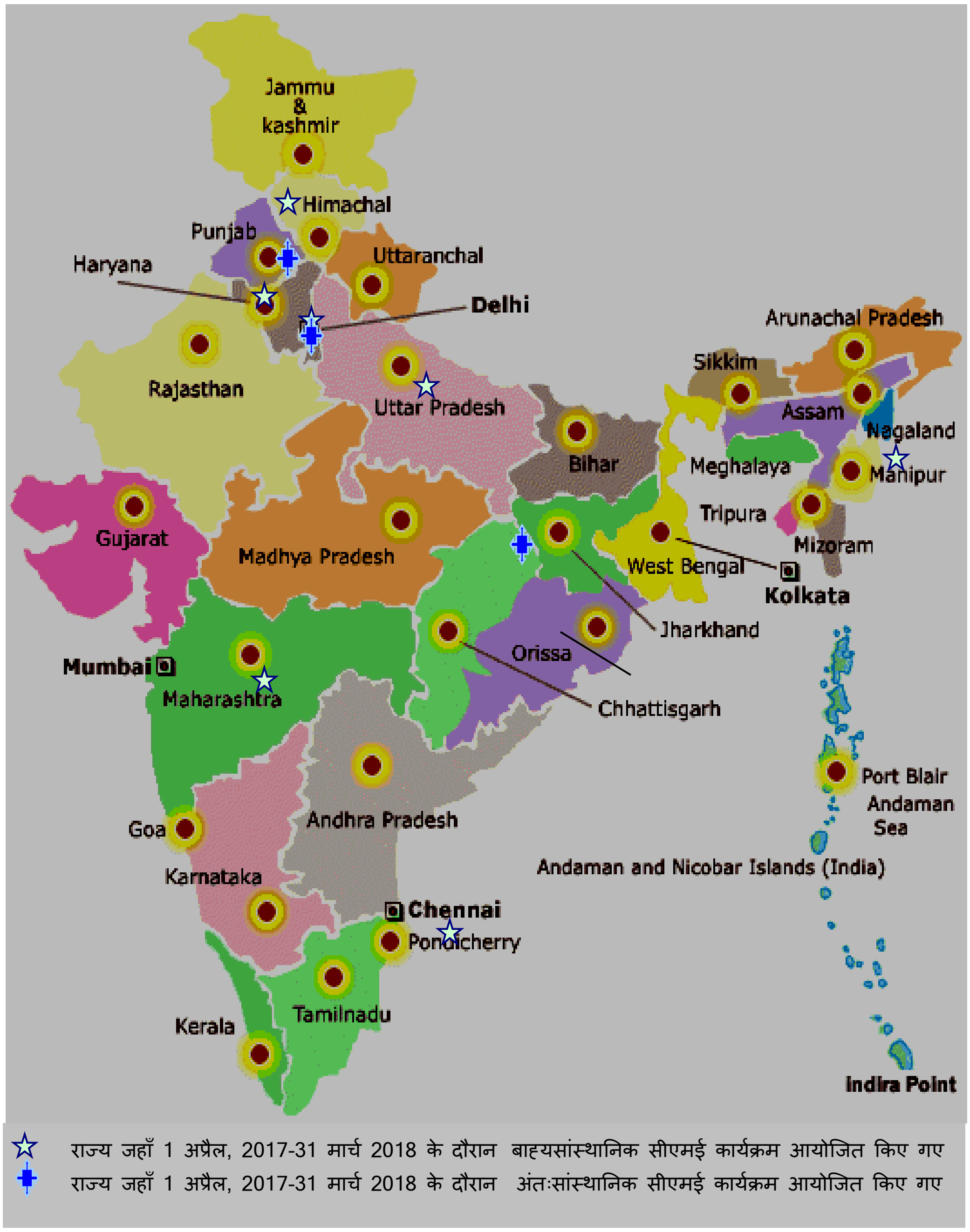

चित्र 2. राज्य चैप्टर-वार वर्ष 2017-18 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का प्रदर्शन

वर्ष 2017-18 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार विवरण चित्र 3 में दर्शाया गया है।

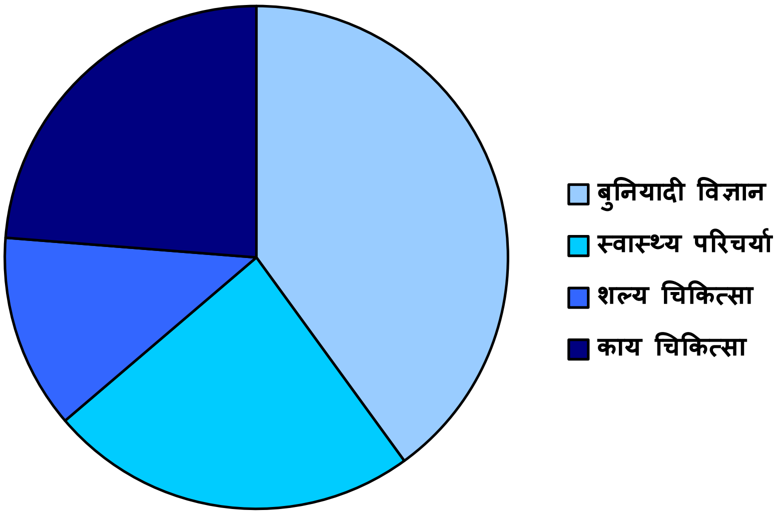

चित्र-3. वर्ष 2017-18 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार वितरण

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

पिछले 3 वर्षों, अर्थात् 2015-16 से 2017-18 में स्वीकृत बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का राज्य-वार वितरण

बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का वर्ष 2015-18 से प्रति वर्ष राज्य-वार वितरण नीचे सारणी में दिया गया है

राज्य	2015-16	2016-17	2017-18	वर्ष 2017-18 के दौरान किया गया व्यय (रुपए)
पश्चिम बंगाल	-	-	2	2,45,000
असम	-	-	-	75,000
मणिपुर	-	-	1	1,37,200
आंध्र प्रदेश	-	-	-	-
बिहार	-	1	-	-
छत्तीसगढ़	-	1	-	-
दिल्ली	-	1	1	-
गुजरात	1	-	-	-
हरियाणा	1	1	1	1,26,000
हिमाचल प्रदेश	1	-	-	-
जम्मू और कश्मीर	-	-	-	-
झारखंड	-	-	-	-
कर्नाटक	1	1	-	-
महाराष्ट्र	1	1	2	1,92,500
पुडुचेरी	1	-	3	3,64,000
राजस्थान	-	2	-	-
तमिलनाडु	-	-	-	-
उत्तर प्रदेश	1	-	1	-
जोड़	**9**	**11**	**12**	**10,64,700**

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे अनुबंध-III में दिया गया है।

अनुबंध-III

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अकादमी की वैज्ञानिक गतिविधियों में उसके राज्य चैप्टरों की शैक्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई हैः

पश्चिम बंगाल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पश्चिम बंगाल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से दो बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (कोलकाता में) आयोजित किए हैं।

मणिपुर

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्तर - पूर्वी राज्यों के चैप्टर के एक राज्य के रूप में मणिपुर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (इम्फाल में) आयोजित किया है।

चंडीगढ़

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ राज्य चैप्टर के एक राज्य के रूप में चंडीगढ़ ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (चंडीगढ़ में) आयोजित किया है।

दिल्ली

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दिल्ली चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (दिल्ली में) आयोजित किया है।

हरियाणा

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हरियाणा चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (रोहतक में) आयोजित किया है।

महाराष्ट्र

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान गोवा और महाराष्ट्र राज्य चैप्टर के एक राज्य के रूप में महाराष्ट्र ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से दो बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (पुणे में) आयोजित किए हैं।

पुडुचेरी

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुडुचेरी और तमिलनाडु राज्य चैप्टर के एक राज्य के रूप में पुडुचेरी ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से तीन बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (पुडुचेरी में) आयोजित किए हैं।

उत्तर प्रदेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (अलीगढ़ में) आयोजित किया है।

अनुबंध-IV

दिनांक 01.04.2017 से 31.03.2018 तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. **25 मई, 2017 को नैदानिक व प्रायोगिक भेषज गुण विज्ञान विभाग, कलकत्ता उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय, कोलकाता - 700073 में आयोजित "परिणाम अनुसंधान विधियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा - विश्लेषण" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. शांतनु के. त्रिपाठी, नैदानिक व प्रायोगिक भेषज गुण विज्ञान विभाग, कलकत्ता उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय, 108 चित्तरंजन एवेन्यु, कोलकाता - 700073।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे:

- व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण की आवश्यकता और क्षेत्र की सराहना करना
- व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण की पद्धतियों से परिचित कराना
- भेषज सह अर्थशास्त्र और परिणामों के शोध में सिद्धांतों और प्रक्रियाओं से अवगत करवाना
- गुणात्मक शोध की प्रासंगिकता और दृष्टिकोण को समझना
- मनोचिकित्सक और नैदानिक शोध के बारे में जानना
- प्रश्नावली और मनोचिकित्सक तराजू और उपकरणों के विकास और सत्यापन की जटिलताओं से अवगत कराना
- तराजू और उपकरणों को विकसित करने में व्यावहारिक अनुभव देना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई को नैदानिक और प्रायोगिक भेषज गुण विज्ञान विभाग, कलकत्ता उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय (डीसीईपी-डीसीईएम-सीएसटीएम) में आयोजित किया जाना था।

लेकिन सीएसटीएम में कुछ निर्माण गतिविधि के कारण, सीएमई का आयोजन मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल और एसएटीएस गहन देखभाल अकादमी में किया गया था, जिन्होंने पूरे दिल से कार्यक्रम की मेजबानी की थी।

सीएमई में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिसमें कोलकाता के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के नैदानिक और पैरा - नैदानिक विभागों के कई संकाय सदस्यों सहित जैव प्रौद्योगिकी, फार्मेसी, नर्सिंग और काय चिकित्सा की पृष्ठभूमि के साथ देश के औषधीय और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया गया था। संकाय ने प्रतिभागियों की पूरी संतुष्टि के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और ज्ञान साझा किया। सीएमई संकाय और प्रतिभागियों दोनों का उत्साह उल्लेखनीय था। कार्यशाला की सफलता विशेष रूप से बहुत ही उत्साही और उत्सुकता से सीखने वाले प्रतिभागियों पर निर्भर करती है जिन्होंने सक्रिय रूप से इंटरैक्टिव विचार-विमर्श में विचार-विमर्श किया।

स्वागत सत्र डॉ. शांतनु त्रिपाठी ने संबोधित किया, जिन्होंने श्रोताओं को सीएमई / कार्यशाला के लक्ष्य और उद्देश्यों और स्वास्थ्य देखभाल में ज्ञान अनुवाद के महत्व पर जानकारी दी। इसके बाद परीक्षा पूर्व प्रश्नावली सत्र का आयोजन किया गया। पहली प्रस्तुति का विषय था: 'प्रणालीगत समीक्षा और मेटा-विश्लेषण (एसआरएमए) को साक्ष्य संश्लेषण और अनुवाद-परिचय; इसके बाद 'एसआरएमए आयोजित करने में उपयोग की जाने वाली विधियों' पर एक सत्र हुआ। इसके बाद समूह गतिशीलता पर 45 मिनट का सत्र हुआ, जिसमें प्रतिभागी स्वास्थ्य अनुसंधान और चिकित्सा पत्रिकाओं में प्रकाशित रिपोर्टों में नैदानिक डेटा के विश्लेषण और वैज्ञानिक अनुसंधान डेटा की रिपोर्ट में नैतिकता के विषयों और प्रकाशन मुद्दों द्वारा भागीदारी के माध्यम से भाषण में शामिल थे। जिसके बाद समीक्षा सामग्री विश्लेषण संग्रह और 'निष्कर्ष साहित्य खोज' पर दो सत्रों हुए। इस सत्र के बाद टिप्पणियां और अनुवर्ती व्याख्यान और उपसंहार थे, उपसंहार में प्रतिभागियों और पाठ्यक्रम संकाय के बीच विभिन्न चर्चा इतर विषयों और स्पष्टीकरण पर एक इंटरैक्टिव चर्चा शामिल थी ।

कार्यशाला का समग्र आयोजन एक विद्वान संकाय और उत्सुकता से सीखने वाले प्रतिभागियों के साथ बहुत शैक्षणिक था, जो सीएमई कार्यशाला के पूरे दौर में कभी भी एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए तैयार थे।

2. **3 जुलाई 2017 को भारतीय भेषजगुण सोसाइटी (इप्सकॉन - 2017) के दक्षिण क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान महात्मा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में आयोजित "वैज्ञानिक लेखन" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला के रूप में सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. सी. आदितन, एफएएमएस, निदेशक, केन्द्रीय अंतर्विषय अनुसंधान सुविधा, महात्मा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी - 607403।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- एक शोध पत्र लिखने के बुनियादी दिशानिर्देशों के बारे में जानना,
- एक समीक्षा लेख, लघु संचार और एक केस रिपोर्ट लिखना सीखना,
- संदर्भित शैलियों और ग्रंथ सूची सॉफ्टवेयर के उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करना,
- प्रकाशन के लिए सही पत्रिका का चयन करना,
- एक पुस्तक और सफल अनुसंधान अनुदान अनुमोदन के लिए अनुदान प्रस्ताव लिखने के बारे में अपने कौशल को बढ़ाना,
- प्रकाशन नैतिकता और साहित्य चोरी के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई वैज्ञानिक सत्रों का कुल मिलाकर आयोजन बहुत अच्छा था और प्रतिभागियों के अनुकूल था। सीएमई में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतिभागी सीएमई की कार्यवाही में उनकी भागीदारी में बहुत उत्साही, गंभीर और संवादात्मक थे। 60 प्रतिभागियों में से 36 देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और औषधीय संस्थानों से स्नातकोत्तर और कनिष्ठ स्तर संकाय थे और शेष 24 भेषज गुण विज्ञान विभाग और स्थानीय मेडिकल कॉलेजों के नैदानिक विषयों चिकित्सा, सर्जरी इत्यादि के वरिष्ठ संकाय सदस्य थे। प्रतिभागी तमिलनाडु और पांडिचेरी सहित वडोदरा, आलप्पुषा, कोल्लम, गुवाहाटी, मैसूर, मुंबई, शिमोगा और बैंगलोर जैसे शहरों से थे।

आयोजकों ने सीएमई कार्यक्रम के शुरू होने से पहले प्रतिभागियों को एक फ़ोल्डर में विभिन्न संसाधन व्यक्तियों (डॉ. वाई. के. गुप्ता, डॉ. निथ्या गोगते, डॉ. एस. परशुरामन, डॉ एम. जयंती, डॉ. आर. रवीन्द्रन, डॉ. बीकाश मेधी, डॉ. के. सत्यनारायण और डॉ. के. के. शर्मा) द्वारा दिए गए विभिन्न वार्ता / व्याख्यानों/ विचार-विमर्शों के अलग-अलग लिखित वक्तव्य प्रदान किए।

इस कार्यक्रम में विभिन्न संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए शिक्षाप्रद व्याख्यान शामिल थे। सभी प्रस्तुतियों के बाद एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर समय काल था और अध्यक्ष; और सीएमई के अंत में सीएमई कार्यक्रम संयोजक, डॉ. सी. आदितन द्वारा संचालित था।

शैक्षिक सामग्री की गुणवत्ता उत्कृष्ट थी; साहित्य संदर्भों द्वारा समर्थित वर्तमान जानकारी के सभी पहलुओं को संसाधन संकाय द्वारा कवर किए गए सभी विचार-विमर्शों में शामिल किया गया था।

सभी जानकारी साक्ष्य आधारित थीं और यथा आवश्यक समर्थित साहित्य संदर्भ विचार-विमर्श के दौरान और पूर्व-पाठ्यक्रम सामग्री में भी प्रतिभागियों को प्रदान किए गए थे।

3. 14 और 15 जुलाई 2017 को सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित "सर्जरी में उभरते रुझान - आपातकालीन सर्जरी और ट्रामा केयर" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिवः कर्नल (डॉ.) एस. एस. जायसवाल, आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे - 411040।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

क) प्रतिभागियों को आघात देखभाल सहित विभिन्न उप-विशिष्टताओं से संबंधित शल्य चिकित्सा में हालिया और वर्तमान रुझानों को समझाने के लिए

ख) संबंधित क्षेत्र में आघात और आपातकालीन देखभाल के लिए शव विच्छेदन करने के लिए:

(अ) पेट पहुंच, अन्वेषण योजना / अंगों का गतिशीलन,

एनास्टोमोसिस के साथ रिसेक्शन; स्टोमा निर्माण, विशिष्ट अंग चोटें: पित्ताशय, आमाशय, यकृत, गुर्दे, आईसीडी सम्मिलन, थोरैकोटॉमीज।

(ब) छाती

सिर और गर्दन ट्रेकोटॉमी

गर्दन घाव की खोज: बाहरी कैरोटीड धमनी बंधन

प्रमुख वाहिकाओं, फासकियोटॉमीज, बाह्य फलैक्सेटर अनुप्रयोग, अंगविच्छेद के अन्वेषण।

(स) शल्य चिकत्सीय कौशल के व्यावहारिक अनुभव करने के लिए

कार्य स्टेशन - लैप्रोस्कोपी कौशल,

स्टोमा देखभाल,

जीआई स्टेपलर, और

घाव देखभाल और प्रबंधन।

पर्यवेक्षक (डॉ. एम. जी. देव, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

समारोह में संकाय सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। दर्शक बहुत विषम थे; प्रतिभागी अधिकतर युवा थे, और न केवल विभिन्न चिकित्सा उप-विषयों, बल्कि जैव प्रौद्योगिकी, फार्मेसी, नर्सिंग इत्यादि जैसे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान का भी प्रतिनिधित्व करते थे। उत्साह उल्लेखनीय था। यह इस विषय को सीखने के लिए युवा विद्वानों की इच्छा का संकेत देता है। संकाय ने अपनी अंतर्दृष्टि और ज्ञान साझा किया विशेष रूप से बहुत ही उत्साही और जिज्ञासु प्रतिभागियों को इसके लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है जिन्होंने सक्रिय रूप से इंटरैक्टिव व्याख्यानों और प्रायोगिक अभ्यास में विचार-विमर्श किया। सभी प्रतिभागियों ने महसूस किया कि इस विषय पर एक कार्यशाला अपर्याप्त थी; और इस तरह के विषयों पर अधिक कार्यशालाओं को क्षेत्र के सभी विशेषज्ञों द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। प्रतिभागियों ने इस तरह के भावी कार्यशालाओं में अधिक से अधिक प्रायोगिक सत्रों को सम्मिलित करने का सुझाव दिया।

4. 20 और 22 जुलाई 2017 को भेषजगुण विज्ञान विभाग, जिपमर, पांडिचेरी में आयोजित "कोशिका संवर्धन और विषाक्तता परीक्षण में बुनियादी तकनीकों पर कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. एम. जयन्ती, सह आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, संस्थान खंड, जिपमर, पांडिचेरी - 605006।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

कार्यशाला का उद्देश्य कोशिका संवर्धन तकनीकों में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों की सहायता करना था और भविष्य में इस क्षेत्र में कार्य करने वालों को यह समझाना था कि कोशिका संवर्धन की मूल बातें क्या हैं और कोशिका संवर्धन और इन-विट्रा विषाक्तता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने के क्या किया जाए था। तदनुसार कार्यशाला के उद्देश्य निम्नानुसार सूचीबद्ध थे:

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- कोशिका आधारित शोध करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों और बुनियादी चिकित्सा विज्ञान के युवा संकाय को प्रेरित करना
- शोधकर्ताओं को उनकी सुविधाओं में कोशिका संवर्धन प्रयोगशाला की स्थापना और रखरखाव के लिए बुनियादी आवश्यकताओं के बारे में परिचित कराना
- कोशिका और ऊतक संवर्धन के अनुप्रयोगों को समझना
- कोशिका संवर्धन और इन-विट्रो विषाक्तता परख की कुछ बुनियादी तकनीकों में प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करना

पर्यवेक्षक (डॉ. सी. आदितन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला का आयोजन भेषज गुण विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी ने किया था। यह 20 जुलाई से 22 जुलाई, 2017 तक ढाई दिनों की अवधि में आयोजित किया गया था। सीएमई में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। एम्स भुवनेश्वर (उड़ीसा), आईआईटी गांधीनगर (गुजरात) और अन्नामलाई विश्वविद्यालय (तमिलनाडु) जैसे देश के विभिन्न हिस्सों के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कुल 20 प्रतिभागियों में से 5 प्रतिभागी जेआईपीएमईआर के थे। चुने गए प्रतिभागियों में स्नातकोत्तर छात्र (8)

पीएचडी विद्वान (6) और संकाय सदस्य (6) सम्मिलित थे। संस्थान के अंदर और संस्थान के बाहर के विषय विशेषज्ञ कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थे। समग्र वातावरण अच्छा था। प्रतिभागियों को कोशिका संवर्धन और विषाक्तता परीक्षण सीखने में गहरी रुचि थी। संसाधन व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए बहुत अवसर था। तीसरे स्थान पर पैनल चर्चा को भी बहुत उपयोगी पाया गया था।

प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित कार्यशाला पुस्तिका प्रदान की गई जिसमें कार्यशाला कार्यक्रम, परिचय पर अध्याय, (संख्या में सात), कोशिका संवर्धन प्रयोगशाला की बुनियादी आवश्यकताएं; जीएलपी; क्रायोप्रिजर्वेशन; साइटोटोक्सिसिटी परख, मॉरफोलॉजिकल परख, आदि शामिल थे। लिखित संदर्भ सामग्री जैव सूचना विज्ञान अभ्यास और प्रतिभागियों और संसाधन व्यक्तियों की सूची के रूप में प्रदान की गई थी।

कोशिका संवर्धन प्रयोगशालाओं (संख्या में दो), आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला और भेषज गुण विज्ञान प्रयोगशालाओं जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रतिभागियों को व्यावहारिक सत्र के लिए कोशिका संवर्धन प्रयोगशाला, आण्विक जीवविज्ञान प्रयोगशाला और जीनोमिक्स प्रयोगशाला में स्थित विभिन्न स्टेशनों के लिए निर्देशित किया गया था। प्रतिभागियों को 96 वैल प्लेट मैप, स्टॉक और कामकाजी समाधान की तैयारी और 96 वैल प्लेट में कोशिकाओं को औषध उपचार प्रक्रिया पर प्रदर्शन के लिए खुराक की गणना पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया था। उन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया था और 96 वैल प्लेटों में कोशिकाओं का औषध उपचार करने के लिए निर्देशित किया गया था।

व्यावहारिक सत्र में मीडिया और एमटीटी स्टॉक समाधान की तैयारी, 96 वैल प्लेट पढ़ने और आईसी 50 गणना और परिणामों की व्याख्या शामिल थी। प्रतिभागियों को इस सत्र के लिए 3 समूहों में विभाजित किया गया था और उन्होंने प्रत्येक सत्र में बदल - बदल कर पूर्व-नैदानिक प्रयोगशाला, जीनोमिक्स प्रयोगशाला और आण्विक जीवविज्ञान प्रयोगशाला में भाग लिया। सुश्री पद्मप्रिया, सुश्री गौदामी, श्री सागर पी. और श्री बालाजी ने इस सत्र की सुविधा प्रदान की थी।

5. 4 और 5 अगस्त 2017 को जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी में आयोजित "जैवचिकित्सा अनुसंधान और औषध विकास में जेबराफिश पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम

आयोजन सचिव: डॉ. सी. गिरीश, सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, संस्थान खंड (तृतीय तल), जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी - 605006।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- एक खोज मंच के रूप में ज़ेब्राफिश का उपयोग करने की विधि पर प्रायोगिक प्रदर्शन करना
- नवीनतम उद्योग और शोध प्रवृत्तियों के अनुसार ज़ेब्राफिश मॉडल बनाना सीखना
- बाजार के लिए उपयुक्त औषधियों की खोज के लिए ज़ेब्राफिश मॉडल से अंतिम बिंदुओं को पढ़ने के लिए सक्षम होना

"जैव चिकित्सीय अनुसंधान एवं औषध विकास में ज़ेब्राफिश पर प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" नामक राष्ट्रीय कार्यशाला भेषज गुण विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला थी। इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को वैज्ञानिक अनुसंधान में ज़ेब्राफिश (डेनियो रीयियोइटल) मॉडल के उपयोग को समझने और ज़ेब्राफिश मॉडल के विकास में प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायता करना था। कार्यशाला में ज़ेब्राफिश मॉडल पर प्रारंभिक व्याख्यान और ज़ेब्राफिश मॉडल को शामिल करने पर प्रायोगिक व्यावहारिक सत्र सम्मिलित थे। सीएमई में 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

भविष्य के निर्देश और सिफारिशें:

जेब्राफिश की हालिया तकनीकी प्रगति और आंतरिक गुण जैव चिकित्सीय शोध के लिए इसे एक महत्वपूर्ण प्रयोगात्मक पशु बनाते हैं। वर्तमान में यह दवा जांच और अनुवांशिक विश्लेषण के लिए प्रयोग किया जाता है। हालांकि, ज़ेब्राफिश अनुसंधान अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और नए मॉडल और स्क्रीनिंग विधियों को खोजने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों को जोड़ने की बड़ी संभावनाएं हैं जो अधिक कुशल और कम समय लेने वाली हो सकती हैं। हम ईमानदारी से आशा करते हैं कि इस कार्यशाला के प्रतिभागी

ज़ेब्राफिश अध्ययनों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। हम ज़ेब्राफिश में रोग मॉडल विकसित करने के हमारे काम को भी जारी रखेंगे और हम भविष्य में इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पर्यवेक्षक (डॉ. सी. आदितन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला 9.00 बजे एक उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ हुई, और इसके बाद प्रतिभागियों ने स्वयं का परिचय दिया। फिर प्रतिभागियों के लिए 15 मिनट की एक पूर्व परीक्षा थी। कार्यशाला श्री बेनिन जोसेफ के एक प्रारंभिक व्याख्यान से आरंभ हुई, जिसमें निदान पूर्व प्रयोगात्मक अनुवाद मॉडल के रूप में ज़ेब्राफिश के महत्व और अनुप्रयोगों पर बल दिया गया था। सत्र इंटरैक्टिव था और प्रतिभागी व्याख्यान के दौरान अपने संदेहों को स्पष्ट कर रहे थे। व्यावहारिक सत्र इस व्याख्यान के बाद शुरू हुए, जहां प्रत्येक प्रतिभागी को विच्छेदन और प्रक्रियाओं को व्यक्तिगत रूप से करने का अवसर मिला। उनके लिए विभिन्न प्रकार के ज़ेब्राफिश मॉडल प्रस्तुत किए गए और विभिन्न रोगों को प्रेरित करने की विधियों पर चर्चा की गई। सभी प्रतिभागी पूरे सत्र में बहुत सक्रिय थे और संसाधन व्यक्ति उन्हें तकनीक के प्रदर्शन को पढ़ाने में बहुत सहायता कर रहे थे। उत्साह दोनों दिनों में बनाए रखा गया क्योंकि कार्यशाला का प्रमुख भाग प्रायोगिक अनुभव था। प्रतिभागी बहुत संवादात्मक थे, बार-बार कई प्रश्न पूछते थे और संसाधन व्यक्ति सहर्ष उनका उत्तर दे रहे थे। प्रतिभागियों के लिए व्यवस्थित माहौल और आतिथ्य सराहनीय थे। उनके लिए दो बड़ी टीवी स्क्रीन के साथ अच्छी श्रव्य दृश्य व्यवस्था थी, जिसने अनुभव को सुखद शैक्षिक अनुभव बना दिया। कार्यक्रम दूसरे दिन 5.00 बजे एक पश्च परीक्षा के साथ समाप्त हुआ जिसके बाद प्रमाणपत्र वितरण के साथ समापन समारोह हुआ। कुल मिलाकर कार्यशाला अच्छी तरह आयोजित थी और यह सीखने का एक अच्छा अनुभव था।

6. 26 अगस्त, 2017 को जैव रसायन विभाग, पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक में आयोजित "नैदानिक और आणविक जैव रसायन में गुणवत्ता नियंत्रण" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. वीना सिंह गहलोत, आयोजन अध्यक्षा, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक - 124001।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- टीक्यूएम में पीजी छात्रों और संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना
- रोगी देखभाल के सुधार के लिए सटीक रिपोर्ट प्रदान करना
- रुधिर विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम नैदानिक तकनीकों के बारे में जागरूकता प्राप्त करना
- बांझपन के जैव रसायन में हाल के रुझानों के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. तुलसी दास चुग, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएंः

नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान / संधिवातीयशास्त्र के क्षेत्र में विशेषज्ञों की बड़ी आवश्यकता है। वर्तमान सीएमई इस दिशा में आयोजकों द्वारा एक छोटा सा प्रयास था। सीएमई में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

सीएमई संगोष्ठी अच्छी तरह से संरचित था। वक्ता उत्तर भारत से आए अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ थे। व्याख्यान का सारांश: उन्होंने "रुधिर विज्ञान दुर्दमताओं में आणविक निदान और उपचार" पर बात की। उन्होंने डीएनए और आरएनए नमूनों के लिए विभिन्न रोगजनक उत्परिवर्तनों का पता लगाने का वर्णन किया ताकि वे पहचान, निदान, उप-वर्गीकरण, पूर्वानुमान, और चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया को सुगम कर सकें। उन्होंने मानव आनुवंशिकी परियोजना और आणविक जैव रसायन जैसे दक्षिण ब्लॉट, डॉट ब्लॉट, पॉलिमरेज़ चेन रिएक्शन (सिंगल स्ट्रैंड कॉन्फॉर्मेशन पॉलिमॉर्फिज्म), (एसएससीपी), डीजीजीई (ग्रेडियेंटिंग ग्रेडिएंट इलेक्ट्रोफोरोसिस प्राप्त करते हैं), आरटी-पीसीआर, डीएनए अनुक्रमण, टैकमैन , वास्तविक समय पीसीआर, आक्रामक परख और स्वस्थानी संकरण में प्रयुक्त की जाने वाली वर्तमान तकनीकों का वर्णन किया।

7. **26 और 27 अगस्त 2017 को जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान, पोरोमपट, इम्फाल, मणिपुर में आयोजित "रोधज निद्रा अश्वसन के निदान और प्रबंधन में हालिया अग्रिम - क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. एम. मधुमंगल सिंह, आयोजन सचिव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कान, नाक व गला रोग विभाग एवं जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान, पोरोमपट, इम्फाल, मणिपुर - 795005।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- रोधज निद्रा अश्वसन (ओएसए) के निदान के लिए और निदान में सहायता के लिए आवश्यक जांच पर तकनीकी जानकारी प्रदान करना
- ओएसए के स्थापित मामले के प्रबंधन के लिए वर्तमान में उपलब्ध प्रबंधन रणनीति को उजागर करना
- जहां भी संभव हो, रोगियों के निदान और प्रबंधन के साथ एक बहुआयामी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाना
- यह संगोष्ठी सह कार्यशाला इस जटिल समस्या के प्रबंधन में विभिन्न विशेषताओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करेगी।

पर्यवेक्षक (डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

रोधज निद्रा अश्वसन (ओएसए) का व्यापक ज्ञान प्रदान करने के लिए - इसकी परिभाषा, हेतु विकृति विज्ञान, आरंभ करने और संशोधित करने वाले कारक, नैदानिक पद्धतियां और प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विकार उच्च रक्तचाप और अन्य हृद्य संवहनी रोगों के जोखिम कारकों में से एक है।

सीएमई का उद्देश्य औषध प्रेरित निद्रा एंडोस्कोपी (डीआईएसई), पॉलिओमोग्राफी और इसकी व्याख्या और सीपीएपी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रायोगिक अनुभव के रूप में व्यावहारिक ज्ञान देना भी था।

8. 26 और 27 अगस्त, 2017 को संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, कमांड अस्पताल, (पूर्वी कमांड), कोलकाता में आयोजित "फील्ड चिकित्सा व्यवस्था में आपात स्थिति से निपटना" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: कर्नल (डॉ.) सुब्रतो सेन, वरिष्ठ सलाहकार, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, कमांड अस्पताल, (पूर्वी कमांड), अलीपोर मार्ग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल - 700027।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- सशस्त्र बलों के विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों के आपातकालीन और गंभीर देखभाल में नई रणनीतियों और रुझानों की वर्तमान स्थिति के बारे में ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए और दैनिक अभ्यास में उनका अनुप्रयोग
- संघर्ष-ग्रस्त और दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों के गहन देखभाल प्रबंधन में ज्ञान और विशेषज्ञता में सुधार करना
- चिकित्सा अधिकारियों के साथ-साथ परिधि में काम कर रहे विशेषज्ञों के मामलों में समय बीतने के साथ अपरिहार्य अंतराल को पाटना

पर्यवेक्षक (डॉ. दुर्गा पादा बक्सी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

प्रतिनिधियों के लिए कार्यशाला और अधिक आरामदायक वातावरण होना चाहिए। इस तरह के सीएमई कार्यक्रम को भूलने की स्थिति के जीवन रक्षा कौशल को सुदृढ़ करने के लिए नियमित अंतराल पर आयोजित किया जाना चाहिए।

सीएमई में 100 से 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। कुल 30 बाहरी प्रतिनिधियों को डीजीएएफएमएस आदेश के अनुसार सूचित किया गया, जिनमें से 23 सम्मिलित हुए। इसके अलावा, कमांड सिग्नल यूनिट की सहायता से सेना नेट पर प्रस्तुतियों को लाइव अपलोड किया गया था, इस प्रकार यह सुनिश्चित किया गया कि कमांड के सभी चिकित्सा अधिकारी जो शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं थे, कार्यवाही देखने में सक्षम हो पाएं।

कार्यशालाओं को विशेष रूप से पैरामेडिकल कर्मचारियों के लिए तीन स्टेशनों में आपातकालीन देखभाल के बहुत आम और महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षकों ने छाती संपीड़न की सही दर और गहराई को पढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाले सीपीआर के महत्व और घायल व्यक्ति के लिए एक सुरक्षित स्थिति बनाए रखने पर विशेष बल दिया, जब युद्ध के दौरान अक्सर कोई भी रोगी की सक्रिय देखभाल के लिए उपलब्ध नहीं होता है। गर्भाशय ग्रीवा रीढ़ की हड्डी को स्थिर करना, फ्रैक्चर के साथ एक अंग को स्थिर करना और एक घायल रोगी को

सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने और पहुँचाने के लिए एक स्कोप स्ट्रेचर का उपयोग करना सिखाया गया था और पैरामेडिक्स को इसका प्रायोगिक अनुभव दिया गया था।

अंत में एक शल्य चिकित्सा आपातकालीन सत्र ने क्षेत्र में ऑर्थोपेडिक आघात, पेट की आपात स्थिति, तीव्र लाल आंख और सर्जिकल वायुमार्ग के प्रबंधन पर चर्चा की। सभी चर्चाओं को उस जानकारी का विवरण देने पर केंद्रित किया गया था जो क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सा अधिकारियों के लिए व्यावहारिक उपयोग की होगी।

9. 9 और 10 सितंबर 2017 को सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित "प्रसूति एवं स्त्री रोग में साक्ष्य आधारित अभ्यास और स्त्री रोग में एंडोस्कोपी सर्जरी" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: ब्रिगेडियर (डॉ.) शक्ति वरदान, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे - 411040।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- आदर्श प्रसवपूर्व देखभाल, इष्टतम इंट्रापार्टम प्रबंधन, स्त्री मूत्र रोग में प्रगति, बांझपन और प्रासंगिक चिकित्सा विधिक मुद्दों के बारे में स्त्री रोग विशेषज्ञों और रेजिडेंट को शिक्षित करने के लिए
- एंडोस्कोपी में नई प्रगति के बारे में शिक्षित करने और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से उत्पन्न होने वाली जटिलताओं की अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए
- सीएमई कार्यक्रम रक्तस्त्राव जैसी मातृ स्थितियों, गंभीर रूप से बीमार प्रसूति रोगी के प्रबंधन, आधान प्रोटोकॉल और प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में हस्तक्षेप विकिरण विज्ञान के उपयोग के लिए प्रोटोकॉल की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करेगा।

सीएमई में लगभग **100** प्रतिभागियों ने भाग लिया था। **98%** प्रतिनिधियों ने कार्यशाला को बहुत उपयोगी पाया, विभिन्न प्रक्रियाओं के दौरान संसाधन व्यक्तियों द्वारा दी गई व्यावहारिक युक्तियों की सराहना की गई। प्रतिभागियों में से **94%** ने सीएमई के लिए विषयों का चयन बहुत उपयुक्त पाया। **87%** प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि अतिथि संकाय ने बहुत अच्छी गुणवत्ता वाले व्याख्यान दिए हैं जिनमें सभी के लिए अच्छी व्यावहारिक युक्तियां थीं। कार्यशाला के उद्देश्य से स्कोरिंग पर स्त्रीरोग विज्ञान में

एंडोस्कोपी पर प्रश्नोत्तरी और सत्र का सबसे अधिक **90%** से अधिक प्रतिभागियों के द्वारा मूल्यांकन किया गया था।

आमतौर पर अधिकांश प्रतिभागियों ने महसूस किया कि अभ्यासरत डॉक्टरों और स्नातकोत्तरों के लाभ के लिए प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एएफएमसी, पुणे में इस प्रकार के शिक्षाप्रद सीएमई और कार्यशाला का आयोजन अक्सर किया जाना चाहिए।

पर्यवेक्षक (डॉ. वंदना वालवेकर, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम ने विभिन्न प्रकार के विषयों पर चर्चा की जो प्रतिभागियों की विविध संख्या के लिए शिक्षाप्रद होंगे। चुने हुए विषयों में प्रसूति चुनौतियों जैसे सामान्य विषय थे। प्रसवपूर्व देखभाल अद्यतन किया गया। तनाव मूत्र असंयम और भ्रूण चिकित्सा के क्षेत्र में हाल के अग्रिमों, आदि समान रूप से विविध स्त्रीरोग विशेषज्ञों, चिकित्सकों से लेकर स्नातकोत्तर छात्रों तक, सभी के लिए बहुत रुचि के थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएमई ने मातृ और भ्रूण मृत्यु दर और विकृति यानी प्रिक्लेम्प्शिया, रक्तस्त्राव, रक्ताल्पता के प्रमुख कारणों, प्रसूति और स्त्रीरोग के उप विशेषता - एंडोस्कोपी, उच्च जोखिम प्रसूति, बांझपन, मूत्र स्त्री रोग विज्ञान और चिकित्सा विधिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इन क्षेत्रों में ज्ञान को अद्यतन करना इस विषय पर प्रत्येक सीएमई के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

एंडोस्कोपी वीडियो वर्कशॉप कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ताओं ने उन क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जो एंडोस्कोपी में तेजी से प्रगति और नवाचार कर चुके हैं और एक अभ्यासरत स्त्री रोग विशेषज्ञ के लिए बहुत सहायक हो सकते हैं।

10. 3 नवंबर, 2017 को बाल रोग विभाग, उन्नत बाल रोग केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "उन्नत और बुनियादी बाल चिकित्सा गंभीर देखभाल" पर नैम्स - पीजीआईएमईआर संगोष्ठी के रूप में सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. अरूण बंसल, आचार्य, बाल रोग विभाग, उन्नत बाल रोग केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- वैज्ञानिक कार्यक्रम को व्यावहारिक पहलुओं, नैदानिक कौशल और रोगी उन्मुख शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ डिजाइन किया गया है। विशिष्ट उद्देश्यों में शामिल हैः
- ज्ञान आधार को बढ़ाना और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण से इस विषय के बारे में अद्यतन ज्ञान प्रदान करने के लिए
- प्रारंभिक निदान, उचित दृष्टिकोण और गंभीर रूप से बीमार बच्चों के उचित प्रबंधन के लिए बाल रोग विशेषज्ञों के लिए अभ्यास दिशानिर्देश निर्धारित करना
- कार्यशालाओं के दौरान प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करके आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल आवश्यकताओं वाले बच्चों की देखभाल में शामिल पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना
- वीडियो प्रदर्शनों और वास्तविक मामलों पर चर्चाओं के माध्यम से विभिन्न विकारों को पहचानने में डॉक्टरों को परिचित कराना
- बहस और पैनल चर्चाओं के माध्यम से उन मुद्दों के पक्ष और विपक्ष को उजागर करना जो अभी भी विवादास्पद हैं
- एक मंच प्रदान करना जिसमें प्रतिभागी प्रसिद्ध और विश्व स्तर पर प्रशिक्षित विशेषज्ञों के साथ रुचि रखते हैं और वैज्ञानिक और अनुसंधान सहयोग विकसित कर सकते हैं।

इस बात पर विचार करते हुए कि हमारे देश में ऐसी समस्याओं के साथ कई लाख बच्चे हैं, यह सीएमई सह कार्यशाला अत्यधिक राष्ट्रीय हित में होगी।

पर्यवेक्षक (**डॉ. सुनित सी. सिंघी, एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

सीएमई वैज्ञानिक सत्रों का कुल मिलाकर आयोजन बहुत अच्छा और उत्कृष्ट था। सीएमई में 67 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतिभागी सीएमई की कार्यवाही में उनकी भागीदारी में बहुत उत्साही, गंभीर और संवादात्मक थे।

11. 19 नवंबर, 2017 को भेषज गुण विज्ञान विभाग, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित "नैदानिक प्रथाओं

और नैदानिक परीक्षण के नियामक पहलुओं में तर्कसंगत निर्धारण" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. सैयद ज़ियार रहमान, आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग और उप चिकित्सा अधीक्षक, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ - 202002।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

- रोगियों के लाभ के लिए दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और दवाओं के सुरक्षित उपयोग के अभ्यास पर इस विषय के महत्व, उपयोगिता और अंतर्दृष्टि को जानने के लिए,
- आवश्यक चिकित्सा, मानक उपचार दिशानिर्देश और अस्पताल फॉर्मूलेरी की अवधारणा को समझने के लिए,
- तर्कसंगत निर्धारित करने के लिए पीबीएल आयोजित करने के लिए,
- औषध उपयोग अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण को समझने के लिए,
- नैदानिक परीक्षणों (सीटी) में सुरक्षा पहलुओं का आकलन करने के लिए,
- सीटी में शामिल नियामक मामलों को समझने के लिए,
- अनुसूची-वाई में हालिया संशोधन को समझने के लिए,
- पूर्व-सीएमई और पश्च-सीएमई मूल्यांकन प्रतिक्रिया लेकर प्रतिभागियों की क्षमता का आकलन करने के लिए, जिससे अधिगम पाठ्यक्रम की उपयोगिता का अनुमान लगाया जा सके।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज के मुख्य व्याख्यान थिएटर में आयोजित किया गया। यूपी, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार और राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के भेषज गुण विज्ञान, काय चिकित्सा, बाल रोग, शल्य चिकित्सा और कई विभागों से कनिष्ठ वरिष्ठ /रेजिडेंट / निर्देशकों और बहुत से संकाय सदस्यों जैसे विविध पचास प्रतिनिधि सीएमई के लिए पंजीकृत थे। सीएमई ने तर्कसंगत फार्माकोथेरेपीटिक्स के महत्व पर विषय वस्तु, दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग पर मौजूदा नियमों पर चर्चा करने के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए निगरानी और

रोगी के सर्वोत्तम हितों की सेवा के लिए दिए जाने वाली दवाओं की सुरक्षा में सुधार करके जोखिम प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा करने के लिए शैक्षिक और औद्योगिक पृष्ठभूमि से शैक्षिक विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया। सीएमई को विशेष रूप से युवा डॉक्टरों और स्नातकोत्तर विद्वानों के लाभ के लिए आयोजित किया गया था, जिसने भविष्य में शोध और रोगी देखभाल में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवा वैज्ञानिकों द्वारा दवाइयों के सुरक्षित और किफायती उपयोग की बारीकियों को समझने के लिए नए परिदृश्य खोले।

सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम में 3.5 घंटे की अवधि के दो सत्र सम्मिलित थे - एक "नैदानिक अभ्यास में तर्कसंगत निर्धारण" पर और दूसरा "नैदानिक परीक्षण के नियामक पहलुओं" पर। प्रत्येक सत्र में प्रख्यात वक्ताओं द्वारा पांच इंटरैक्टिव व्याख्यान शामिल थे, जिन्होंने न केवल विषय सामग्री को कवर किया बल्कि प्रश्नों का उत्तर दिया और प्रतिनिधियों / प्रतिभागियों के प्रश्नों को भी स्पष्ट किया। दोनों सत्रों का समग्र वातावरण बहुत शैक्षिक था, जहां वक्ताओं और प्रतिभागियों दोनों ने सीएमई को एक सफल शैक्षिक कार्यक्रम बनाने के लिए पूरा प्रयास किया।

12. 21 नवंबर, 2017 को भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029 में आयोजित "रोगी सुरक्षा के लिए नैदानिक अनुसंधान में नैतिकता को समझना" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. सुबीर कुमार मौलिक, आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

किसी भी शोध को अनिवार्य रूप से नैतिकता समिति समीक्षा से गुजरना पड़ता है और यह सीएमई प्रतिभागियों के लिए अवसर प्रदान करेगा:

- जैवनैतिकता के इतिहास के बारे में पता करने के लिए
- प्रतिभागियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए नैतिकता समिति की कार्यप्रणाली के बारे में जानने के लिए
- नैदानिक परीक्षणों के नैतिक अनुपालन के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहलुओं के प्रति जानकारी प्रदान करने के लिए।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई में पूरे देश के **121** प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। कार्यक्रम भली भांति योजनाबद्ध और निष्पादित था, जो **8.30** बजे आरंभ हुआ और आधे घंटे के भोजन अवकाश के साथ शाम **5.30** बजे समाप्त हुआ। प्रख्यात अध्यक्षों और वक्ताओं में डॉ. नंदिनी कुमार, वाई. के. गुप्ता, एस. के. त्रिपाठी, सुबीर मौलिक, उर्मिला थट्टे, संगीता देसाई, एन. अरोड़ा, ए. गांधी और प्रदीप दुआ शामिल थे।

प्रतिभागियों में शिक्षाविद, नियामक व्यक्ति, दवा उद्योग प्रतिनिधि, आयुष और स्वास्थ्य और औषधि नियंत्रण मंत्रालय, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई शामिल थे। विषय थे - जैवनैतिकता का इतिहास, संवेदनशील आबादी में नैदानिक अनुसंधान की नैतिकता; चिकित्सा में चुनौतियां, नैदानिक परीक्षणों के पालन में सुधार और निगरानी के लिए प्रक्रियाएं, नई प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान में चुनौतियाँ और शमन रणनीतियाँ थे।

जागरूकता और अधिगम में कितना लाभ हुआ इसका आकलन करने के लिए सभी प्रतिनिधियों को सीएमई से पहले और बाद में प्रश्नावली दी गई थी; प्रश्नावली के प्रति उनकी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन किया गया और शाम को अधिगम सत्र समाप्त होने के बाद अंक दिए गए।

आयोजन, वैज्ञानिक सामग्री, स्थल, बैठने की व्यवस्था, श्रव्य दृश्य सुविधाएं, प्रतिनिधियों को सीखने की सामग्री और कार्यशाला में उपस्थिति बहुत अच्छी थी। वैज्ञानिक कार्यक्रम एक अच्छी तरह से आयोजित कार्यशाला थी और इसे निदेशक कार्यालय के परिषद कक्ष में आयोजित किया गया था जिसे रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम के नाम से जाना जाता है, जिसमें काफी आरामदायक कुर्सियों के साथ एक बड़ी मेज थी और दूरी पर एक प्रवेश / निकास द्वार था, जिससे कार्यवाही बाधित नहीं होती थी। श्रव्य दृश्य व्यवस्था और पावर प्वाइंट प्रस्तुतियाँ अच्छी थीं। कोई शैक्षिक व्याख्यान नहीं था, लेकिन जैसा होना चाहिए, प्रश्न / उत्तर, टिप्पणियों / सुझावों के लिए समय के साथ इंटरैक्टिव प्रस्तुतियाँ थीं।

यह एक ऐसा सीएमई था, जहां शैक्षिक उद्योग के प्रतिनिधि, सामाजिक वैज्ञानिक, नियामक अधिकारियों के सदस्य, जिनमें से सभी ने सीखने और आपसी सम्मान के स्वस्थ वातावरण और एक दूसरे से ज्ञान के आदान-प्रदान और नई जानकारी प्राप्त करने को बढ़ावा दिया था।

दिनांक **01.04.2017** से **31.03.2018** तक बाह्यसांस्थानिक
सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के तहत अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
1.	"परिणाम अनुसंधान विधियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा - विश्लेषण" पर सीएमई कार्यक्रम कोलकाता (पश्चिम बंगाल): 25 मई, 2017	1,05,000/-
2.	"वैज्ञानिक लेखन" पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला पर सीएमई कार्यक्रम पांडिचेरीः 3 जुलाई 2017	1,80,000/-
3.	"सर्जरी में उभरते रुझान- आपातकालीन सर्जरी और ट्रामा केयर" पर सीएमई कार्यक्रम पुणेः 14 -15 जुलाई 2017	1,05,000/-
4.	"कोशिका संवर्धन और विषाक्तता परीक्षण में बुनियादी तकनीकों पर कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम पांडिचेरीः 20 - 22 जुलाई 2017	84,000/-
5.	सीएमई कार्यक्रम पर: "जैवचिकित्सा अनुसंधान और औषध विकास में जेबराफिश पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम पुद्दुचेरीः 4 - 5 अगस्त 2017	1,00,000/-

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
6.	"नैदानिक और आणविक जैव रसायन में गुणवत्ता नियंत्रण" पर सीएमई कार्यक्रम रोहतक, हरियाणाः 26 अगस्त 2017	1,26,000/-
7.	"रोधज निद्रा अश्वसन के निदान और प्रबंधन में हालिया अग्रिम - क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य" पर सीएमई कार्यक्रम इम्फाल, मणिपुरः 26 अगस्त 2017	1,37,200/-
8.	"फील्ड चिकित्सा व्यवस्था में आपात स्थिति से निपटना" पर सीएमई कार्यक्रम कोलकाताः 26 - 27 अगस्त, 2017	1,40,000/-
9.	"प्रसूति एवं स्त्री रोग में साक्ष्य आधारित अभ्यास और स्त्री रोग में एंडोस्कोपी सर्जरी" पर सीएमई कार्यक्रम पुणेः 9 - 10 सितंबर 2017	87,500/-
10.	"उन्नत और बुनियादी बाल चिकित्सा गंभीर देखभाल" पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़ः 3 नवंबर, 2017	-
11.	"नैदानिक अभ्यास और नैदानिक ट्रायल के नियामक पहलुओं में तर्कसंगत निर्धारण" पर सीएमई कार्यक्रम अलीगढ़ (यूपी):19 नवंबर, 2017	-
12.	"रोगी सुरक्षा के लिए नैदानिक अनुसंधान में नैतिकता को समझना" पर सीएमई कार्यक्रम नई दिल्लीः 21 नवंबर, 2017	-

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट

शैक्षणिक समिति और शैक्षणिक परिषद की बैठक 13 अप्रैल, 2018 को आयोजित की गई थी। सदस्यों को सूचित किया गया था कि वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान पायलट परियोजनाओं के अंतर्गत तीन (3) सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा सभागार और प्रो. जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र में आयोजित किए गए थे। सभी कार्यक्रम बहुत सफल थे और उनकी प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई।

बैठक की सिफारिशें निम्नानुसार हैं:

- सदस्यों ने पायलट परियोजनाओं के तहत सभागार में आयोजित सीएमई की सचिव द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की सराहना की और महसूस किया कि इन लागत प्रभावी सीएमई की संख्या में समय के साथ वृद्धि की जा सकती है। पिछले साल के सफल अनुभव के आधार पर, समिति ने अन्य सीएमई की तरह ही बजटीय व्यय के समान नियमों और शर्तों पर अकादमी के स्थानीय अध्येता द्वारा एनएएमएस ऑडिटोरियम में सीएमई आयोजित करने की गतिविधि को नियमित सुविधा के रूप में अनुमोदित किया, सिवाय इसके कि खाते एनएएमएस कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित होंगे। शैक्षणिक समिति ने सुझाव दिया कि भविष्य में इन सीएमई (पायलट कार्यक्रम) को "नैम्स सभागार में आयोजित कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई" के रूप में नामित किया जाएगा।
- सीएमई कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं पेश करते हुए, सचिव, नैम्स ने वर्ष 2016-17 के लिए नैम्स वार्षिक रिपोर्ट का अनुमान लगाया और नैम्स वार्षिक रिपोर्ट के शैक्षिक रिपोर्ट भाग के अंतर्गत सुझाव दिया कि भविष्य में सीएमई / संगोष्ठी में प्रतिभागियों की पर्याप्त संख्या होनी चाहिए। चूंकि नैम्स अब संगोष्ठी / सीएमई के लिए पर्याप्त अनुदान सहायता प्रदान कर रहा है, इसलिए ज्ञान को प्रतिभागियों की बड़ी संख्या में प्रसारित किया जाना चाहिए।
- जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश राज्यों में कोई सीएमई कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ है। यह सुझाव दिया गया था कि सीएमई कार्यक्रम अलग-अलग राज्यों में अधिमानतः उन जगहों पर आयोजित किए जाने चाहिए जहां सीएमई पहले आयोजित नहीं किए जाते हैं।

- शैक्षणिक समिति ने सिफारिश की है कि सीएमई कार्यक्रमों के प्रस्तावों की समीक्षा करते समय, कार्यक्रमों की सामग्री की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जानी चाहिए और केवल उनका समर्थन किया जाना चाहिए जो शैक्षिक सामग्री में उत्कृष्ट हैं और जिनमें व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो।
- विस्तृत चर्चा के बाद नैम्सकॉन - 2018 में सीएमई के लिए एक विषय अनुमोदित किया गया: "वर्तमान भारत में गैर-संक्रमणीय रोगों का उदय" और वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय था: "कैंसर में हालिया प्रगति"। यह भी निर्णय लिया गया कि संगोष्ठी वक्ताओं के रूप में चार संसाधन व्यक्तियों के साथ 2 घंटे की अवधि की होगी।
- अंतःसांस्थानिक / बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देशों में एक खंड शामिल होना चाहिए कि सीएमई कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता 70% (पहली किश्त) और 30% (द्वितीय किस्त) आधार पर जारी की जाएगी। यह सीएजी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के सुझाव के साथ सीएमई दिशानिर्देशों को संरेखित करेगा।

  भविष्य में "सीएमई कार्यक्रम के लिए नैम्स द्वारा जारी की गई निधियों के लेखांकन के लिए दिशानिर्देश" मद के अंतर्गत सीएमई दिशानिर्देश में उल्लेख किया जाएगा कि स्वीकृत राशि का 70% पहली किश्त के रूप में जारी किया जाएगा और सीएमई की अंतिम रिपोर्ट स्वीकार करने के बाद, दूसरे शेष 30% अनुदान की किश्त सीएमई व्यय के जमा किए गए खातों के अनुसार जारी की जाएगी।
- आयोजकों से अनुरोध किया जा सकता है कि वे अपने स्वयं के स्रोतों से कुछ निधि उत्पन्न करें जैसे पंजीकरण शुल्क चार्ज करना। प्रतिभागी के लिए पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। पंजीकरण शुल्क न्यूनतम टोकन राशि हो सकती है। पंजीकरण राशि का भुगतान सीएमई में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करेगा। सदस्यों ने नोट किया कि पहले के अनुभवों से ज्ञात हुआ है कि नैदानिक विशिष्टताओं में पंजीकरण शुल्क लगाना संभव है लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यह संभव नहीं हो सकता है। शैक्षणिक समिति ने सिफारिश की है कि सीएमई आयोजकों को सीएमई के सुचारु आयोजन के लिए आवश्यक धन की अतिरिक्त आवश्यकता को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए पंजीकरण शुल्क लगाने की व्यवहार्यता का पता लगाना चाहिए।

- सदस्यों को सूचित किया गया कि नैम्स को वर्ष वृत्तांत के लिए अच्छी गुणवत्ता की पांडुलिपि प्राप्त करने में समस्याएं आ रही हैं। सदस्यों ने सुझाव दिया कि नव निर्वाचित सदस्यों (एमएएमएस) और अध्येताओं (एफएएमएस) से वर्ष वृत्तांतों में प्रकाशन के लिए शोध / समीक्षा लेखों का योगदान करने के लिए पूछने का प्रयास किया जाना चाहिए। नैम्स सदस्यों को सूचित किया जा सकता है कि सदस्यता से अध्येतावृत्ति (सदस्यता के 8 साल बाद) में प्रोन्नति और नैम्स के विभिन्न पुरस्कारों के लिए उनके नामों पर विचार करते समय वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन के लिए उनके योगदान को ध्यान में रखा जाएगा।
- यह भी निर्णय लिया गया कि एनएएमएस वेबसाइट पर कम से कम पिछले 5 वर्षों के मोनोग्राफ अपलोड किए जा सकते हैं।
- शैक्षणिक परिषद ने अकादमी में और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. प्रेमा रामचंद्रन द्वारा किए गए वर्षों के महान योगदान की सराहना की और सर्वसम्मति से डॉ. प्रेमा रामचंद्रन को जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार, 2018 प्रदान करना अनुमोदित किया।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक है-कनिष्ठ स्तरों और मध्यम स्तरों पर "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान"।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नए कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित) और 5000/- रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 300/- रुपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

वर्ष 2018 तक दो सौ दो (202) चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है और नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

01.04.2017 से 31.03.2018 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. 30 जुलाई, 2017 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में आयोजित "**पेशीकंकालीय क्षय रोग**" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संचालन अधिकारी: डॉ. आलोक सी. अग्रवाल, संयुक्त आयोजन सचिव, नैम्सकॉन - 2016, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के उद्देश्य थेः

(क) इन क्षेत्रों में प्रतिभागियों को परिचित और प्रशिक्षित करना:

- सूक्ष्म जैव विज्ञान और माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के औषध विज्ञान का बुनियादी विज्ञान;
- इस समस्या का महामारी विज्ञान और परिमाण;
- ऊतक निदान प्राप्त करने में कठिनाइयाँ;
- पेशीकंकालीय क्षय रोग के प्रबंधन में नए दिशानिर्देश;
- पेशीकंकालीय क्षय रोग की जटिलताएँ;
- पेशीकंकालीय क्षय रोग का पुनर्वास और निदान।

(ख) क्षय रोग विशेषकर पेशीकंकालीय क्षय रोग की समस्या से निपटने के लिए सरकार और आरएनटीसीपी की पहलों को उजागर करना इस रोग के शीघ्र उचिक निदान और उपचार में नवीनतम अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

पर्यवेक्षक (डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी का समग्र वातावरण अच्छा और अद्‌वितीय था; प्रतिष्ठित संकाय, प्रतिभागी 150 से अधिक थे जिसमें चिकित्सक, छात्र सम्मिलित थे। सभी सत्र इंटरैक्टिव थे। सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्‌देश्यों की रूपरेखा एमएसके-टीबी (महामारी विज्ञान, लैब + निदान के अन्य पहलुओं, आरएनटीसीपी2017 दिशानिर्देश, चिकित्सा शल्य चिकित्सा और

फार्माकोलॉजिकल उपचार और और सभी संकाय द्वारा प्रश्न उत्तर सत्र) के सभी पहलुओं को कवर करना था। सीएमई ने कार्यक्रम संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया। अधिगम संसाधन सामग्री के रूप में सभी प्रतिभागियों को पेशीकंकालीय क्षय रोग पर एक पुस्तिका प्रदान की गई थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे। सीएमई कार्यक्रम में केवल शैक्षिक व्याख्यान ही शामिल नहीं थे बल्कि इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल थे। इंटरैक्टिव सत्र डेढ़ घंटे के लिए केस आधारित प्रस्तुति और 45 मिनट के लिए प्रश्न और उत्तर सत्र थे। सीएमई कार्यक्रम के दौरान पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतियां और उपयोग किए जाने वाले श्रव्य - दृश्य उपकरण उत्कृष्ट थे। शैक्षिक सामग्री ने अत्याधुनिक जानकारी प्रदान की और सभी प्रस्तुति साक्ष्य-आधारित थीं।

2. 27 अक्टूबर, 2017 को में आयोजित "**पर्यावरण एवं स्वास्थ्य**" पर सीएमई कार्यक्रम

संचालन अधिकारीः डॉ. गीता शर्मा, निदेशक प्रधानाचार्या, आयोजन निदेशक नैम्सकॉन - 2017, श्री गुरू रामदास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के उद्देश्य थेः

बड़े पैमाने पर प्रतिभागियों और जनता को इनसे परिचित कराने के लिए -

- पर्यावरण की भूमिका और स्वास्थ्य और रोग पर इसकी गड़बड़ी के प्रभाव को समझना;
- समझें कि कैसे हवा, मिट्टी, पानी की गुणवत्ता और औद्योगिक और अस्पताल के अपशिष्ट मानव और पशु स्वास्थ्य और पोषण को कैसे प्रभावित करते हैं;
- स्वास्थ्य, पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु के भारतीय परिप्रेक्ष्य को समझना और मानव स्वास्थ्य और पोषण के साथ उनका अंतरसंबंध;
- पर्यावरण और जलवायु में गड़बड़ी के कारण होने वाले रोगों के बारे में स्वास्थ्य वैज्ञानिकों में जागरूकता बढ़ाना और कैसे भारत सरकार अपने मंत्रालयों और विभिन्न अभिकरणों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से इन समस्याओं का सामना कर रहा है।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली के स्थानीय और अन्य मेडिकल कॉलेजों से जेआर, एसआर और कई संकाय सदस्यों सहित पचपन प्रतिभागियों को सीएमई के लिए पंजीकृत किया गया था। इसके अलावा, लगभग 60-80 यूजी एमबीबीएस, विभिन्न सत्रों के छात्रों ने भी भाग लिया और प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया क्योंकि परास्नातक एमबीबीएस छात्रों द्वारा प्रासंगिक और विचार-विमर्श करने वाले प्रश्न पूछने के लिए एक पुरस्कार था। सीएमई ने स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों को कवर किया और क्योंकि यह पर्यावरण, प्रदूषण, व्यवसाय, मिट्टी की स्थिति, पानी, विकिरण इत्यादि जैसे कारकों से प्रभावित होता है। यह भी चर्चा की गई कि कैसे भारत सरकार राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न अभिकरणों और मंत्रालयों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, स्वास्थ्य और पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से इन परिस्थितियों का सामना कर रहा है। आयोजन समिति द्वारा संरेखित किए गए सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम ने बड़े पैमाने पर अपने क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किए गए विभिन्न विषयों को कवर किया - सीएमई के अधिकांश निर्धारित उद्देश्यों को पूरा किया। सीएमई कार्यक्रम सावधानी से स्वास्थ्य के लगभग सभी पहलुओं को कवर करने के लिए आयोजित किया गया था क्योंकि यह मानव आवास के आसपास हवा, पानी, मिट्टी, पर्यावरण के पर्यावरणीय कारकों और मानव स्वास्थ्य, पोषण, रोगों पर इनके प्रभाव के साथ-साथ औद्योगीकरण ग्रीन हाउस गैसों, मानव आबादी में जनसांख्यिकीय परिवर्तन, और संबंधित पृथ्वी वनस्पतियों और जीवों और समुद्री पारिस्थितिकी के परिवर्तन के कारण जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होता है। प्रतिभागियों का उत्साह कार्यक्रम के दौरान देखा गया था, जिस तरह से उन्होंने प्रश्न उठाए, स्पष्टीकरण मांगा और ध्यानमग्न होकर विचार-विमर्श सुना। आयोजकों ने प्रतिभागियों को वक्ताओं की प्रस्तुतियों के सार प्रदान किए जिससे उन्हें विचार-विमर्श में शामिल होने के लिए सुनिश्चित करने सामग्री का अनुमान लग सके। सीएमई के दौरान 80 से 100 प्रतिभागी उपस्थित थे। सीएमई कार्यक्रम में केवल शैक्षिक व्याख्यान शामिल थे। जिस प्रकार से व्याख्यान दिए गए थे और स्लाइड शो प्रस्तुत किया गया था, उससे सदा प्रतिभागियों का उत्साह बना रहा जैसा कि पूछे जाने वाले उचित प्रश्नों, मांगे गए स्पष्टीकरणों और अध्यक्ष की टिप्पणियों से प्रमाणित है। वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतियां उत्कृष्ट थीं। आयोजकों द्वारा अत्याधुनिक ऑडियो-

वीडियो सुविधाएं प्रदान की गईं। प्रदान की गई जानकारी और विषय सामग्री साक्ष्य आधारित थी और जहां भी आवश्यकता थी, समर्थित साहित्य संदर्भों को उद्धृत किया गया था और सार के पाठ में शामिल किया गया था। जानकारी इतनी अद्यतित थी कि कई वक्ताओं ने लांसेट में हाल ही में प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट को संदर्भित किया- प्रदूषण और स्वास्थ्य पर लांसेट आयोग, 19 अक्टूबर, 2017 को ऑनलाइन प्रकाशित - **http://dx.doi.org/**10.1016/ **S**0140-6736 (17) 32,345-0। इस लांसेट रिपोर्ट में पर्यावरणीय प्रदूषण के स्वास्थ्य और पोषण / रोग के प्रभाव को कम करने और समाज के गरीब और हाशिए वाले स्तर और लोगों के लिए पर्यावरण प्रदूषण के हर स्तर पर लोगों के असमान संपर्क को कम करने के लिए भारत सरकार कार्यक्रमों का एक निरीक्षण था। यह दोहराया गया था कि प्रदूषण से संबंधित बीमारियों को नियंत्रित करने और प्रदूषण को रोकने के लिए डेटा संचालित रणनीतियों को विकसित करने से पृथ्वी के पर्यावरण को साफ किया जा सकता है और इस प्रकार मानव स्वास्थ्य और पोषण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

3. 6 अक्टूबर, 2017 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**दोहरे पोषण बोझ युग में पोषण स्थिति का आकलन**" पर नैम्स सीएमई कार्यक्रम

संचालन अधिकारीः डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

सीएमई का उद्देश्य प्रतिभागियों को दोहरे पोषण बोझ और विभिन्न दृष्टिकोणों के बारे में परिचित करना था।

सीएमई के उद्देश्य प्रतिभागियों को इस बारे में परिचित करना था:

- दोहरा पोषण बोझ: परिप्रेक्ष्य, निर्धारक, आयाम और स्वास्थ्य परिणाम
- दोहरे पोषण बोझ युग में इनके द्वारा पौष्टिक स्थिति का आकलन:
    - आहार का सेवन,
    - शारीरिक गतिविधि,
    - पौष्टिक स्थिति का मानव विज्ञान मूल्यांकन,
    - शारीरिक वसा और इसका वितरण।

- माप की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाएं
- उपकरण की सटीकता कैसे जांची जाए और सटीकता की जांच करने के तरीके का वीडियो प्रदर्शन:

  – ऊंचाई का मापन,

  – वजन का मापन,

  – परिधीय माप,

  – वसा गुना मोटाई का मापन,

  – बीआईए का उपयोग कर शारीरिक वसा माप।

पर्यवेक्षक (डॉ. रवींद्र मोहन पांडे, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई का समग्र वातावरण उत्कृष्ट था**;** एम्स जोधपुर के साथ कनेक्टिविटी सहित श्रव्य दृश्य व्यवस्था शानदार थी। सभी सत्र बहुत ही संवादात्मक और प्रतिभागियों के बीच उत्साह उत्पन्न करने वाले थे। सीएमई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न तर्कसंगत**,** मानववंशीय और एचबी अनुमानों को मापने के तरीकों के बारे में शिक्षित करना था। कार्यक्रम ने सीएमई कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरी तरह से पूरा किया। एलआरएम प्रतिभागियों को सीडी के रूप में प्रदान किया गया था। लगभग 150 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और पूरे कार्यक्रम में लगभग 99% उपस्थिति बनी रही। कार्यक्रम में शैक्षिक व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल थे। प्रतिभागियों को वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुतिकरण उत्कृष्ट था क्योंकि वक्ता अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ थे। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए जाने वाले श्रव्य दृश्य उपकरण उत्कृष्ट थे। शैक्षिक सामग्री**,** यानी प्रदान की जाने वाली अत्याधुनिक जानकारी अद्यतित और उत्कृष्ट थी। सीएमई बहुत अच्छी तरह आयोजित था और ऐसी संगोष्ठियाँ युवा शोधकर्ताओं**,** विशेष रूप से पीएचडी और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बेहद उपयोगी हैं।

4. 29 नवंबर, 2017 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**सूक्ष्म पोषक तत्वों के सेवन में सुधार के लिए खाद्य समृद्धीकरण**" पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

संचालन अधिकारीः डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

संगोष्ठी का उद्देश्य प्रतिभागियों को निम्न के बारे में अद्यतन करना था:

- खाद्य समृद्धीकरण के संबंध में वर्तमान वैश्विक परिदृश्य;
- खाद्य समृद्धीकरण के माध्यम से सूक्ष्म पोषक पोषण संबंधी स्थिति में सुधार के लिए भारतीय प्रयास;
- भारत में खाद्य समृद्धीकरण के लिए नियामक ढांचा;
- यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कि पोषक तत्वों का सेवन पूरी तरह से सेवन की सहनीय ऊपरी सीमा के भीतर है।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. माधवन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी स्थल दिल्ली में एक प्रसिद्ध सभागार था जिसमें सम्मेलन के संचालन के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं थीं, जिसमें एम्स, जोधपुर और अन्य चिकित्सा संस्थानों के लिए इंटरैक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा लाइव प्रसारण की सुविधा शामिल थी। प्रतिभागी गृह विज्ञान कॉलेजों के स्नातकोत्तर और जूनियर संकाय तथा एफएसएसएआई से तकनीकी और वैज्ञानिक अधिकारी थे। वैज्ञानिक कार्यक्रम सामग्री में अच्छी तरह से संरचित, व्यापक और समृद्ध थी और भारत में खाद्य समृद्धीकरण में एफएसएसएआई की हालिया पहलों को शामिल किया गया था। इसने क्षेत्र के विशेषज्ञों से सीखने और उनसे बातचीत करने के लिए प्रतिभागियों को एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। इस संगोष्ठी ने एक ऐसे विषय को संबोधित किया जिसे वर्तमान में कई पोषण पाठ्यक्रमों में पढ़ाया नहीं जा रहा है और चल रहे समृद्धीकरण के प्रयासों के व्यापक पोषण परिप्रेक्ष्य को कवर किया गया। संगोष्ठी में भाग लेने वाले सभी लोगों को बहुत उपयोगी और सूचनाप्रद एलआरएम प्रदान किया गया था। पचासी प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और एम्स जोधपुर को इंटरैक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संगोष्ठी स्ट्रीम / सीधे प्रसारित की गई थी। कार्यक्रम के दौरान कम से कम 95% प्रतिभागी उपस्थित थे। सभी व्याख्यानों के बाद एक प्रश्न और उत्तर सत्र / इंटरैक्टिव सत्र किया गया था। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया गया था। सभी संकाय लोक स्वास्थ्य और सूक्ष्म पोषक तत्व के साथ खाद्य समृद्धीकरण के क्षेत्र में विशेषज्ञ थे। उन्होंने खाद्य समृद्धीकरण पर विभिन्न मुद्दों के बारे में अत्याधुनिक सूचना / वैज्ञानिक प्रमाण

प्रस्तुत किए। सभी प्रस्तुतियां उत्कृष्ट गुणवत्ता की थीं। विशेषज्ञों ने बहुत ही उच्च गुणवत्ता वाले पावरपॉइंट्स और फोर्टिफाइड चावल की तैयारी, डब्लूएफपी के भोजन कार्यक्रम के संचालन आदि पर वीडियो का प्रयोग किया। प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि विशेषज्ञों द्वारा दी गई प्रस्तुतियां खाद्य समृद्धीकरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में बहुत जानकारीपूर्ण थीं, उदाहरणतया विभिन्न खाद्य पदार्थों के समृद्धीकरण के संबंध में वैश्विक और भारतीय स्थिति क्या है, आबादी के सूक्ष्म पोषक तत्वों की स्थिति में सुधार के लिए उपयुक्त खाद्य समृद्धीकरण बनाने के लिए भारतीय नियामक तंत्र। विशेष रूप से आयोडीन, लौह और विटामिन ए और डी पर विशेषज्ञों की प्रस्तुतियां वैश्विक और राष्ट्रीय साक्ष्यों पर आधारित थीं। इसमें भारत में और विकासशील और विकसित देशों में संचालित किए जाने वाले मेटा-विश्लेषण, व्यवस्थित समीक्षा और आरसीटी शामिल थे।

01.04.2017 से 31.03.2018 तक अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
1.	"पेशीकंकालीय क्षय रोग" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी रायपुर (छत्तीसगढ़): 30 जुलाई, 2017	2,50,000/-
2.	"पर्यावरण एवं स्वास्थ्य" पर सीएमई कार्यक्रम अमृतसर (पंजाब): 27 अक्टूबर, 2017	2,50,000/-
3.	"दोहरे पोषण बोझ युग में पोषण स्थिति का आकलन" पर सीएमई कार्यक्रम नई दिल्लीः 6 अक्टूबर, 2017	2,30,000/-
4.	"सूक्ष्म पोषक तत्वों के सेवन में सुधार के लिए खाद्य समृद्धीकरण" पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी नई दिल्लीः 29 नवंबर, 2017	2,50,000/-

प्रायोगिक परियोजना

पायलट परियोजना के प्रसार के तहत सीएमई दिन से सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं, जब पहली सीएमई का उद्घाटन विश्व स्ट्रोक दिवस पर किया गया था। इस शीर्ष (पायलट परियोजना) के तहत आयोजित सीएमई की समीक्षा के बाद 13 अप्रैल, 2018 को शैक्षणिक समिति ने इस अभ्यास को नियमित करने का निर्णय किया और इसे "नैम्स सभागार में आयोजित कौशल विकास और चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई" के रूप में नामित किया।

01-04-2017 से 31-03-2018 की अवधि के दौरान आयोजित प्रायोगिक परियोजना पर रिपोर्ट

1. 22 जुलाई, 2017 को कमला रहेजा सभागार और जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**पदार्थ प्रयोग विकारों में उदय हो रहे मुद्दे**" पर सीएमई कार्यक्रम

आयोजन अधिकारी: डॉ. राकेश चड्डा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, अध्यक्ष, राष्ट्रीय औषध व्यसन उपचार केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

सीएमई के उद्देश्य और औचित्य:

- महिलाओं और (ख) बच्चों और किशोरों के बीच पदार्थ उपयोग विकारों के आकलन और निदान पर प्रतिभागियों को एक अद्यतन प्रदान करना;
- महिलाओं और (ख) बच्चों और किशोरों के बीच पदार्थ उपयोग विकारों के नैदानिक प्रबंधन पर प्रतिभागियों को कौशल प्रदान करना;
- अवधारणाओं और व्यवहारिक व्यसनों के वर्गीकरण पर प्रतिनिधियों को एक अद्यतन प्रदान करना;
- व्यवहारिक व्यसनों के मूल्यांकन और प्रबंधन पर प्रतिनिधियों को कौशल प्रदान करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. श्रीधर शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम का स्थान एक अच्छी तरह से डिजाइन और अच्छी तरह से सुसज्जित नैम्स सभागार था। इसमें पर्याप्त और आरामदायक बैठने की व्यवस्था थी। श्रव्य दृश्य

उपकरण भी पर्याप्त थे। एनकेएन का उपयोग कर दूरस्थ कनेक्टिविटी का प्रावधान था। इसका उपयोग टेलीमेडिसिन सुविधा, एनडीडीटीसी, एम्स-जोधपुर और एम्स-भुवनेश्वर से जुड़ने के लिए किया गया था। सीएमई ने प्रतिभागियों से एक बड़ी प्रतिक्रिया आकर्षित की। वहाँ 150 से अधिक प्रतिभागी थे। इसके अलावा 20 से अधिक प्रतिभागी एनकेएन कनेक्टिविटी का उपयोग करके दूरस्थ रूप से जुड़े थे। पूरे सीएमई के दौरान अच्छी उपस्थिति रही। सीएमई के सत्रों ने समकालीन प्रासंगिकता और महत्व के विभिन्न विषयों को शामिल किया। प्रस्तुतकर्ताओं ने श्रव्य दृश्य उपकरणों का अच्छा उपयोग किया और सत्र इंटरैक्टिव थे। प्रतिभागियों ने प्रत्येक सत्र के अंत में जीवंत चर्चा में सक्रिय रूप से योगदान दिया। दूरस्थ रूप से जुड़े प्रतिभागियों ने भी चर्चाओं में भाग लिया। सीएमई के उद्देश्य पूर्ण किए गए। सभी प्रतिभागियों को सुलिखित अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) प्रदान की गई थी। पंजीकृत प्रतिभागियों की संख्या 152 और 67 दूरस्थ रूप से जुड़े स्थल थे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 से अधिक प्रतिभागी आम तौर पर उपस्थित रहते थे। कार्यक्रम में शैक्षिक व्याख्यान, इंटरैक्टिव प्रस्तुतियां, प्रश्न-उत्तर सत्र, पैनल चर्चा का मिश्रण शामिल था। सभी सत्र इंटरैक्टिव थे। प्रतिभागियों ने इन सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। एक पैनल चर्चा भी थी। सीएमई के विषय में व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं थी। हालांकि, सभी सत्रों में प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सम्मिलित थी। पाठ्यक्रम संकाय की प्रस्तुति उच्च गुणवत्ता की थी। उन्होंने सभी विषयों को व्यापक रूप से कवर किया। संकाय ने श्रव्य दृश्य उपकरणों का अच्छा उपयोग किया, इनमें पावरपॉइंट, श्रव्य प्रणाली, एनकेएन का उपयोग कर दूरस्थ कनेक्टिविटी शामिल थी। सीएमई शैक्षिक रूप से समृद्ध थी। सभी प्रस्तुतियां साक्ष्य आधारित, अच्छी तरह से तैयार, अत्यधिक प्रासंगिक और व्यापक थीं। सीएमई में सम्मिलित विषयों पर प्रदान की गई जानकारी अद्यतन साक्ष्यों पर आधारित थी।

2. 24 अगस्त, 2017 को कमला रहेजा सभागार और जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**पेशीकंकालीय रीढ़ की हड्डी दर्द प्रबंधन पर हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान कार्यशाला**" पर सीएमई कार्यक्रम

आयोजन अधिकारी: डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

सीएमई के उद्देश्य और औचित्य:

हस्तक्षेपी विकिरण विज्ञान तकनीक न्यूनतम इनवेसिव हस्तक्षेप विकिरण विज्ञान जीवन रक्षक प्रक्रियाएं हैं। ये प्रक्रियाएं पारंपरिक इनवेसिव उपचार के लिए व्यावहारिक विकल्प हैं और बाह्य रोगी व्यवस्था में और जीवन की रक्षा या उपशामक या मानक उपचार विधि के रूप में भी की जा सकती हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्य थे:

- चिकित्सा स्नातकों, स्नातकोत्तरों और अभ्यासरत विकिरण वैज्ञानिकों को हस्तक्षेप विकिरण विज्ञान प्रक्रियाओं के बारे में हालिया प्रगति पर व्याख्यान के माध्यम से जानकारी प्रदान करना।
- प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण के कई सत्रों में तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित करना
- अन्य अस्पतालों, विशेष रूप से एम्स दिल्ली, ऋषिकेश, जोधपुर, भुवनेश्वर, पटना और पीजीआई चंडीगढ़ इत्यादि के विकिरण वैज्ञानिकों के साथ प्रशिक्षण और जानकारी साझा करने के लिए एनकेएन / टेलीमेडिसिन सुविधा का उपयोग करना
- पैरामेडिकल कर्मचारियों का प्रशिक्षण: इस उद्देश्य के साथ कार्यक्रम में एक कार्यशाला शामिल की गई है।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई के उद्देश्य पूर्ण किए गए। सीडी के रूप में सभी प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) प्रदान की गई थी। 145 व्यक्ति पंजीकृत थे और कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी उपस्थित थे। शिक्षाप्रद व्याख्यानों के एक भाग के रूप में इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। पाठ्यक्रम संकाय सदस्य अपने- अपने विषयों के विशेषज्ञ थे। जानकारी साक्ष्य आधारित थी और सीएमई कार्यक्रम के दौरान अच्छी गुणवत्ता के श्रव्य दृश्य उपकरणों का प्रयोग किया गया था। सीएमई और प्रायोगिक कार्यशाला सत्र के समग्र आयोजन की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की थी और भविष्य में ऐसी और अधिक सीएमई की इच्छा व्यक्त की।

3. 19 दिसंबर, 2017 को कमला रहेजा सभागार और जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**मनोभ्रंशः स्मृति लोप एवं परे**" पर सीएमई कार्यक्रम

आयोजन अधिकारी: डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, आचार्य, तंत्रिका निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

सीएमई के उद्देश्य और औचित्य:

इस गतिविधि को पूरा करने के बाद प्रतिभागी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

- मनोभ्रंश में नैदानिक, व्यावहारिक और चिकित्सीय रणनीतियों से संबंधित अनुसंधान प्रगति की पहचान करना
- अल्जाइमर रोग, पार्किन्सन संबंधी विकार, ललाट-अस्थायी मनोभ्रंश, सफेद पदार्थ रोगों, ऑटोइम्यून मनोभ्रंश आदि सहित मनोभ्रंश सिंड्रोम के लिए अनुसंधान प्रगतियों पर चर्चा करना
- मनोभ्रंश में बायोमार्कर माप के लिए वर्तमान रणनीतियों और इन मापों के लिए संभावित सीमाओं की पहचान करना
- आक्रोश, अवसाद, चिंता, नींद में व्यवधान, दिवास्वपन और चाल / असंतुलन सहित मनोभ्रंश से संबंधित रोगसूचकों के लिए उपचार रणनीतियों पर चर्चा करना
- एमआरआई, एफडीजी-पीईटी और एमिलॉयड इमेजिंग सहित मनोभ्रंश में विभिन्न इमेजिंग प्रकारों के पक्ष-विपक्ष और संबंधित लागतों की तुलना करना
- खेल के दौरान लगी सिर की चोटों और संघट्टन स्क्रीनिंग के प्रभावों पर चर्चा करना जिनका उपयोग आयोजित खेलों की व्यवस्था में किया जा सकता है।
- ट्रांसक्रैनियल उत्तेजना, गहन मस्तिष्क उत्तेजना और संभावित रोकथाम रणनीतियों पर अनुसंधान का सारांशीकरण करना

पर्यवेक्षक (डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई उत्कृष्ट थी। जोधपुर, भुवनेश्वर, भोपाल और ऋषिकेश के एम्स को टेली - सीएमई सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। सीएमई के उद्देश्य पूर्ण किए गए। सभी व्याख्यान सीडी के रूप में उपलब्ध थे और इन्हें संबंधित चिकित्सा महाविद्यालयों और वेबसाइट

और यूट्यूब पर भी वितरित करने की योजना थी। दिल्ली में पंजीकृत प्रतिभागी 20 थे लेकिन दूरस्थ स्थलों पर प्रतिभागी लगभग 60 थे। सभी प्रतिभागियों ने शैक्षणिक सत्रों में भाग लिया। सीएमई इंटरैक्टिव थी और प्रत्येक व्याख्यान के बाद और सभी व्याख्यानों के बाद एक चर्चा हुई। प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया गया था। पाठ्यक्रम संकाय की प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। कार्यक्रम के दौरान उपयोग की जाने वाली श्रव्य दृश्य उपकरण उत्कृष्ट गुणवत्ता के थे। प्रदान की गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी। कुल मिलाकर सीएमई उत्कृष्ट थी।

क्रमांक	विषय	दिनांक	व्यय की गई राशि
1.	पदार्थ प्रयोग विकारों में उदय हो रहे मुद्दों पर डॉ. राकेश चड्डा द्वारा आयोजित सीएमई	22 जुलाई, 2017	रु.1,49,400/-
2.	पेशीकंकालीय रीढ़ की हड्डी दर्द प्रबंधन पर डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव द्वारा आयोजित हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान कार्यशाला	24 अगस्त, 2017	रु.22,200/-
3.	मनोभ्रंशः स्मृति लोप एवं परे पर डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव द्वारा आयोजित सीएमई	19 दिसंबर, 2017	रु.57,423/-

"मनोभ्रंश: स्मृति लोप और परे" पर सीएमई कार्यक्रम पहली टेली सीएमई थी जो 19 दिसंबर, 2017 को आयोजित की गई थी। एम्स - भुवनेश्वर, एम्स - जोधपुर, एम्स - भोपाल, एम्स - ऋषिकेश कार्यक्रम के दौरान जुड़े थे। सीएमई में भाग लेने वाले सभागार में उपस्थित प्रतिभागियों और एम्स, दिल्ली सहित सभी केन्द्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और भागीदारी का प्रमाण पत्र दिया गया। सभी साइटों पर बिना किसी अवरोध के इस टेली-सीएमई के लाइव प्रबंधन के लिए डॉ. पद्मा ने श्री रवि के प्रयासों की सराहना की।

अनुबंध-VI

एनएएमएस अध्याय

उत्तरी क्षेत्र

जम्मू और कश्मीर	डॉ. आर. मदान पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग जम्मू एवं कश्मीर सरकार	निदेशक, मदान अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 37 ए/सी, गांधी नगर, जम्मू - 180004
चंडीगढ़ हिमाचल प्रदेश	डॉ. योगेश चावला निदेशक, पीजीआईएमईआर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012	निदेशक, पीजीआईएमईआर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012
दिल्ली	डॉ. जे. एन. पांडे पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, अ.भा.आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029	वरिष्ठ परामर्शदाता (कायचिकित्सा), सीताराम भारतीया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बी-16, महरौली संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली - 110016
हरियाणा	एयर मार्शल डॉ. एम. एस. बोपाराय पूर्व निदेशक, एएफएमसी, पुणे, और पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा, नई दिल्ली	915, डिफेंस कालोनी, सेक्टर - 17बी, गुड़गांव - 122001
पंजाब	डॉ. एच. एस. संधू पूर्व प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, अमृतसर	मकान सं. 883, सर्कुलर रोड, नर्स होस्टल के सामने अमृतसर - 143001

उत्तर प्रदेश	डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्या एवं संकायाध्यक्ष, काय चिकित्सा संकाय एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विज्ञान विभाग किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश।	122, फैजाबाद रोड, इंदिरा पुल के पास, लखनऊ - 226007, उत्तर प्रदेश।
मध्य क्षेत्र		
राजस्थान	डॉ. संजीव मिश्रा निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर।
मध्य प्रदेश	डॉ. जी. पी. पाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शरीर रचना विभाग मार्डर्न दंत कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, गांधी नगर, हवाई अड्डा मार्ग, इंदौर - 453112	74, पद्मावती कॉलोनी, सेंट पॉल विद्यालय के पीछे, इंदौर - 452001 (मध्य प्रदेश)।
पश्चिम क्षेत्र		
महाराष्ट्र	डॉ. एस. एस. देशमुख पूर्व कुलपति, बंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई	समर्थ कृपा, राम मंदिर मार्ग, विले-पार्ले (ईस्ट), मुम्बई - 400057
गुजरात	डॉ. हरिभाई एल. पटेल	50/322, सरस्वती नगर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद - 380015
दक्षिण क्षेत्र		
तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेस्वरन निदेशक, मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, चेन्नई	मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, 1 क्रॉस स्ट्रीट, ऑफ मुख्य मार्ग, राजा अन्नामलाईपुरम चेन्नई - 600028

केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार	8-ए, हीरा गेट अपार्टमेंट डीपीआई जंक्शन, जगथी तिरुवनंतपुरम - 695014
आंध्र प्रदेश	डॉ. अल्लादि मोहन अध्यक्ष, पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एवं निद्रा मेडिसिन प्रभाग, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, श्री वेंकेटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति - 517507।	19-12-501 (ऊपर) बैरागीपट्टेड़ा तिरुपति - 517501।
कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद संकायाध्यक्ष, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बंगलौर	सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बीडीए कॉम्पलैक्स कोरामंगला, बंगलौर-560034

पूर्व क्षेत्र

पश्चिम बंगाल	डॉ. डी. बक्सी पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोगविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कोलकाता	डीए-3, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता - 700064
उड़ीसा	डॉ. सुरेश्वर मोहंती तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आचार्य एवं प्रधानाचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, सेक्टर-8 कलिंग नगर, भुवनेश्वर	206 डुप्लेक्स, मनोरमा एस्टेट, रसूलगढ़, भुवनेश्वर - 751010

बिहार	डॉ. एस. पी. श्रीवास्तव पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बालचिकित्सा विभाग, पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, पटना	एस-104, उदयगिरी भवन, बुद्ध मार्ग, पटना - 800001, बिहार
झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे	आरजेएसआईओआर, रामेश्वरम, बरियातु रोड, रांची - 834009, झारखंड
असम	डॉ. देबी चरण चौधरी	बेजबरुआ रोड, सिलपुखेरी, गुवाहाटी - 781003
मेघालय अरूणाचल प्रदेश	डॉ. डी. एम. थापा निदेशक इंदिरा गाँधी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय	निदेशक इंदिरा गाँधी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा 2017-18 में दिए गए व्याख्यान/ सारांश की रिपोर्ट

1. **डॉ. टी. डी. चुग, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 27 अक्टूबर, 2017 को श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान संस्थान, अमृतसर में आयोजित 57वें एनएएमएस वार्षिक सम्मेलन में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण और चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन

अस्पताल में अधिग्रहित संक्रमण के इतिहास और बोझ पर चर्चा की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका में अस्पताल में अधिग्रहित संक्रमण के 400,000 से अधिक मामले और 80,000 मौतें हर साल होती हैं। भारत में बोझ लगभग 5 गुना अधिक है। सीमित संसाधन देशों में उपकरणों से जुड़े संक्रमण बहुत अधिक हैं (सीए-यूटीआई: 3 गुना, सीए-बीएसआई: 5 गुना और वीएपी: 13 गुना)। मुख्य कारण स्वच्छता अनुशासन की कमी, सीमित संसाधन और खराब संस्थागत समर्थन है। एचसीडब्ल्यू (तपेदिक, रक्त से उत्पन्न विषाणु) में अस्पताल में अधिग्रहित संक्रमण का जोखिम और एचसीडब्ल्यू से रोगियों तक संचरण उच्च और उपेक्षित है। जैवचिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन (संग्रह, पृथक्करण, प्रसंस्करण, उपचार, लेबलिंग और निपटान) अनिवार्य है। राष्ट्रीय विनियमों द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल पर चर्चा की गई।

ख) 26 अगस्त, 2017 को पीजीआईएमएस, रोहतक में आयोजित प्रतिरक्षा निदान और उनके गुणवत्ता नियंत्रण में हालिया प्रगति

इम्युनोएस्से के सिद्धांत, नए दृष्टिकोण (नैनो-कण, पार्श्व प्रवाह इम्युनोएस्से i, सूक्ष्म तरल पदार्थ प्रौद्योगिकियों, लैब-ऑन-ए-चिप प्रौद्योगिकी, प्वाइंट-ऑफ-केयर परीक्षण और स्मार्ट फोन से जोड़ने) पर चर्चा की गई। संक्रामक बीमारियों (सेप्सिस, वीएपी, बीएसआई, बायोमार्कर-निर्देशित थेरेपी और एंटीबायोटिक स्टेवार्डशिप कार्यक्रम) की प्रतिरक्षा - निदान में हालिया प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। कैंसर बायोमार्कर्स (पीएसए, सीईए, एएफपी, बीआरसीए और ईजीएफ रिसेप्टर्स) और ऑटोम्यून्यून रोग (टीएनएफ अल्फा, आरएफ, एमएमपी 2, 9) संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत किए गए थे। गुणवत्ता नियंत्रण और रासायनिक

निर्णय लेने में आश्वासन, प्रदर्शन विशेषताओं और प्रयोगशाला रिपोर्ट की गुणवत्ता और दक्षता परीक्षण कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। भारत की गुणवत्ता परिषद और राष्ट्रीय जैव विज्ञान संस्थान की भूमिका और गुणवत्ता परिषद और रोगी सुरक्षा के लिए केंद्र और गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए मान्यताप्राप्त संस्थानों की आवश्यकता प्रस्तुत की गई।

ग) 5 सितंबर, 2017 को भारतीय बाल चिकित्सा संघ की दिल्ली शाखा, नई दिल्ली में आयोजित इन्फ्लूएंजा का महामारी विज्ञान

वैश्विक इन्फ्लूएंजा महामारी का इतिहास और भारत में वर्तमान स्थिति प्रस्तुत की गई। इन्फ्लूएंजा के जीवविज्ञान, विषाणु, प्रतिरक्षा, टीकों और दवा प्रतिरोध की स्थिति पर पर चर्चा की गई। भंडारों और पुनरुत्थान की तरंगों के रूप में जानवरों और पक्षियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। चिकित्सा देखभाल कर्मचारियों के टीकाकरण की आवश्यकता महत्वपूर्ण है।

घ) 14 अक्टूबर, 2017 को राजस्थान राज्य सम्मेलन, जोधपुर में आयोजित भारत में उभरते और पुन: उभरते परजीवी संक्रमण: निदान में चुनौती

1400 मानव रोगजनकों में से 25% परजीवी हैं, 87 की खोज 1980 से हुई है और कम से कम 60% ज़ूनोटिक हैं। पशु और पक्षी संचरण और यहां तक कि महामारी के लिए नए रूपों और भंडारों के उद्भव के लिए अनुवांशिक पुनःमिश्रण और पुनर्मूल्यांकन के लिए "मिश्रण कटोरे" के रूप में कार्य करते हैं। परजीवी संक्रमण "भोजन और पानी से उत्पन्न", "ज़ूनोटिक" और प्रत्याधान से जुड़े होते हैं। मलेरिया भारत में एक बड़ी चुनौती है और उच्च संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ त्वरित देखभाल नैदानिक परीक्षण की आवश्यकता है।

भारत में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण उन्मूलन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था। राष्ट्रीय परजीवी जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम ऐसी कई बीमारियों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रीय महत्व के अन्य परजीवी रोगों (लीशमैनियासिस, इचिनोक्कोसिस, सिस्टिकिकोसिस, क्रिप्टोस्पोरोडियोसिस इत्यादि) पर विस्तार से चर्चा की गई।

2. **डॉ. श्रीधर शर्मा, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 19 अप्रैल, 2017 को गतिशील मनोचिकित्सा के विश्व संघ की 18वीं विश्व कांग्रेस, फ्लोरेंस में रचनात्मक प्रसंस्करण मनोचिकित्सा

मनुष्यों ने हमेशा अपने संसाधनों, लचीलापन और मूल्यों पर आहरित होकर अपनी समस्याओं और जीवन की विपत्तियों का सामना किया है। रचनात्मकता को रचनात्मकता डोमेन के भीतर व्यक्तिगत विशेषता माना जाता है, प्रेरणा रचनात्मक विचारों के वास्तविककरण को सक्रिय करने के लिए प्रेरित करने की अवस्था है। वास्तविक रचनात्मकता इस बात के कारण हर इंसान की एक अनिवार्य गुणवत्ता है, हर व्यक्ति अपने भीतर कुछ रखता है जो उसके जीवन को अर्थ प्रदान कर सकता है। रचनात्मकता कुछ मौलिक ऊंचाई और दृढ़ संकल्पों की खोज करके विशिष्ट विचारों पर सवाल उठाकर कभी-कभी सीमित तरीके से हमारे आदत के तरीकों को अनियंत्रित करने की इच्छा और क्षमता की मांग करती है। इसमें जीवन और मानव मानसिकता के अर्थ के संबंध में किसी के महत्वपूर्ण विश्वास के तहत बहुत ही पूर्वनिर्धारितता की एक बहुत अधिक मौलिक पूछताछ शामिल है।

गतिशील मनोचिकित्सा जीवन के अर्थ को अनियमित करने में मदद करता है और जीवन में ऐसी चुनौतियों को पूरा करने के लिए तंत्र को समझकर दूसरों के बीच कार्य को लेता है। एक तकनीक के रूप में मनोचिकित्सा ज्ञान को व्यवस्थित करने और नकारात्मकता से दूरी तक पहुंचने की संभावना से संबंधित अंतर्दृष्टि प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है। गतिशील मनोचिकित्सा यह पता लगाती है कि कैसे आशावाद स्वास्थ्य, खुशी और रचनात्मकता का कारण बन सकता है। हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं (विवियाना, कैपुरसो एट अल, 2014) और लाज़र एस एट अल, (2005) द्वारा रचनात्मक सोच पर सचेतन ध्यान का प्रभाव खोजा गया है। उन्होंने दिखाया है कि सचेतन से रचनात्मकता में सुधार होता है और मस्तिष्क कार्य को बढ़ाता है। सचेतन चिंता, तनाव और अवसाद के लिए भी विरोधी है। यह रक्तचाप को कम करके हृदय और परिसंचरण स्वास्थ्य में भी सुधार करता है। रचनात्मकता हमारी व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक सीमाओं के भीतर होती है, जबकि राय अलग-अलग हो सकती है कि

रचनात्मकता सिखाई जा सकती है या नहीं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सचेतन ध्यान से किया जा सकता है और इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

संदर्भ:

1. विवानो कैपुरसो, फ्रैंको फेब्रो और क्रिश्चियन क्रेशेंटिनी (2014) सचेतन रचनात्मकता: रचनात्मक सोच पर सचेतन ध्यान का प्रभाव। मनोविज्ञान फ्रंटियर खंड 4 लेख 1020/1।

2. लाज़र, एस, केर, सी, वासरमैन, आर, ग्रे, जे, ग्रेव, डी, ट्रेडवे, एम, मैकगार्वे, एम। क्विन, बी, डुसेक, जे, बेन्सन, जे , रॉच, एस, मूर, सी और फिशल, बी (2005), 'ध्यान अनुभव बढ़ी हुई कॉर्टिकल मोटाई से संबंधित है' न्यूरो रिपोर्ट, 16, पीपी 189 3-7।

(ख) 7 मई, 2017 को व्यक्ति केंद्रित चिकित्सा पर पूर्व-सम्मेलन कार्य बैठक, जिनेवा में आयोजित प्राकृतिक आपदा से संबंधित मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए व्यक्ति केंद्रित प्रतिक्रियाएं

सभी आपदाएं लोगों को चोट पहुंचाती हैं। वे मारती हैं, घायल करती हैं, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आघात का कारण बनती हैं। भूगोल और स्थलाकृति के कारण, भारत ने बड़े पैमाने पर अकाल, चक्रवात और भूकंप जैसी गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। उपलब्ध आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि प्रति वर्ष न केवल आपदाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन प्रभावित और मारे गए लोगों की संख्या भी बढ़ रही है।

मुकाबला और लचीलापन उन शोधकर्ताओं के प्रमुख विषयों में से एक रहा है जिन्होंने आपदा प्रभावित समुदायों का अध्ययन किया है। नुकसान से निपटने और पुनर्प्राप्त करने की क्षमता पूर्व आपदा, अंतर् आपदा और पश्च आपदा अवधि में कई कारकों द्वारा निर्धारित की जाती है। व्यक्तिगत शक्ति, धार्मिक विश्वास और आस्था और बाहरी / सामुदायिक समर्थन एक गंभीर आपदा का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान अध्ययन में 1984 भोपाल गैस त्रासदी, 2004 में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में हिंद महासागर सुनामी और 2015 नेपाल भूकंप से बचने के लिए हमने बचे हुए लोगों द्वारा अपनाई

गई रणनीतियों की जांच करने और आपदा से निपटने के लिए निर्धारित रणनीतियों की जांच की।

मुख्य शब्द: प्राकृतिक आपदा, व्यक्ति केंद्रित प्रतिक्रिया

संदर्भ: मेज़िच जेई (2007) व्यक्ति के लिए मनोचिकित्सा, दवा के विज्ञान और मानवता को व्यक्त करना, विश्व मनोचिकित्सा 6.1.3।

ग) 8 मई, 2017 को व्यक्ति केंद्रित चिकित्सा पर 10 वीं जिनेवा सम्मेलन में एक चिकित्सक का बनना: व्यक्ति केंद्रित दृष्टिकोण

वर्तमान में बदल रहे स्वास्थ्य देखभाल पर्यावरण के कारण मेरी बात "एक चिकित्सक का बनना" का विषय आज महत्वपूर्ण है, जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उच्च लागत, लोगों की बढ़ती उम्मीद और वैश्वीकरण प्रक्रिया से उभरते अन्य शक्तिशाली बाजार बलों में वृद्धि से चिकित्सा अभ्यास तेजी से प्रभावित हो रहा है, जिन्होंने चिकित्सा अभ्यास को चौराहे पर ला खड़ा किया है।

चिकित्सा का सार चिकित्सक और रोगी के बीच चिकित्सकीय संबंध और हमारे रोगियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण में निहित है।

यह कुल मिलाकर व्यक्ति है कि हम स्वास्थ्य और रोग दोनों में रुचि रखते हैं। वास्तविकता में, किसी व्यक्ति की पीड़ा की राहत और उपचार को पेशे के जुड़वां दायित्वों और रोगियों के उपचार के लिए सही समर्पण के रूप में देखी जानी चाहिए। रोग का इलाज हमारे वैज्ञानिक ज्ञान और विज्ञान के विकास से प्रभावित होता है, जबकि पीड़ा की राहत रोगी को हमारी करुणा और रोगियों की पीड़ा और भावनाओं को साझा करने के द्वारा निर्देशित होती है। एक पुरानी कहावत है, "जो एक अच्छा इंसान नहीं है, वह एक अच्छा चिकित्सक नहीं बन सकता", बीगांस्की डब्ल्यू (1908) "कोई व्यक्ति आदमी को समझे बिना रोगी की मदद नहीं कर सकता" "एलेकसैंड्रोविक्ज जे (1985)।

घ) 22 मई, 2017 को सैन डिएगो में अमेरिकन मनोचिकित्सक संघ की वार्षिक बैठक में इस्लामोफोबिया, सामाजिक, धार्मिक, मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

इस्लामोफोबिया की समस्या धार्मिक और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य दोनों से देखी जा सकती है। ध्यान देने योग्य दो महत्वपूर्ण तत्व हैं (ए) 'प्रतीक' की भूमिका और (बी) धर्म से जुड़ी 'शक्ति'।

लोगों को अपनी पोशाक, भाषा और धर्म के बारे में पसंद की आजादी है, लेकिन जब महिला पोशाक के लिए "बुर्किनी" की पसंद एक धर्म का प्रतीक बन जाती है, तो यह प्रबल भावनाओं को उजागर करता है जैसा हाल ही में कुछ यूरोपीय देशों में देखा गया। इसी तरह जब इस्लामिक राज्य ईरान और सीरिया (आईएसआईएस) धर्म और शक्ति का प्रतीक बन जाते हैं - यह एक और समस्या बन जाता है और नकारात्मक भावना पैदा कर सकता है।

सीखने का उद्देश्य प्रतिभागियों को इस्लामोबोबिया के कारण के लिए 'प्रतीक' और 'शक्ति' और उनकी गतिशीलता की भूमिका की पहचान करने में सक्षम करना होगा। इन मुद्दों को हल करने के लिए, धर्म के सही रूप को प्रसारित करने और सकारात्मक धार्मिक मूल्यों को प्रसारित करने की आवश्यकता है जो संयम या सहिष्णुता, दया हैं जो अन्य धर्मों की स्वीकृति का प्रचार करते हैं।

एनएएमएस वेबसाइट और एनकेएन कनेक्टिविटी

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की गतिविधियों के बारे में सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें नियम और विनियम, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित लेखा विवरण, कर्मचारी डाटा, अधिगम संसाधन सामग्री, वर्ष वृत्तांत, सीएमई मोनोग्राफ, सीएमई हेतु दिशानिर्देश शामिल हैं। इस पर विगत वर्षों के दीक्षांत समारोह, अभिभाषण और वार्षिक रिपोर्ट भी पढ़ी और डाउनलोड की जा सकती हैं। इस पर आगामी अकादमिक गतिविधियों का ब्यौरा जैसे कि सीएमई कार्यक्रम और कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि भी दर्शाए गए हैं।

डिजिटलकरण प्राप्त करने के लिए, नैम्स ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली शुरू की थी और वर्ष वृत्तांत के लेखों को ऑनलाइन जमा करना भी शुरू किया था। हमने अपना यूट्यूब चैनल (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी भारत) भी शुरू किया है जो हमारे द्वारा आयोजित सीएमई के व्यापक परिसंचरण के लिए निःशुल्क है। एनकेएन कनेक्टिविटी की सहायता से, हम एम्स, जोधपुर, ऋषिकेश, भोपाल, पटना, भुवनेश्वर इत्यादि जैसे अन्य शैक्षिक संस्थानों से जुड़ते हैं ताकि हमारे शिक्षण कार्यक्रमों में प्रारंभिक उपस्थिति बढ़ाई जा सके। यह न केवल हमारी सरकार के लक्ष्यों का विस्तार करता है अपितु वित्तीय व्यय को भी कम करता है।

"मनोभ्रंश: स्मृति लोप और परे" पर सीएमई कार्यक्रम पहली टेली सीएमई थी जो 19 दिसंबर, 2017 को आयोजित की गई थी। एम्स - भुवनेश्वर, एम्स - जोधपुर, एम्स - भोपाल, एम्स - ऋषिकेश कार्यक्रम के दौरान जुड़े थे।

वित्तीय रिपोर्ट

सरकारी अनुदान

योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 'योजना' के तहत स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके विरुद्ध गत 3 वर्षों (2015-16 से 2017-18) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित)
2015-16	100.00	65.41	72.23
2016-17	110.00	83.97	101.88
2017-18	180.00	170.00	160.22

'योजना' के अंतर्गत वर्ष 2014-15 और 2016-17 के दौरान व्यय का आधिक्य पूर्व वर्षों में व्यय नहीं किए गए अनुदान से पूरा किया गया था।

गैर-योजना

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और 'गैर-योजना' के तहत गत 2 वर्षों (2015-16 से 2016-17) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय	अभ्युक्तियां
2015-16	55.00	53.00	66.70	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।
2016-17	55.00	55.00	66.54	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(वर्ष 2017-18 से मंत्रालय ने सहायता अनुदान योजना और गैर-योजना व्यवस्था में न करके नैम्स के नाम पर प्रदान किया)।

वित्त

वर्ष 2017-18 के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 48,65,000/- रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 34,10,578/- रुपए की राशि सावधि जमा पर ब्याज के कारण प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2017-18 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद ने 25 सितम्बर, 2018 को आयोजित अपनी बैठक में लेखा विवरण भी अनुमोदित किया है। अब इनको आम सभा द्वारा अपनाए जाने के लिए सिफारिश की जाती है।

लेखा

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा वित्तीय विवरणों

की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्ता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

i. तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति कार्यकरण

ii. आय-व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

विषय का महत्व

अपनी राय को योग्य ठहराए बिना, हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैः

- अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और बहियों से उसका समंजन लंबित है।
- सावधि जमा राशि की परिपक्वता पर ब्याज जमाखाते हुआ।

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

हस्ताक्षर
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संचित/पूंजी निधि	1	5,50,64,097.74	4,81,76,859.64
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	2	6,26,519.58	6,26,519.58
पूंजी परिसंपत्ति निधि	3	1,79,33,074.97	1,96,00,329.25
निर्धारित/धर्मादा निधि (सरकारी)	4	-8,57,832.00	-19,18,668.00
निर्धारित/धर्मादा निधि (गैर-सरकारी)	5	78,35,535.48	74,57,369.48
चालू देयताएं और प्रावधान	6	25,000.00	98,017.00
जोड़		**8,06,26,395.77**	**7,40,40,416.95**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	7	1,79,33,074.97	1,96,00,329.25
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम	8	6,26,93,320.80	5,44,40,087.700
जोड़		**8,06,26,395.77**	**7,40,40,40,416.95**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा (समेकित)

(राशि रुपए)

आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
<u>अनुसंधान कार्य</u>		
अनुदान	1,70,00,000.00	83,97,000.00
अर्जित ब्याज	82,720.00	54,909.00
<u>अकादमी</u>		
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	2,78,867.00	4,29,210.00
अनुदान	-	55,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	8,07,000.00	7,63,000.00
अर्जित ब्याज	34,10,577.81	45,30,971.00
अन्य आय	53,292.00	2,100.00
जोड़ (क)	**2,16,32,456.81**	**1,96,77,190.00**
व्यय		
<u>अनुसंधान कार्य</u>		
स्थापना व्यय	79,01,913.00	35,98,406.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	34,83,474.00	40,94,756.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	33,64,688.00	15,82,741.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	6,92,598.00	3,01,851.00
पूंजीगत व्यय	5,79,211.00	6,101,127.00
<u>अकादमी</u>		
स्थापना व्यय	6,91,969.00	27,94,381.50
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	18,35,519.71	38,59,348.00
जोड़ (ख)	**1,85,49,372.71**	**1,68,41,610.50**
कुल जोड़ (क - ख)	**30,83,084.10**	**28,35,579.50**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25 सितम्बर, 2018

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए
अनुसंधान कार्य के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय			
अनुदान	4	1,70,00,000.00	83,97,000.00
शुल्क/ अभिदान		-	-
अर्जित ब्याज	4	82,720.00	54,909.00
अन्य आय		-	-
जोड़ (क)		**1,70,82,720.00**	**84,51,909.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	4	79,01,913.00	35,98,406.00
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	4	34,83,474.00	40,94,756.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	4	33,64,688.00	15,82,741.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	4	6,92,598.00	3,01,851.00
पूंजीगत व्यय	4	5,79,211.00	6,10,127.00
जोड़ (ख)		**1,60,21,884.00**	**1,01,87,881.00**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		10,60,836.00	(17,35,972.00)
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसूची 4 के अनुसार ब्यौरा		**10,60,836.00**	**(17,35,972.00)**

ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह./-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह./-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए अकादमी के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	9	2,78,867.00	4,29,210.00
अनुदान	10	-	55,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	11	8,07,000.00	7,63,000.00
अर्जित ब्याज	12	34,10,577.81	45,30,971.00
अन्य आय	13	53,292.00	2,100.00
जोड़ (क)		**45,49,736.81**	**1,12,25,281.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	14	6,91,969.00	27,94,381.50
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	15	18,35,519.71	38,59,348.00
अनुदानों, आर्थिक सहायता पर व्यय	16	--	--
जोड़ (ख)		**25,27,488.71**	**66,53,729.50**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		20,22,248.10	45,71,551.50
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अधिशेष/(कमी)) का शेष संचित/पूंजी निधि को अग्रेनीत		**20,22,248.10**	**45,71,551.50**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1 - संचित/पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	4,81,76,849.64		3,90,74,298.14	
जोड़ेः प्रवेश शुल्क	48,65,000.00		45,58,000.00	
जोड़े संचित/पूंजी निधि को अंशदान	--		--	
घटाएंः पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण	--		--	
जोड़े/(घटाएं): आय और व्यय का लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	20,22,248.10	5,50,64,097.74	45,71,551.50	4,81,76,849.64
वर्ष के अंत में शेष		**5,50,64,097.74**		**4,81,76,849.64**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 - प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1.	**पूंजी प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2.	**पूनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3.	**विशेष प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4.	**सामान्य प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
5.	**उपस्कर निधि और इमारत निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि	--		--	
	घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि	--		--	

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
को अंतरण				
6. इमारत निधि (अनुरक्षण)				
पिछले लेखे के अनुसार	6,26,519.58		6,26,519.58	
वर्ष के दौरान वृद्धि				
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		6,26,519.58		6,26,519.58
जोड़		**6,26,519.58**		**6,26,519.58**

ह0/- (डॉ मुकुंद एस. जोशी) **अध्यक्ष**

ह0/- (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव) **मानद सचिव**

ह0/- (डॉ मीरा रजानी) **कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - पूंजी परिसंपत्ति निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
निधि का अथशेष	1,96,00,329.25		1,93,94,647.25	
		1,96,00,329.25		1,93,94,647.25
जोड़ें: सीएमई कार्यक्रम अनुदान के अधीन पूंजी परिसंपत्तियां	5,79,211.00		6,10,127.00	
जोड़े: पूंजी परिसंपत्तियां अन्य अनुदान		5,79,211.00		6,10,127.00
घटाएं: रद्दी की गई/ चोरी हुई परिसंपत्तियां	(22,46,465.28)	(22,46,465.28)	(4,04,445.00)	(4,04,445.00)
		1,79,33,074.97		**1,96,00,329.25**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि)

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) निधियों का अथशेष		(19,18,668.00)		(1,82,696.00)
(ख) निधियों में वृद्धियां				
i. दान/अनुदान(अनुबंध-क)	1,70,00,000.00		83,97,000.00	
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय	82,720.00		54,909.00	
iii. अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)		1,70,82,720.00		84,51,909.00
घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण (अनुसूची 17 की टिप्पणी सं. 9 का संदर्भ लें)				
जोड़ (क + ख)		**1,51,64,052.00**		**82,69,213.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि) ज़ारी.......

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		**पिछला वर्ष**	
(ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय				
i. **पूंजी व्यय**				
- अचल परिसंपत्तियां	5,79,211.00	5,79,211.00	6,10,127.00	6,10,127.00
- अन्य				
ii. **राजस्व व्यय**				
- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि (अनुबंध-ख)	79,01,913.00		35,98,406.00	
- किराया	-		-	
- सीएमई कार्यक्रम के लिए अनुदान निर्गमन(अनुबंध-ग)	33,64,688.00		15,82,741.00	
- अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुबंध-घ)	34,83,474.00		40,94,756.00	
- नैम्स अनुसंधान केंद्र-जोधपुर के व्यय	6,92,598.00	1,54,42,673.00	3,01,851.00	95,77,754.00
जोड़ (ग)		**1,60,21,884.00**		**101,87,881.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष	(क + ख + ग)	**(8,57,832.00)**		**(19,18,668.00)**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - क

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
दान/ अनुदान		
अनुदान - सामान्य	65,00,000.00	50,00,000.00
अनुदान - वेतन	1,00,00,000.00	30,50,000.00
अनुदान - पूंजी	5,00,000.00	3,47,000.00
जोड़	**1,70,00,000.00**	**83,97,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ख

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
क)	वेतन और मजदूरी	73,00,818.00	32,36,685.00
ख)	भत्ते और बोनस		
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	6,44,468.00	2,57,349.00
घ)	अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट करें) कें.स.स्वा.यो.	-	1,07,576.00
	घटाएंः कें.स.स्वा.यो. वसूली	(48,125.00)	(7,200.00)
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	4,752.00	3,996.00
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ		
छ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	जोड़	**79,01,913.00**	**35,98,406.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ग

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय			
क)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (अंतःस्थानिक)	1,54,000.00	3,26,613.00
ख)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (बाह्यस्थानिक)	29,85,721.00	11,95,342.00
ग)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (प्रायोगिक कार्यक्रम)	2,24,967.00	60,786.00
घ)	संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
	जोड़	**33,64,688.00**	**15,82,741.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - घ

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि			
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल	3,01,337.00	1,83,363.00
ख)	बीमा	12,014.00	7,547.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,84,797.00	17,72,059.00
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण	33,523.00	47,600.00
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार	1,91,670.00	2,29,876.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री	4,40,970.00	3,21,923.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय	28,778.00	45,999.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय (टेली - शिक्षा)	27,520.00	39,774.00
झ)	अभिदान व्यय		
ञ)	शुल्क पर व्यय		
ट)	लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	-	25,875.00
ठ)	आतिथ्य व्यय	57,857.00	59,649.00
ड)	व्यावसायिक/ परामर्श प्रभार	16,79,811.00	11,35,851.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान		
ण)	बट्टे खाते डाले गए अप्रत्यादेय शेष		
त)	विज्ञापन और प्रचार		

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
थ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	-बैठक शुल्क	18,500.00	2,24,500.00
	-बैंक प्रभार	1,847.00	740.00
	-अधिगम स्त्रोत सामग्री व्यय	-	-
	-चिकित्सा व्यय	4,850.00	-
	- पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएं	-	-
	जोड़	**34,83,474.00**	**40,94,756.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध – ड़

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नैम्स अनुसंधान केंद्र - जोधपुर का व्यय विवरण			
क)	सीएमई कार्यक्रम	22,500.00	10,838.00
ख)	नैम्स के वार्षिक वृत्तांत का प्रकाशन	6,49,238.00	1,77,750.00
ग)	डाक व्यय	20,860.00	1,13,263.00
	जोड़	**6,92,598.00**	**3,01,851.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		1	2	3	4	5	6	7	8
		जन. अमीर चन्द व्याख्यान निधि	आरोग्य आश्रम समिति निधि	बम्बई व्याख्यान निधि	डॉ के. एल. विग स्मारक व्याख्यान निधि	डॉ आर. वी. राजम व्याख्यान निधि	डॉ आर. एम. कासलीवाल निधि	डॉ एस. एस. मिश्रा चिकित्सा पुरस्कार निधि	श्री राम स्मारक पुरस्कार निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	45,843.50	26,941.03	1,00,145.00	4,20,046.55	28,679.69	6,922.88	(36,919.30)	29,527.54
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय				1,00,000.00				
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**45,843.50**	**26,941.03**	**1,00,145.00**	**5,20,046.55**	**28,679.69**	**6,922.88**	**(36,919.30)**	**29,527.54**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपतियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	13,010.00	17,626.00	13,681.00	96,744.00	18,790.00	6,607.00	5,307.00.00	43,081.00
जोड़		**13,010.00**	**17,626.00**	**13,681.00**	**96,744.00**	**18,790.00**	**6,607.00**	**5,307.00.00**	**43,081.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)		**13,010.00**	**17,626.00**	**13,681.00**	**96,744.00**	**18,790.00**	**6,607.00**	**5,307.00.00**	**43,081.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**32,833.50**	**9,315.03**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**
पिछला वर्ष		**45,843.50**	**26,941.03**	**1,00,145.00**	**4,20,046.55**	**28,679.69**	**6,922.88**	**(36,919.30)**	**29,527.54**

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)	निधि-वार आंकड़े							
	9	10	11	12	13	14	15	16
	श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार निधि	कर्नल संघम लाल धर्मादा निधि	डॉ वी. आर. खानोल्कर व्याख्यान निधि	डॉ विमला विरमानी पुरस्कार निधि	पश्चिम बंगाल आंचलिक निधि	डॉ पी. एन. छुट्टानी व्याख्यान निधि	डॉ बी. के. आनंद व्याख्यान निधि	नैम्स-2007 अमृतसर पुरस्कार निधि
क) निधियों का अथशेष	(16,940.87)	82,687.20	18,442.66	37,743.53	57,788.07	4,09,202.00	4,65,939.00	1,30,030.00
ख) निधियों में वृद्धियां								
i दान/अनुदान								
ii निधि के लिए किए गए निवेश से आय								
iii अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)	**(16,940.87)**	**82,687.20**	**18,442.66**	**37,743.53**	**57,788.07**	**4,09,202.00**	**4,65,939.00**	**1,30,030.00**
ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय								
i **पूंजी व्यय**								
-अचल परिसंपत्तियां								
-अन्य								
जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii **राजस्व व्यय**								
-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
-किराया								
-अन्य प्रशासनिक व्यय								
-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	33.062.00	17.482.00	5,526.00	15,254.00	7,557.00	2,08,088.00	64,294.00	12,456.00
जोड़	**33.062.00**	**17.482.00**	**5,526.00**	**15,254.00**	**7,557.00**	**2,08,088.00**	**64,294.00**	**12,456.00**
iii **वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)	**33.062.00**	**17.482.00**	**5,526.00**	**15,254.00**	**7,557.00**	**2,08,088.00**	**64,294.00**	**12,456.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**(50,002.87)**	**65,205.20**	**12,916.66**	**22,489.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,17,574.00**
पिछला वर्ष	**(16,940.87)**	**82,627.20**	**18,442.66**	**37,743.53**	**57,788.07**	**4,09,202.00**	**4,65,939.00**	**1,30,030.00**

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)	**निधि-वार आंकड़े**							
	17	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**
	स्वर्ण जयंती निधि	**नैम्स स्वर्ण जयंती यात्रा अध्येतावृत्ति**	**भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ डेंटिस्टी**	**डॉ बलदेव सिंह व्याख्यान निधि**	**पंजाब सरकार**	**डॉ एस. एस. सिद्धू व्याख्यान निधि**	**डॉ ए. इंद्रायन पुरस्कार निधि**	**डॉ जानकी स्मारक व्याख्यान निधि**
क) निधियों का अथशेष	5,62,847.00	4,85,702.00	4,21,252.00	3,61,456.00	79,928.00	4,17,301.00	4,02,464.00	6,33,240.00
ख) निधियों में वृद्धियां								
i दान/अनुदान								
ii निधि के लिए किए गए निवेश से आय								
iii अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)	**5,62,847.00**	**4,85,702.00**	**4,21,252.00**	**3,61,456.00**	**79,928.00**	**4,17,301.00**	**4,02,464.00**	**6,33,240.00**
ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय								
i **पूंजी व्यय**								
-अचल परिसंपत्तियां								
-अन्य								
जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii **राजस्व व्यय**								
-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
-किराया								
-अन्य प्रशासनिक व्यय								
-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	75,332.00	55,147.00	33,836.00	74,826.00	79,928.00	64,000.00	2,218.00	91,304.00
जोड़	**75,332.00**	**55,147.00**	**33,836.00**	**74,826.00**	**79,928.00**	**64,000.00**	**2,218.00**	**91,304.00**
iii **वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)	**75,332.00**	**55,147.00**	**33,836.00**	**74,826.00**	**79,928.00**	**64,000.00**	**2,218.00**	**91,304.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**-**	**3,53,301.00**	**4,00,246.00**	**5,41,936.00**
पिछला वर्ष	**5,62,847.00**	**4,85,702.00**	**4,21,252.00**	**3,61,456.00**	**79,928.00**	**4,17,301.00**	**4,02,464.00**	**6,33,240.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े					
		25	26	27	28	29	30
		डॉ जे. जी. जॉली व्याख्यान निधि	डॉ वी. के. भार्गव पुरस्कार निधि	डॉ ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार निधि	प्रो. जे. एस. बजाज पुरस्कार निधि	डॉ एन. सूर्यानरण राव पुरस्कार निधि	प्रो. के. एन. शर्मा व्याख्यान निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	6,55,349.00	2,15,430.00	2,20,047.00	80,000.00	1,86,424.00	5,07,571.00
ख)	**निधियों में वृद्धियां**						
i	दान/अनुदान						
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय			1,81,823.00			
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान						
जोड़ (क + ख)		**6,55,349.00**	**2,15,430.00**	**2,01,870.00**	**80,000.00**	**1,86,424.00**	**5,07,571.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**						
i	**पूंजी व्यय**						
	-अचल परिसंपत्तियां						
	-अन्य						-
	जोड़			-			
ii	**राजस्व व्यय**						
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि						
	-किराया						
	-अन्य प्रशासनिक व्यय						
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	52,557.00	21,178.00	19,882.00	10,000.00	32,362.00	6,814.00
जोड़		**52,557.00**	**21,178.00**	**19,882.00**	**10,000.00**	**32,362.00**	**6,814.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**						
जोड़ (ग)		**52,557.00**	**21,178.00**	**19,882.00**	**10,000.00**	**32,362.00**	**6,814.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**6,02,792.00**	**1,94,252.00**	**3,81,988.00**	**70,000.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**
पिछला वर्ष		**6,55,349.00**	**2,15,430.00**	**2,20,047.00**	**80,000.00**	**1,86,424.00**	**5,07,571.00**

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

				(राशि रुपए)
(गैर-योजना)			**कुल जोड़**	
		डॉ सत्य गुप्ता पुरस्कार निधि	**डॉ एस. डी. शर्मा व्याख्यान निधि**	**डॉ टी. डी. चुग**
क)	**निधियों का अथशेष**	4,22,280.00		
ख)	**निधियों में वृद्धियां**			
i	दान/अनुदान			
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय			
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान		8,00,000.00	5,00,000.00
जोड़ (क + ख)		**4,22,280.00**	**8,00,000.00**	**5,00,000.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**			
i	**पूंजी व्यय**			
	-अचल परिसंपत्तियां			
	-अन्य			
	जोड़			
ii	**राजस्व व्यय**			
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि			
	-किराया			
	-अन्य प्रशासनिक व्यय			
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	5,708.00		
जोड़		**5,708.00**		
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**	-		
जोड़ (ग)		**5,708.00**		
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**4,16,572.00**	**8,00,000.00**	**5,00,000.00**
पिछला वर्ष		**4,22,280.00**		

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**कुल जोड़**			
		चालू वर्ष		**पिछला वर्ष**	
क)	**निधियों का अथशेष**	-	74,57,369.48		54,32,645.48
ख)	**निधियों में वृद्धियां**				
i	दान/अनुदान	-	-	7,26,536.00	
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	-	-	15,76,298.00	
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान	15,81,823..00	15,81,823.00	15,000.00	23,17,834.00
जोड़ (क + ख)			**90,39,192.48**		**77,50,479.48**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**				
i	**पूंजी व्यय**				
	-अचल परिसंपत्तियां				
	-अन्य				
	जोड़				
ii	**राजस्व व्यय**				
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि				
	-किराया				
	-अन्य प्रशासनिक व्यय				
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)				
जोड़		12,03,657.00	-	2,93,110.00	
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**		12,03,657.00	-	2,93,110.00
जोड़ (ग)			**12,03,657.00**		**2,93,110.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)			**78,35,535.48**		**74,57,369.48**
पिछला वर्ष					

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6- चालू देयताएं

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
चालू देयताएं				
1. जमानत जमा राशि	25,000.00	25,000.00	98,017.00	98,017.00
अग्रिम धन-तीस छह पाँच 25,000.00				
जोड़		**25,000.00**		**98,017.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7- अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
क	**अचल परिसंपत्तियां**										
1.	**भूमिः**										
क)	फ्री होल्ड	-	-	-	-				-	-	-
ख)	पट्टाधारित	97,405.00	-	-	97,405.00				-	97,405.00	97,405.00
2.	**इमारतः**										
क)	फ्री होल्ड भूमि पर										
ख)	पट्टाधारित भूमि पर	1,01,70,878.87	-	-	1,01,70,878.87	5,08,543.94	-	-	5,08,543.94	96,62,334.93	1,01,70,878.87
ग)	स्वामित्वाधीन फ्लैट/ परिसर	-	-	-	-				-	-	-

(राशि रुपए)

	विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
घ)	संगठन के अस्वामित्वाधीन भूमि पर बड़ी संरचना	-	-	-	-				-	-	-
3.	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर	17,57,080.00	-	-	17,57,080.00	2,63,562.00			2,63,562.00	14,93,518.00	17,57,080.00
4	वाहन	6,10,686.00	-	-	6,10,686.00	91,602.90			91,602.90	5,19,083.00	6,10,686.00
5.	फर्नीचर, जुड़नार	18,96,479.98	-	-	18,96,479.98	1,89,648.00			1,89,648.00	17,06,831.98	18,96,479.98
6.	कार्यालय उपस्कर	23,09,043.29	-	-	23,09,043.29	3,46,356.49			3,46,356.49	19,62,686.80	23,09,043.29
7.	कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	16,79,583.47	-	-	16,79,583.47	6,71,833.00			6,71,833.00	10,07,750.47	16,79,583.47
8.	विद्युत संस्थापनाएं	52,651.48	-	-	52,651.48	565.15			565.15	52,086.33	52,651.48
9.	पुस्तकालय की पुस्तकें	-	-	-	-				-	-	-

(राशि रुपए)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
10. नलकूप और जलापूर्ति	-	-	-	-				-	-	-
11. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इकाई	5,65,217.00	5,79,211.00		11,44,428.00	84,782.55	43,440.83		1,28,223.38	10,16,204.62	5,65,217.00
12. अन्य अचल परिसंपत्तियां	4,61,304.16	-	-	4,61,304.16	46,130.42			46,130.42	4,15,173.74	4,61,304.16
चालू वर्ष का योग	**1,96,00,329.25**	**5,79,211.00**	**-**	**2,01,79,540.25**	**22,03,024.45**	**43,440.83**	**-**	**22,46,465.28**	**1,79,33,074.97**	**1,96,00,329.25**
पिछला वर्ष	**1,93,94,647.25**	**6,10,127.00**	**4,04,445.00**	**1,96,00,329.25**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,96,00,329.25**	**1,96,00,329.25**
ख										
जोड़	**1,96,00,329.25**	**5,79,211.00**	**-**	**2,01,79,540.25**	**22,03,024.45**	**43,440.83**	**-**	**22,46,465.28**	**1,79,33,074.97**	**1,96,00,329.25**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
क.	**चालू परिसंपत्तियां**				
1.	हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और पेशगी सहित	45,539.00	45,539.00	2,023.00	2,023.00
2.	बैंक में शेष				
क)	अनुसूचित बैंक में निर्धारित/धर्मादा निधियां				
	-चालू खाते पर				
	-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	99,30,928.00		72,34,408.00	
	-बचत खाते पर	19,74,376.00	1,19,05,304.00	29,39,420.12	1,01,73,828.12
	अन्य				
	-चालू खाते पर	0.00		17,21,104.00	
	-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	3,46,67,195.00		3,39,62,236.00	
	-बचत खाते पर	1,09,69,917.79	4,56,37,112.79	23,46,338.39	3,80,29,678.39
ख	**गैर अनुसूचित बैंक में**				
जोड़ (क)			**5,75,87,955.79**		**4,82,05,529.51**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि (राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
ख	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**				
1.	अग्रिम				
क	कर्मचारी (त्योहार)	16,970.00		14,720.00	
ख	अन्य		16,970.00		14,720.00
2.	**नकद अथवा वस्तु में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां**				
क	प्रतिभूति राशि	3,18,945.00		3,20,790.00	
	विद्युत 1,54,315				
	महा.टे.नि.लि. 17,371				
	कें.लो.नि.वि. 1,47,069				
	न.दि.न.पा. 125				
	कार्यालय अग्रदाय 410				
	स्टाफ कार पेट्रोल 1500				
ख	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से देय	14,37,623.69		20,61,926.19	
ग	अन्य उपार्जित ब्याज	30,37,409.32	47,93,978.01	28,31,104.00	52,13,820.19
3.	**अन्य**				
क	वसूली योग्य राशि				
ख	आय कर 2017-18 2,94,417.00	2,94,417.00	2,94,417.00	10,06,018.00	10,06,018.00
जोड़			**51,05,365.01**		**62,34,558.19**
जोड़ (क + ख)			**6,26,93,320.80**		**5,44,40,087.70**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 का अनुबंध – ड़ (राशि रुपए)

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मिलने वाले 50% भाग का

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वेतन (इमारत स्टाफ)	12,26,866.00	
जोड़ें - कें.क.स्वा.यो. योगदान	-	
जोड़ें - भविष्य निधि योगदान/ प्रशासनिक प्रभार	1,63,322.00	
	13,90,188.00	
घटाएं - कें.क.स्वा.यो. वसूली	6,250.00	
	13,83,938.00	
मजदूरी खाता	-	
सुरक्षा सेवा प्रभार	6,27,208.00	
हाउसकीपिंग प्रभार	3,42,001.00	
विद्युत व जल प्रभार	4,70,603.00	
मरम्मत व रखरखाव खाता	37,030.00	
उद्यान व्यय	14,467.00	
जोड़	28,75,247.00	
50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड भाग	14,37,623.50	
जोड़ें - अथशेष	0.19	
	14,37,623.69	20,61,926.19
जोड़	**14,37,623.69**	**20,61,926.19**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9- बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
1.	बिक्री से आय		
क)	अनुपस्थिति में स्क्रॉल, स्क्रैप, एनल्स, निविदा आदि की बिक्री	2,18,867.00	4,29,210.00
2	सेवाओं से आय		
क)	श्रम और प्रसंस्करण प्रभार	60,000.00	-
जोड़		**2,78,867.00**	**4,29,210.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10- अनुदान/आर्थिक सहायता

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(अप्रत्यादेय अनुदान/ प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केंद्र सरकार	-	55,00,000.00
2) राज्य सरकार (सरकारें)		
3) सरकारी अभिकरण		
4) संस्थान/कल्याण निकाय		
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
जोड़	-	**55,00,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 - शुल्क/अभिदान

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क		
क) पंजीकरण शुल्क	1,22,000.00	30,000.00
ख) दाखिला शुल्क		
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	6,85,000.00	7,33,000.00
जोड़	**8,07,000.00**	**7,63,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 12- अर्जित ब्याज **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	सावधि जमा पर			
क)	अनुसूचित बैंकों में (2,94,417/- रुपए स्रोत पर कर की कटौती सहित) (पिछला वर्ष 2,92,675/-रुपए)	18,26,922.00		41,41,427.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में			
ग)	संस्थानों में			
घ)	अन्य (निधि जमा)	11,08,890.00	29,35,812.78	
2)	बचत खाते पर			
क)	अनुसूचित बैंकों में		4,29,548.03	3,89,544.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में			
ग)	संस्थानों में			
घ)	अन्य			
3)	अन्य प्राप्तव्यों पर ब्याज	-		-
जोड़			**34,10,577.81**	**45,30,971.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 13- अन्य आय

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ			
क)	स्वामित्वाधीन परिसंपत्तियां			
ख)	अनुदानों से अधिग्रहित अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां			
2)	विविध आय			
क)	स्टाफ कार का व्यक्तिगत उपयोग	30,275.00	53,292.00	2,100.00
ख)	सी.पी.एफ. का अधिशेष (समाप्त)	23,017.00		
जोड़			**53,292.00**	**2,100.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 14- स्थापना व्यय (राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन और मजदूरी		6,13,433.00	25,54,400.00
ख)	भत्ते और वेतन			
ग)	भविष्य निधि में अंशदान		81,661.00	2,32,638.50
घ)	अन्य निधि में अंशदान			
	कें.स.स्वा.योजना		-	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.योजना वसूली	3,125.00	-3125.00	7,343.00
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय			
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ			
छ)	अन्य			
जोड़			**6,91,969.00**	**27,94,381.50**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 15- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल		2,25,301.50	1,82,270.50
ख)	बीमा		-	6,318.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण		1,96,749.00	8,89,577.50
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण			
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार			2,33,719.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री		1,52,549.00	3,93,734.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय			4,70,678.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय			
झ)	अभिदान व्यय			
ञ)	शुल्क पर व्यय			
ट)	लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक			25,875.00
ठ)	आतिथ्य व्यय			66,158.00
ड)	व्यावसायिक प्रभार		1,31,009.00	6,26,745.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान			
ण)	बट्टे खाते डाला गया अप्रत्यादेय शेष		-	-
त)	विज्ञापन और प्रचार		-	-
थ)	अन्य:			
	बैंक प्रभार	1,432.21		6,270.50
	सुरक्षा प्रभार	3.13.604.00		3,07,909.50

			(राशि रुपए)
		चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
बैठक शुल्क	3,000.00		2,82,000.00
आयकर	7,34,870.00		-
ब्रोच/ टाई लागत	53,100.00		-
विविध व्यय	13,905.00	11,19,911.21	3,68,093.00
जोड़		**18,35,519.71**	**38,59,348.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 16- अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
क) संस्थानों/संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
जोड़	-	-

अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ संगठनों का नाम, उनकी गतिविधियां संलग्न हैं।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

क) महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय वक्तव्य नकदी आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अधीन तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

राजस्व, दान, अनुदान प्राप्त होने पर दर्शाए गए हैं।

व्यय भुगतान होने पर दर्शाए गए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियाँ

अचल परिसंपत्तियाँ मूल लागत पर दर्शायी गयी हैं।

4. अवमूल्यन

अचल परिसंपत्तियों का कोई अवमूल्यन नहीं किया गया है।

5. अनुदान

अनुदान लेखा में दानकर्ता के विशिष्ट निदेशों के अनुसार दर्शाए गए हैं।

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सरकार से प्राप्त अनुदान (योजना) और उद्दिष्ट निधि आवर्ती प्रकृति के हैं। बैंक में जमा इस निधि से प्राप्त होने वाली आय सीधे इस निधि में जमा करवा दी जाती है और व्ययों को इस निधि में से घटा दिया जाता है।

सरकार से प्राप्त गैर-योजना अनुदान आवर्ती प्रकृति का है। गैर-योजना अनुदान (निवल पूंजी व्यय) आय व व्यय लेखा में जमा किया जाता है और पूंजी व्यय राशि पूंजीगत परिसंपत्तियाँ अनुदान निधि में अंतरित किया जाता है।

ख) लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

6. वर्ष के दौरान सदस्यों से प्राप्त 100% आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजी निधि में जमा करवाया गया।

7. व्याख्यानों और पुरस्कार के लिए अकादमी को प्राप्त संचित निधि दानकर्ता के निदेशों के अनुसार उसी विशेष निधि को निर्धारित कर दी गई है और उस राशि को बैंक में

अलग से आवधिक जमा योजनाओं में रखा गया है। उस आवधिक जमा से प्राप्त ब्याज की राशि को उसी निधि में जोड़ा जाता है और व्यय उस निधि से घटाए जाते हैं।

8. अकादमी की पुरानी और नई, श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र, दो इमारतें हैं। अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों व शर्तों के अधीन पुरानी इमारत का आवास आपस में बाँट रहे हैं। अकादमी सभी अनुरक्षण व्यय वहन कर रही है और इस व्यय का 50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से ले लिया जाता है और अनुरक्षण व्यय में से घटा दिया जाता है।

9. नई इमारत श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और अब कार्यात्मक हैं।

10. अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन और खाता-बहियों से इसका मिलान लंबित है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2018

1 अप्रैल से 30 सितम्बर, 2018 तक गतिविधियों की विशिष्टताएं

1. नैम्स परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई थीं। बैठकें दिनांक 25 जुलाई, 2018 और 25 सितम्बर, 2018 को आयोजित हुई थीं।

2. नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की सूची निम्नलिखित है, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2018 के दौरान सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद् के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. संजय वधवा	डॉ. पी. के. दवे
2. डॉ. प्रेमा रामचंद्रन	डॉ. संजय वधवा
3. डॉ. पी. के. मिश्रा	डॉ. शैली अवस्थी
4. डॉ. मायिल वी. नटराजन	डॉ. के. एस. गोपीनाथ
5. डॉ. राकेश कुमार चड्डा	डॉ. सुरेश्वर मोहन्ती

3. डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस को अकादमी के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किए गए हैं।

4. डॉ. संजय वाधवा, एफएएमएस अकादमी के उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किए गए हैं।

5. वर्ष 2018 के लिए अध्येताओं और सदस्यों के रूप में निम्नलिखित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं :

अध्येता

1. डॉ. सुरेंद्र कुमार अग्रवाल
2. डॉ. अमर के. चंद्र
3. डॉ. मिताली चटर्जी
4. डॉ. अजय रॉयचौधरी
5. डॉ. रीमा दादा
6. डॉ. मधु दीक्षित
7. डॉ. सुष्मिता घोषाल
8. डॉ. अमिता जैन
9. डॉ. सूर्य कांत
10. डॉ. राकेश कोचर
11. डॉ. अनुपम मिश्रा
12. डॉ. अनुप मोहता
13. डॉ. सतीनाथ मुखोपाध्याय
14. डॉ. अतानू कुमार पाटी

15. डॉ. शशि रहेजा
16. डॉ. एस. राजा सभापति
17. डॉ. अमन शर्मा
18. डॉ. इंदिरा शर्मा
19. डॉ. विजय प्रकाश शर्मा
20. डॉ. अर्चना सिंघल
21. डॉ. गगनदीप सिंह
22. डॉ. मीनू सिंह
23. डॉ. राम चंदर सिवाच
24. डॉ. कुमारवेल सोमासुंदरम
25. डॉ. मनोज कुमार तिवारी
26. डॉ. संजय जोदपी

सदस्य

1. डॉ. कल्पना बाबू
2. डॉ. विकास बछल
3. डॉ. विवेक कुमार बैंस
4. डॉ. एन. बालाजी
5. डॉ. शाहिना बानो
6. डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट
7. डॉ. संजीव कुमार भोई
8. डॉ. सुपर्णा चटर्जी
9. डॉ. विकास चौधरी
10. डॉ. गौरव छाबड़ा
11. डॉ. अनीता चोपड़ा
12. डॉ. चंदन ज्योति दास
13. डॉ. श्वेता शेनॉय देवराज
14. डॉ. उर्मिला ढकड़
15. डॉ. दिनेश टी.
16. डॉ. अभय एम. गैधाने
17. डॉ. मनदीप कुमार गर्ग
18. डॉ. प्रगति गर्ग
19. डॉ. अमृत गोयल
20. डॉ. लक्ष्मी कांत गोयल
21. डॉ. मोनिका गुप्ता
22. डॉ. निखिल गुप्ता
23. डॉ. विनय कुमार गुप्ता
24. डॉ. फरहानुल हुडा
25. डॉ. अर्जुनन इसाक
26. डॉ. दर्शन कुमार ए. जैन
27. डॉ. मीनल जैन
28. डॉ. जीबा शामिम जयराजपुरी
29. डॉ. रिद्धि जायसवाल
30. डॉ. सवाई सिंह जेटावत
31. डॉ. हरिंदर जसेजा
32. डॉ. आशीष कुमार कक्कड़
33. डॉ. मनोज कमल
34. डॉ. राशिम कटारिया
35. डॉ. सीमा कौशल
36. डॉ. सबीना खान
37. डॉ. विश्वनाथ कृष्णमूर्ति
38. डॉ. मधु कुमार
39. डॉ. पुनीत कुमार
40. डॉ. सचिन कुमार
41. डॉ. टी. अनिल कुमार
42. डॉ. सुचित्रा कुमारी

43. डॉ. किर्थाना कुनीकुल्लाया यू.
44. डॉ. नरेंद्र सिंह कुशवाहा
45. डॉ. मोनिका ललित
46. डॉ. विशाल मागो
47. डॉ. अनुपमा महाजन
48. डॉ. विनायक वी. माका
49. डॉ. शीतल मल्होत्रा
50. डॉ. अमित कुमार मिश्रा
51. डॉ. अशोक मिश्रा
52. डॉ. तुषार सुभदर्शन मिश्रा
53. डॉ. संजीव कुमार मित्तल
54. डॉ. सुनीता मित्तल
55. डॉ. असित रंजन मृधा
56. डॉ. कोटंबल्ली एन. चिदंबर मूर्ति
57. डॉ. कृष्णा आर. मूर्ति
58. डॉ. महंतेश बी. नागमोटी
59. डॉ. सुप्रवा नायक
60. डॉ. अश्विनी नायक यू.
61. डॉ. निधि
62. डॉ. तरुण कुमार पांडा
63. डॉ. संजय पिपलानी
64. डॉ. प्रद्योत प्रकाश
65. डॉ. अखिलंदेश्वरी प्रसाद
66. डॉ. हर्ष प्रिया
67. डॉ. मीनु पुजानी
68. डॉ. काजी सैयद जहीरुद्दीन
69. डॉ. हफीजुर रहमान
70. डॉ. जीवन राम
71. डॉ. अशू रास्तोगी
72. डॉ. पवित्र कुमार रस्तोगी
73. डॉ. मृत्युंजय राठौर
74. डॉ. वंदना राय
75. डॉ. सुमित रूंगटा
76. डॉ. संगीता पिलखवाल साह
77. डॉ. अजीत सिंह शक्तावत
78. डॉ. दिव्य वोहरा शांगरी
79. डॉ. अविनाश शर्मा
80. डॉ. बरुन कुमार शर्मा
81. डॉ. नवीन शर्मा
82. डॉ. अंकुर सिंह
83. डॉ. अरविंदर पाल सिंह
84. डॉ. आशुतोष सिंह
85. डॉ. मनोज कुमार सिंह
86. डॉ. राकेश कुमार सिंह
87. डॉ. शीतू सिंह
88. डॉ. श्रद्धा सिंह
89. डॉ. अतिन सिंघई
90. डॉ. रामेश्वरी सिंघल
91. डॉ. राहुल जनक सिन्हा
92. डॉ. शालिनी शिवानंज्याह
93. डॉ. अर्चना सोलंकी
94. डॉ. वी. सी. एस. श्रीनिवासराव बंदारू
95. डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव
96. डॉ. रागिनी तिलक
97. डॉ. पल्लवी सरजी उत्कर्ष

98. डॉ. अनूप कुमार वर्मा

99. डॉ. रोहित वर्मा

100. डॉ. उर्वशी वर्मा

101. डॉ. विनायक पी. एस.

102. डॉ. प्रज्ञा ध्रुव यादव

विनियमन-V के अधीन निम्नलिखित उम्मीदवारों को अकादमी के सदस्यों (एमएनएएमएस) के रूप में प्रवेश दिया गया है।

दिनांक 25 जुलाई, 2018 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. इंदु कन्नन
2. डॉ. कार्तिकेयन वी. एस.
3. डॉ. मनुज बंदोपाध्याय
4. डॉ. रश्मि तिवारी
5. डॉ. एन. वसंती
6. डॉ. टिम थॉमस जोसेफ
7. डॉ. उन्निकुट्टन डी.
8. डॉ. हिना रानी
9. डॉ. नंदन कुमार मिश्रा
10. डॉ. अहिरराव अतुल आत्माराम
11. डॉ. सुरी हरप्रीत सिंह जे. पी. सिंह
12. डॉ. गायकवाड़ सागर विश्वनाथ
13. डॉ. कौस्तव बसु
14. डॉ. राघव स्मिता आर के सिंह राघव
15. डॉ. देसाले अजिंक्य भास्करराव
16. डॉ. भीम राज गुप्ता
17. डॉ. बरवाल अजिंक्य राजेश
18. डॉ. रोहित पांडे
19. डॉ. चौहान भुमिर
20. डॉ. एज़िल वानन एन आर
21. डॉ. चरनथेजा गुरिजाला
22. डॉ. स्वर्णिमा बसु
23. डॉ. समीर कथाले
24. डॉ. मिथिलेश कुमार
25. डॉ. जयंत कुमार
26. डॉ. पुनीत गुप्ता
27. डॉ. गिरीश एस
28. डॉ. चिरासरी भट्टाचार्य
29. डॉ. हरनाम सिंह मदान
30. डॉ. सरिल पी सुरेंद्रन
31. डॉ. पूनम रानी सिंह
32. डॉ. दीपक टी एस
33. डॉ. के. यू. श्रेया दास
34. डॉ. अद्वितीय प्रकाश
35. डॉ. पाटकर ऋषिकेश पद्माकर
36. डॉ. प्रदीप प्रधान
37. डॉ. धीरज भथेजा
38. डॉ. रचना पासी
39. डॉ. सिद्धार्थ गुप्ता
40. डॉ. प्रतिभा गवेल
41. डॉ. सुजीत भारती
42. डॉ. पचांगे अनुप दिलीप
43. डॉ. चुरी ओंकार नारायण
44. डॉ. पटेल दिग्गेन चंद्रेशभाई

45. डॉ. राजेश कुमार टी
46. डॉ. दिवा कांत मिश्रा
47. डॉ. निहारिका धीमान
48. डॉ. जय धींगड़ा
49. डॉ. अनुराग जैन
50. डॉ. शाह राज चेतन
51. डॉ. केतन पांडे
52. डॉ. सुमिता अग्रवाल
53. डॉ. पुरुषोत्तम बी
54. डॉ. स्वेता लोकेश शर्मा
55. डॉ. नीमदे धीरज कुमार पितांबर
56. डॉ. अर्ते श्रीकर मुकुल
57. डॉ. प्रियंका गुप्ता
58. डॉ. महाजन मनाली मंगेश
59. डॉ. तोशनीवाल भारत अनिल
60. डॉ. युगल वारांदानी
61. डॉ. अशिला पवित्रन
62. डॉ. जॉन जोसेफ
63. डॉ. कुमार अभिषेक
64. डॉ. शादाब मकसूद
65. *डॉ. अभिषेक राव
66. डॉ. श्रद्धा गोस्वामी
67. डॉ. मुकेश प्रदीप दुबे
68. *डॉ. घोड़के वामन बाबू
69. डॉ. विनायक जयराम
70. डॉ. संदीप वेलासादा
71. डॉ. चेतना अरविंद सेठी
72. डॉ. निकथ नसरीन नज़ीर
73. डॉ. मस्लेकर भक्ति श्रीराम
74. डॉ. अमित कुलश्रेष्ठ
75. डॉ. रोकड़े निशिगंध लक्ष्मण
76. डॉ. पंकज कुमार
77. डॉ. विनोद वर्गीस
78. *मेजर (डॉ.) विजेंद्रन पी
79. डॉ. कट्टम हर्ष विक्रम
80. *डॉ. सुनीता तर्सरया सोनावने
81. डॉ. वर्मा प्रियंका सुभाषचंद्र
82. डॉ. सचिन डी
83. *डॉ. सुमा मोनी मैथ्यू
84. डॉ. सुरभि कंसल
85. डॉ. कुणाल अनेजा
86. डॉ. मनुधने अदिति अभय
87. *डॉ. जगदीश कुमार वी
88. डॉ. रंजीत जेम्स बाबू
89. डॉ. राघवेंद्र तेमकर वी
90. डॉ. आहुजा प्रियंका ज्ञानचंद
91. डॉ. गंजले शशिकांत बसवराज
92. डॉ. कृष्णा कुमार एस
93. *डॉ. निलाद्री सेन
94. डॉ. हरजिंदर कोहली
95. डॉ. संदीप अग्रवाल
96. डॉ. रंजीत सुरेश गोरेगांवकर
97. डॉ. शाहिना बानो
98. डॉ. विकास चौधरी
99. डॉ. प्रत्यूष शरण सिंघल
100. *डॉ. काले आशीष रामचंद्र
101. डॉ. केशव गोयल
102. डॉ. अरुण थॉमस ई टी

103. डॉ. भाग्य एस
104. डॉ. खड़े प्रशांत वासुदेवराव
105. डॉ. इबिन जोस
106. डॉ. दिव्या लक्ष्मी ए
107. डॉ. राहुल देव
108. डॉ. काले आशीष रसिक
109. *डॉ. मनीष कुमार मिश्रा
110. डॉ. आरुषि अग्रवाल
111. डॉ. नदीम अबुट्टी
112. डॉ. अंकुर धीमान
113. डॉ. गोलाकिया आयुष परषोत्तमभाई
114. डॉ. श्वेता शर्मा
115. डॉ. कृष्णाश्री के एस
116. डॉ. हरिकृष्णन टी
117. डॉ. शंभू सिंह
118. डॉ. सुदेश कुमार
119. डॉ. सुसुविकर आशीष आनंद
120. डॉ. रिम्पी जोसेफ
121. डॉ. अजीथ थॉमस अब्राहम
122. डॉ. मिन्नी खुशबू अरविंद
123. डॉ. रुचिता शर्मा
124. डॉ. गुप्ता अभिमन्यु सुभाष
125. डॉ. अनीश पी जे
126. डॉ. हेमंत कुमार
127. डॉ. निखिल मखीजा
128. डॉ. शैलेन्द्र सिंह नायक
129. डॉ. महादुले अश्विनी अशोक
130. डॉ. सुचेता कुंदु
131. डॉ. अंकिता कासत
132. डॉ. गिरीश खोदनापुर
133. डॉ. रवि छज्जेड़
134. डॉ. दिव्या सिंह
135. डॉ. बाबू पीटर एस
136. डॉ. नित्यानंदी उर्फ राजेश्वरी
137. डॉ. साजिन के एम
138. डॉ. घोष किंजलका
139. डॉ. नवीन जे.
140. डॉ. प्रशांत कुमार एम
141. *डॉ. पिल्ले गणेश दिलीपकुमार
142. डॉ. नीरज जैन
143. डॉ. पाटिल मनीष निंबा
144. डॉ. अनीता कुमारी
145. डॉ. रोशित एस
146. डॉ. रेशमी एस
147. डॉ. अभिषेक पुरकायस्थ
148. डॉ. दिनेश के
149. डॉ. अनु साराह ईसो
150. डॉ. मितुलकुमार हमालाल मंगुकिया
151. डॉ. तपज्योति मुखर्जी
152. डॉ. कोम्बड़े सारिका प्रभाकर
153. डॉ. विशाख सी एन
154. डॉ. सबिल अब्दुल्ला पी आर
155. डॉ. शर्मा नेहा
156. डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब
157. डॉ. नेहेते अनुज विलास
158. डॉ. हार्दिक कुमार रमेशभाई कपोपारा
159. डॉ. येंगांतिवार रुचिका प्रभाकर
160. डॉ. किरण जाखड़

161. डॉ. संजय
162. डॉ. अच्युत नारायण पांडे
163. *डॉ. बिरोल उमेश वसंत
164. डॉ. शिंपी माधुरी अरुण
165. डॉ. सी उपेंद्र
166. डॉ. धारीवाल स्नेहा सुनील
167. डॉ. भंगाले अमित आनंद
168. डॉ. पराग गुप्ता
169. डॉ. कदम संदीप जनार्दन
170. डॉ. हिमानी एस एम शर्मा
171. *डॉ. वामसी कृष्ण कोमोजो
172. डॉ. संजीवराव कोमोजो
173. डॉ. प्रणव ईश
174. डॉ. लोकेश चावला
175. *डॉ. विबोर टाक
176. डॉ. जितेन कुमार
177. *डॉ. सुमिता दास
178. डॉ. सुप्रिया मुशरिफ
179. *डॉ. प्रशांत कुमार साइकिया
180. डॉ. अभिजीत कुमार
181. डॉ. एम जी राजेश धनासेकर
182. डॉ. काकड़े शैलेश तुलशीदास
183. डॉ. जयाराजन टी के
184. डॉ. राहुल रजनीश पाठक
185. डॉ. सेतु रमन रवि शंकर
186. डॉ. बेविन ओरल जे
187. डॉ. पत्तर सुहास सुरेंद्रनाथ
188. डॉ. दीपाश्री आर
189. डॉ. गोल्डी एस जे
190. डॉ. वंदना
191. *डॉ. घाल्के ऋषिकेश सुभाष
192. *डॉ. रोहित आर
193. *डॉ. यास्मीन मोहम्मद
194. डॉ. बिजॉय विश्वम्भरन मेथिल
195. डॉ. आशुतोष तिवारी
196 डॉ. कथाले निशांत राजाराम
197. डॉ. बथीजा सपना गागी
198. डॉ. संतोष कुमार
199. डॉ. बिदिशा रॉयचौधरी
200. डॉ. सुब्रत रे
201. डॉ. गुंडावडा केवल केतन
202. डॉ. जरीवाला पंक्ति परीमाल
203. डॉ. ओसामा नेयाज
204. डॉ. शिवी महेश्वरी
205. डॉ. भोसले गिरीश रंगानाथ
206. डॉ. आर संतोष कुमार
207. डॉ. सुनीता गोयल
208. डॉ. सिद्धार्थ भट्टाचार्य
209. डॉ. विनोद सी
210. डॉ. दीपाली मोहंती
211. डॉ. विजय आनंद सी
212. डॉ. सौरव मैती
213. डॉ. कवि सौरभ भालचंद्र
214. डॉ. निशार चिंतन चंद्रकांत
215. डॉ. मोरेपाटिल वृंदा गंगाधर
216. डॉ. पूर्णिमा
217. डॉ. सूर्यवंशी विक्रम विलास
218. डॉ. चौहान दुष्यंत भूपेंद्र

219. डॉ. धार सुप्रिया
220. डॉ. भिरुद अतुल राजेश
221. डॉ. माइकल जॉन कन्याम्पराम्पिल
222. डॉ. स्टैनज़िन डोल्कर
223. डॉ. कॉन्चोक दोरजी
224. डॉ. आंचल राठौर
225. डॉ. रंजना आर
226. डॉ. धनंजय के वी एन
227. डॉ. सोनी सी दास
228. डॉ. शिनोज
229. डॉ. शिल्पा गुप्ता
230. डॉ. कुलकर्णी गजानन रमाकांतराव
231. डॉ. देशपांडे गुरुप्रसाद जगदीश
232. डॉ. पांडुरंगी अनिकेत श्यामसुंदर
233. डॉ. जगदीश प्रसाद मौर
234. डॉ. लिनु चेरियन कुरुविला
235. डॉ. सुर्वेस रविंद्र महादेव
236. डॉ. जस्सावल्ला नवरोज़ मेहरनोश
237. डॉ. नंदू क्रुति रमणीकलाल
238. डॉ. सुदर्शन बेहरा
239. डॉ. मंगेशिकार निर्जरी तुषार अंवया
240. डॉ. डोकी सुनील कुमार
241. डॉ. अरविंद कुमार
242. डॉ. उदगीरकर वर्धमान सुरेशचंद
243. डॉ. भीमसिंह सामोरेकर
244. डॉ. उषा सिंह
245. *डॉ. मेश्राम प्रशांत श्याम
246. डॉ. सुनील कुमार केडिया
247. डॉ. जयदीप डे
248. डॉ. मृणमोय मित्र
249. डॉ. शेफाली अग्रवाल
250. डॉ. वेंकट रंगा स्वामी ए
251. डॉ. जितेन्द्र सिंह लोढ़ी
252. डॉ. गायकवाड़ अपर्णा विजय
253. डॉ. तांबवेकर सुनील एकनाथ
254. डॉ. शेरेगर नम्रिता चंद्रशेखर
255. डॉ. राजाश्री के एस
256. डॉ. भूपेंद्र पाल सिंह
257. डॉ. मधुमिता पटेल
258. डॉ. वेंकट अर्जुनराव गिते
259. डॉ. रमेश कुमार अग्रवाल
260. डॉ. श्रवण कुमार गोपारापू
261. डॉ. नित्य बत्रा
262. डॉ. बसवराज
263. डॉ. रितिका सेठिया
264. डॉ. अनिल कुमार
265. डॉ. फराज़ अहमद खान
266. डॉ. कामदार रुशिता राजेश
267. डॉ. पंचमप्रीत कौर
268. डॉ. हर्षित गेहलोत
269. डॉ. चोपड़ा देविका विक्रम
270. डॉ. भदाके मनोजकुमार भीमाराव
271. डॉ. सपना मलिक
272. डॉ. इहारे निखिल हरिभाउ
273. डॉ. विशाल मल्लीनाथ हुग्गी
274. डॉ. नितीका गोयल
275. डॉ. अजय सिंह
276. डॉ. शिंदे शुभांगी माधवराव

277. डॉ. रायकर विनायक वेंकटेश
278. डॉ. विमलकुमार आर
279. डॉ. पारितोष तिवारी
280. डॉ. शाह अविनाश किशोर
281. डॉ. अलका भास्कर के
282. डॉ. अभिषेक पॉल
283. डॉ. प्रसाद रविंद्र लेले
284. डॉ. राहुल श्रीनिवासन ठोकलोथ
285. डॉ. कुमार सुधाकर
286. डॉ. प्रफ्फुल जी दास
287. डॉ. मोना सारावगी
288. डॉ. राघव गुप्ता
289. डॉ. शर्मा महेंद्रकुमार
290. डॉ. अनूप एम के
291. डॉ. राम सागर पंडित
292. डॉ. ग्रीटा मिरियम मथाई
293. डॉ. राखी बंसल
294. डॉ. अजय कुमार एस पी
295. डॉ. सुरेश कुमार बी सी
296. डॉ. दहिफले अमोल वैजनाथ
297. डॉ. रिजवान नज़ीर एम ए पी
298. डॉ. नमिता गुप्ता
299. डॉ. अरुण बेसिल मैथ्यू
300. डॉ. मोदक गौतम धनंजय
301. डॉ. शाह हर्षित अनंतरई सोनल
302. डॉ. जबीर एम पी
303. डॉ. ऑक्सीलिया पैकिया देवी आर
304. डॉ. प्रियदर्शी रॉयचौधरी
305. डॉ. शाह केया अजय
306. डॉ. शाह तनय एकनाथ
307. डॉ. जोहान फिलिप
308. डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
309. डॉ. निधि गजेंद्रगडकर
310. डॉ. अनूप कुमार
311. डॉ. रिंजू कृष्णन
312. डॉ. श्रेयस टी एस
313. डॉ. सुरप्रीत चोपड़ा
314. डॉ. यादव अनिलकुमार लालमनी
315. डॉ. रोहित डैनियल पी जी
316. डॉ. वीना नायर ए
317. डॉ. दिविन ओमानाकुट्टन
318. डॉ. जयदीप सिंह
319. डॉ. अशिक्ली चुंडाथोदी
320. डॉ. मूलचंदानी दीप्ति कुमार
321. डॉ. वरुण गुप्ता
322. डॉ. रवि प्रकाश
323. डॉ. नितिन गुप्ता
324. डॉ. मोहम्मद राज़मी टी
325. डॉ. अंकुर प्रुथी
326. डॉ. श्रुति सेमवाल
327. डॉ. जीतेश गवांडे
328. डॉ. चोवतिया तेजसकुमार गोविंदभाई
329. डॉ. सौम्या एस
330. डॉ. कोलेकर अनघा सुभाष
331. डॉ. चरखा तुषार कमलकिशोर
332. डॉ. हेमा एस
333. डॉ. शीतल रैना एम के रैना
334. डॉ. सक्थिवेल सी के

335. डॉ. अमल जॉन जैकब
336. डॉ. अभिषेक खरे
337. डॉ. विवेक दुबे
338. डॉ. रश्मि शर्मा
339. डॉ. धर्माधिकारी अंबरीश संजय
340. डॉ. अहिर दिलीप लाखाभाई
341. डॉ. मेहता तन्मय कार्तिकेय
342. डॉ. सरावनन एम
343. डॉ. श्रीकांत के एस
344. डॉ. सिभी गणपति
345. डॉ. अतिशय जैन
346. डॉ. जसवंत सिंह
347. डॉ. रस्केश मल्होत्रा
348. डॉ. अनुरागिनी गुप्ता
349. डॉ. निरंज जी आर
350. डॉ. होकाबाज शाहीन अयूबभाई
351. डॉ. प्रशांत टी एस
352. डॉ. स्नेहा जे
353. डॉ. प्रमोद कृष्णप्पा
354. डॉ. हेमंत बंसल
355. डॉ. नीती छाबड़ा
356. डॉ. अरुण के वलसन
357. डॉ. विश्वजीत सिंह
358. डॉ. मिहिर मोहन टी
359. डॉ. पोतदार ओंकार शंकर
360. डॉ. गणेशकुमार जे आर
361. डॉ. मोहम्मद सलीम हारुन गिगानी
362. डॉ. श्रेया गोस्वामी
363. डॉ. नमिता आर
364. डॉ. अरुणकुमार एस एम
365. डॉ. कौसिक सेठ
366. डॉ. सागनिक रे
367. डॉ. घुले प्रशांत महादेव
368. डॉ. रणवीर सचिन तुकाराम
369. डॉ. मनिआर मिती मुकेश
370. डॉ. रिचा कमल
371. डॉ. साद अब्दुल रहमान तस्नीम अहमद
372. डॉ. श्यामला डी
373. डॉ. शानमुगम एल
374. डॉ. सुप्रिया सरकार
375. *डॉ. नायक अनमोल उल्हास
376. डॉ. ढोलकिया धारक चंद्रेश
377. डॉ. विजयानंद
378. डॉ. चिराग अरोड़ा
379. डॉ. संतोष नारायणन
380. डॉ. पटवारी पुर्वा सुधांशु
381. डॉ. गड़े प्रशांत सखाराम
382. डॉ. सैयद वासिल कादरी
383. डॉ. मैना जे
384. डॉ. अशीक एन ए
385. डॉ. विनीत वाधवा
386. डॉ. नेहा अन्तिल
387. डॉ. विष्णोई मदनगोपाल धुराराम
388. डॉ. मीनाक्षी नारायणन
389. डॉ. ब्रज किशोर सिंह
390. डॉ. मोहित नरेदी
391. डॉ. रुचि जोशी

392. *डॉ. गणकल्याण बेहरा
393. डॉ. आदर्श के
394. डॉ. श्रीदत्त बी एस
395. डॉ. सौरभ खुराना
396. डॉ. शशि चौहान
397. डॉ. अफसल अनारथ
398. डॉ. भगवान सिंह यादव
399. डॉ. चंद्रा दत्ता
400. डॉ. संजना सुरेश राव
401. डॉ. सोनावने गौतम मगन
402. डॉ. मोहम्मद निशाद एम
403. डॉ. श्यामकुल प्रीति दामोदर
404. डॉ. संगीता एस
405. डॉ. राजदीप बग्गा
406. डॉ. नवनीत
407. डॉ. जलजा वी
408. डॉ. पारिख पार्थ प्रकाश
409. डॉ. निशा अग्रवाल
410. डॉ. यूनिस कमल
411. डॉ. जॉर्ज मैथ्यू सेबेस्तियन
412. *डॉ. पाटिल नंदकुमार नारायण
413. डॉ. पॉलसन सी मैथ्यू
414. डॉ. अरुण डैनियल जोसेफ
415. डॉ. देववंशी मिश्रा
416. डॉ. असमा बेगम एम
417. डॉ. कीर्तन कृष्ण
418. डॉ. शैलजा एन
419. डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह
420. डॉ. श्रीतमा बनर्जी
421. डॉ. वेत्री चेल्वान एस
422. डॉ. विपिन वी पी
423. डॉ. अनिरबन घोष
424. डॉ. अरुण ई
425. डॉ. गुंजन गर्ग
426. डॉ. अग्रवाल प्रेरणा
427. डॉ. नीरज उपाध्याय
428. डॉ. कुमार रीमा वीरेन्द्र
429. डॉ. सुरेश कुमार ए सी
430. डॉ. काले कल्याणी गणेश
431. डॉ. बागलने श्रीराम जनार्दन
432. डॉ. शाह विनीत जयेंद्र
433. डॉ. शोभिता नायर
434. डॉ. बिराजदार अमित रविंद्र
435. डॉ. मौर्य मितेश कुमार राजाराम
436. डॉ. मंजुनाथ एल
437. डॉ. अरुण रविंद्रन
438. डॉ. मंजुला
439. डॉ. प्रतीक गुप्ता
440. डॉ. अरविंद ठाकुरिया
441. डॉ. अरुण कृष्णा ए के
442. डॉ. महुआ सिन्हा
443. डॉ. गौरव राजपाल
444. डॉ. भूपति सेलाप्पन
445. डॉ. अनुज गुप्ता
446. डॉ. सुरेश चंद
447. डॉ. अखिल अग्निहोत्री
448. डॉ. सैयद साद कादरी सैयद इकबाल कादरी

449. डॉ. जयेंद्र ऐलावधी
450. डॉ. अनीमेश साह
451. डॉ. शक्ति स्वरुप
452. डॉ. अदिति
453. डॉ. रश्मि कुंवर
454. डॉ. मिश्रा अरुप कुमार
455. डॉ. रेवकर स्वानंद संतोष
456. डॉ. अरुण कुमार पात्रा
457. डॉ. मोहम्मद शफीक के टी
458. डॉ. शाइन कुरियन
459. डॉ. थिरुथनी कुमारन एम एम
460. डॉ. माहेश्वरी प्रदीप अर्जुन
461. डॉ. सलमान मोहम्मद कुट्टी सी
462. डॉ. निखिला के गोविंद
463. डॉ. रामप्रसाद एम एस
464. डॉ. कार्तिकेयन एम
465. डॉ. प्रशीदा गुहा सरकार
466. डॉ. आलेख प्रसाद
467. डॉ. कीर्ति एस राव
468. डॉ. नितिन एम
469. डॉ. अतनू चटर्जी
470. डॉ. केशवमूर्ति जी
471. डॉ. गोयल गुरप्रीत सिंह
472. डॉ. कौशिक पॉल
473. डॉ. रजत प्रभाकर
474. डॉ. बी राजीव रेड्डी
475. डॉ. विद्या डी सी
476. डॉ. अजय कुमार
477. डॉ. श्रीमंजुनाथ शंकनागौदर
478. डॉ. अंशुल अशोक बागड़िया
479. डॉ. धुंदेले गुंजन राजेंद्र
480. डॉ. शिशिर कुमार साहू
481. डॉ. रामनिवास
482. डॉ. बी विजय किरण
483. डॉ. अनंत शुक्ला
484. डॉ. हुमा मजीद
485. डॉ. कृष्णा प्रसाद जी
486. डॉ. जेबू ए थॉमस
487. डॉ. सिबिन जे पुल्लाट्टू
488. डॉ. बंता आदित्य अरविंद
489. डॉ. पंचल आनंदकुमार मंगलदास
490. डॉ. अकिला आर
491. डॉ. गौरव पटौदिया
492. डॉ. ग्रीशा गोपाल
493. डॉ. एडविन जॉर्ज
494. डॉ. प्रीथम एन
495. डॉ. विनायक नारायण
496. डॉ. के आर सीताराम भट्ट
497. डॉ. साक्षी दुग्गल
498. डॉ. लक्ष्मणराजन के एम
499. डॉ. अनूप जेम्स जॉर्ज
500. डॉ. परमार जैनिलकुमार प्रतापसिंह
501. डॉ. रुशनईवाला फैजान मोहदिलयास
502. डॉ. आर लक्ष्मी नरसिम्हन
503. डॉ. अस्मिता
504. डॉ. अतुल कुमार सिंह
505. डॉ. अनिश गुप्ता
506. डॉ. निक्सन कुल्याददान डायस

507. डॉ. के पारी
508. *डॉ. अंकित दादरा
509. डॉ. निधि महेंद्रकुमार सिंघानिया
510. डॉ. अजय विजय कुलकर्णी
511. डॉ. दिव्या जैन
512. डॉ. खेरा संजीव
513. डॉ. प्रशांत बी वी
514. डॉ. रुचिता महाजन
515. डॉ. गौरव प्रकाश
516. डॉ. स्वाति मित्तल
517. डॉ. सुरेका सौरभ पवनकुमार
518. डॉ. जैरी जॉर्ज
519. डॉ. अविनाश कुमार मिश्रा
520. डॉ. पवनराज पी

* अपूर्ण 24

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. गायत्री सतपथी
2. डॉ. देबमल्यe साहा
3. डॉ. अरुण रवि जॉन
4. डॉ. जयाफर के
5. *डॉ. अमित कुमार सलारिया
6. डॉ. अरुण कुमार
7. डॉ. इंद्रनील बसु
8. डॉ. पावड़े योगेश रामकृष्ण
9. डॉ. बविस्कर आशीष अविनाश
10. डॉ. राजीव महर्षि
11. डॉ. गिप्सन सैमुअल टी
12. डॉ. पुनीथ कुमार के एन
13. डॉ. शशांक गुप्ता
14. डॉ. अक्षत विजय
15. डॉ. अरुण गंगाधर
16. डॉ. अश्विनी कुमार
17. डॉ. संजीव कुमार
18. डॉ. सुश्रुत राजेंद्र पुलगांवकर
19. *डॉ. शबनम के
20. डॉ. मनूप बी
21. डॉ. सौमावा मंडल
22. डॉ. बरखा बिंदू
23. डॉ. नीरज कुमार
24. डॉ. एस सुगन्या
25. डॉ. मोहम्मद जुबेर मोहम्मद
26. डॉ. अनीश अग्रवाला जाकिर
27. डॉ. नेहा पांडे
28. डॉ. महादेवकर प्रणव संजीव
29. डॉ. देसाई संजय मुकुंद
30. डॉ. अमित कुमार
31. डॉ. वरे संदीप गणपति
32. डॉ. रिचा गर्ग
33. डॉ. नीतू रेबेका इसाक
34. डॉ. मोबिन जॉर्ज थरू
35. डॉ. अभिषेक दास
36. डॉ. अंकित उप्पल
37. डॉ. कन्हैया लाल
38. डॉ. नितीश
39. डॉ. कार्तिक हंस
40. डॉ. बिभुदत्ता मिश्रा
41. डॉ. प्रीती गुप्ता
42. डॉ. नीलभ नयन
43. डॉ. वर्षा सी
44. डॉ. सौप्तिक गंगोपाध्याय
45. डॉ. जयदीप मजूमदार
46. डॉ. सन्दीप मल्ला
47. डॉ. मोहम्मद अनीस कलाडी
48. डॉ. बी विजयेश्वर रेड्डी
49. डॉ. पृथ्वी राज वी
50. डॉ. विमल कुमार डाकोर
51. डॉ. आदित्य सोमानी
52. डॉ. के वसंथ
53. *डॉ. काबिल कुमार एल
54. डॉ. आकाश एच एस

55. डॉ. किरण गोपाल
56. डॉ. अशेष मैत्रा
57. डॉ. नेहा गुप्ता
58. डॉ. बिजू अजर्याह एम
59. *डॉ. गीतू बाबू
60. डॉ. विभा उप्पल
61. डॉ. पाटिल निर्मल धनंजय
62. डॉ. कोटपल्लीवार मोनिका कुबेर
63. *डॉ. लम्बे अभिनव विलास
64. *डॉ. निखिल यादव
65. डॉ. सुमन चटर्जी
66. डॉ. दीपिका जुत्शी
67. *डॉ. ढोलकिया कुणाल प्रफुलकुमार
68. डॉ. दोषी रिद्धि दीपक
69. डॉ. विनय वैद्यनाथन
70. डॉ. केनी स्वप्निल अनिल
71. डॉ. नल्लम वेंकट रामकृष्ण बाबू
72. डॉ. नमिता चोपड़ा
73. डॉ. प्रणव कुमार
74. डॉ. वेनी बेदी
75. डॉ. रमेश पुरोहित
76. डॉ. अविनाश ए नायर
77. डॉ. कुमता राधिका समीर
78. डॉ. सोनाली भट
79. डॉ. अरुण कुमार ए एस
80. डॉ. हुदेकर रामेश्वर भागाजी
81. डॉ. बी बालाजी कृष्णन
82. डॉ. राजेंद्र डिडेल
83. डॉ. सत्य नारायण
84. डॉ. शिंदे सोनाली बाबनराव
85. डॉ. वनज कुमार पी
86. डॉ. एस अभिषेक
87. डॉ. महाजन जैमिनी प्रवीण कुमार
88. डॉ. शुभदीप दास
89. डॉ. अरघ्या दास
90. डॉ. कौर पुनीत एच एस पृथी
91. डॉ. दीपक बी
92. डॉ. पशुपति नाथ मिश्रा
93. डॉ. रोहित एलानी
94. डॉ. सिंघल दीपक कुमार
95. डॉ. सम्पत दाश
96. डॉ. अपर्णा आर्य
97. डॉ. प्रिंस रैना
98. डॉ. विशाल कृष्ण पाई
99. डॉ. प्रमिला सोनी
100. डॉ. इंदिरा सरीन
101. डॉ. सिद्धार्थ लांबा
102. डॉ. आशीष गुप्ता
103. डॉ. तेहारे अभिजीत उत्तम
104. डॉ. सौम्य अग्रवाल
105. *डॉ. रीमा भूषण
106. डॉ. आदर्श एम बी
107. डॉ. राजबहादुर संदीप एम
108. *डॉ. सोनू सुमन
109. डॉ. अनूब आर सी
110. डॉ. पाटिल मधुरा चंद्रशेखर
111. डॉ. अनिरुद्ध अरविंद जोशी
112. डॉ. मुग्धा बिंदू गलगली

113. डॉ. प्रशांत आर आर
114. डॉ. विक्रम खन्ना
115. डॉ. पारुल गुप्ता
116. डॉ. यादव वीरेन्द्र शांतिप्रसाद
117. डॉ. बावनकर प्रीतम मधुकर
118. डॉ. श्रुति शर्मा
119. डॉ. शिंदे निखिल नागो
120. *डॉ. रेंगे कैलास बाबुराव
121. डॉ. कार्तिकेयन पी
122. डॉ. नवीन कुमार सिंह
123. डॉ. सोनाली महेरा
124. *डॉ. भाटिया नवीन
125. डॉ. तपन कुमार सरकार
126. डॉ. सोनाली शामदासानी
127. डॉ. कुंदन मल सिंगोडिया
128. डॉ. हरिथा सी
129. डॉ. नीरज कुमार
130. डॉ. मिथाली वी
131. डॉ. मुथरेजा दीपक ईश्वरदास
132. डॉ. संदीप पारेख
133. डॉ. पवनकुमार एच पाटिल
134. डॉ. अंकुर रामप्रकाश पारिख
135. डॉ. राठी अमितकुमार सुरेश
136. डॉ. राठी कार्तिका सुरेश
137. डॉ. कदम तुषार संदीप
138. डॉ. राशि वार्षणेय
139. डॉ. आनंद सुब्रमण्यम
140. डॉ. पूजा तिवारी
141. डॉ. हरजीत एच ए
142. डॉ. अरुण कुमार टी एम
143. डॉ. बेंजिथ पॉल के
144. डॉ. मार्कड़ स्वप्निल बलराम
145. डॉ. सप्तमी गौड़ा एस
146. डॉ. काले केशव दादा
147. डॉ. जयवीर यादव
148. डॉ. अभिनव जैन
149. *डॉ. रेणुबाला रावत
150. डॉ. अन्तवाल पल्लवी युवराज
151. डॉ. मोदक रणजीत मोहन
152. डॉ. बरवे प्रजक्ता माधव
153. डॉ. अभिजीतकुमार सूरजकुमार हाजरा
154. डॉ. सुनील कुमार ठाकुर
155. डॉ. चिंतवार गजानन दिलीपराव
156. डॉ. संस्या महापात्रा
157. डॉ. साठे हर्षल श्रीराम
158. डॉ. सर्राफ अनंतप्रकाश सिद्धार्थ कुमार
159. डॉ. मंजू रानी
160. डॉ. अभिलाषा
161. डॉ. जॉर्ज एम श्रम्पिकल
162. डॉ. मुसाफिर खान ए पी
163. डॉ. सुनील बलिगा बी
164. डॉ. अमित सहरावत
165. डॉ. कवलकर अभिजीत चंद्रकांत
166. डॉ. सुनील दत्त शर्मा
167. डॉ. पल्लवी डोकनिया
168. डॉ. सबिताभ कुमार

*अपूर्ण 12

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

5. संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त सीएमई के प्रस्तावों में से अकादमी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार दिनांक 1.04.2018 से 30.09.2018 तक 9 बाह्यसांस्थानिक और 3 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी स्वीकृत किए हैं।

दिनांक 01.04.2018 से 30.09.2018 तक बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"परिणाम अनुसंधान विधियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा - विश्लेषण" पर सीएमई कार्यक्रम 25 मई 2017 कोलकाता (पश्चिम बंगाल)।	*70,500/-
2	"सर्जरी में उभरते रुझान- आपातकालीन सर्जरी और ट्रामा केयर" पर सीएमई कार्यक्रम 14 -15 जुलाई 2017 पुणे।	*75,000/-
3	"कोशिका संवर्धन और विषाक्तता परीक्षण में बुनियादी तकनीकों पर कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम 20 - 22 जुलाई 2017 पांडिचेरी।	*36,000/-

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
4	"रोधज निद्रा अश्वसन के निदान और प्रबंधन में हालिया अग्रिम - क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य" पर सीएमई कार्यक्रम 26 अगस्त 2017 इम्फाल, मणिपुर।	*44,433/-
5	"फील्ड चिकित्सा व्यवस्था में आपात स्थिति से निपटना" पर सीएमई कार्यक्रम 26 - 27 अगस्त, 2017 कोलकाता।	---
6	"प्रसूति एवं स्त्री रोग में साक्ष्य आधारित अभ्यास और स्त्री रोग में एंडोस्कोपी सर्जरी" पर सीएमई कार्यक्रम 9 - 10 सितंबर 2017 पुणे।	*37,500/-
7	"नैदानिक प्रथाओं में तर्कसंगत निर्धारण और नैदानिक परीक्षण के नियामक पहलुओं" पर सीएमई कार्यक्रम 19 नवंबर, 2017 अलीगढ़ (यू.पी.)।	**2,00,000/-
8	"नैदानिक अनुसंधान में रोगी की सुरक्षा के लिए नैतिकता को समझना" पर सीएमई कार्यक्रम 21 नवंबर, 2017 नई दिल्ली।	**1,80,000/-

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
9	"भारत के भेषजसहविज्ञान कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियां: चिकित्सा और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना" पर सीएमई कार्यक्रम 8 अक्टूबर, 2018 गाजियाबाद (यू.पी.)।	1,20,000/-

*/** इन सीएमई कार्यक्रमों को वित्तीय वर्ष 01.04.2017 से 31.03.2018 की अवधि में आयोजित और अनुदान स्वीकृत किया गया था। हालांकि, (**)सीएमई कार्यक्रम में पूर्ण और अंतिम किश्त 01.04.2018 से 31.10.2018 की अवधि में जारी की गई थी और (*) के साथ चिह्नित सीएमई के लिए केवल दूसरी किश्त का भुगतान किया गया था ।

दिनांक 1.04.2018 से 30.09.2018 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"वर्तमान में भारत में गैर-संक्रमणीय रोगों का उदय" पर सीएमई कार्यक्रम महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी। 26 अक्टूबर, 2018	2,20,000/-
2	"एसडीजी पोषण लक्ष्यों के साथ भारत की कोशिश" पर नैम्स-एनएफआई अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र। 27 नवंबर, 2018	2,40,000/-

नैम्स भवन के श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र से सीएमई और कार्यशालाओं का आयोजन हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महान कदम है जिसमें कई संस्थान इस तरह के कार्यक्रमों के व्यापक आभासी दर्शकों का हिस्सा होंगे और इस संबंध में, हमारी सेवाओं को काफी हद तक बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

दिनांक 1.04.2018 से 30.09.2018 तक कौशल विकास एवं चिकित्सा शिक्षा के लिए नैम्स प्रेक्षागृह में आयोजित नैम्स अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1.	"हस्तक्षेपीय विकिरण विज्ञान" पर सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र। 16 दिसम्बर, 2018	50,000/-

6. एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्रत्येक वर्ष, एनएएमएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान देश की स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी आवश्यकताओं के अत्यधिक संगत विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाती है। इस वर्ष 58वें वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन - 2018) के दौरान नैम्स की राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'कैंसर में हालिया प्रगति' है, जो 26-29 अक्टूबर, 2018 को महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत ये विषय हैं (i) कैंसर आनुवंशिकी और प्रतिरक्षाविज्ञान, (ii) कैंसर निदान, (iii) कैंसर उपचार, (iv) प्रशामक देखभाल, (v) पुनर्वास कैंसर। व्याख्यान देने वाले सभी वक्ता चिकित्सा क्षेत्र के बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति हैं।

7. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 25 जुलाई, 2018 को आयोजित बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वह योजना आयोग से सलाहकार के रूप में सेवानिवृत्त हुईं। वह प्रतिबद्ध पेशेवर और एक अच्छो विद्याविद हैं। उन्होंने अध्यक्ष, परिषद् सदस्य, अध्यक्षा, वित्त समिति सदस्य, आदि के रूप में अकादमी की विभिन्न क्षमताओं में सेवा की है।